खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 09 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-97

सत्ता-सुरंग में खो गया 900 मिलियन डॉलर की ड्रग्स बरामदगी का मामला

कांग्रेस का ड्रग्स हजम कर गई मोदी सरकार!

ड्रग्स की अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी सत्ता की अंधेरी सुरंग में खो गई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने बड़ी मशक्कत से 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानि 56 अरब भारतीय मुद्रा की कीमत की कोकीन और हाइड्रोपोनिक मारिजुआना युक्त ड्रग्स की विशाल खेप जब्त की थी। ड्रग्स की तस्करी में कांग्रेस नेता तुषार गोयल प्रत्यक्ष तौर पर और कांग्रेस के शीर्ष नेता परोक्ष तौर पर जुड़े पाए गए थे। ड्रग्स की वह खेप सीधे कोलंबियाई नार्को-कार्टेल के साथ-साथ एफबीआई के मोस्ट-वांटेड आतंकी डॉन दाऊद इब्राहिम और उसकी कुख्यात डी-कंपनी से जुड़ी हुई बताई गई थी। है। कांग्रेस नेता तुषार गोयल समेत कई लोग गिरफ्तार भी किए गए थे। लेकिन उसके बाद इतने बड़े मामले में गृह मंत्रालय ने क्या किया, इसकी हवा तक नहीं मिली। गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से लेकर तमाम केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी इस मसले पर कुछ भी बोलना नहीं चाहते। सब कहते हैं, ऊपर का मामला है। यह कितने ऊपर का मामला है, कितने ऊपर जाकर मामला सेट हो जाता है, यह भारत के लोगों को पता रहता है। शीर्ष स्तर के नेता सब एक दूसरे को बचाते हैं और सियासत के लिए एक दूसरे को कोस कर पब्लिक को मूर्ख बनाते हैं।

कोलंबियाई कार्टेल और दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी से जुड़े हैं कौन?

शीर्ष नेताओं से जुड़े ड्रग्स-डीलर वीरेंद्र बसोया पर क्यों छाया है मौन!

उल्लेखनीय है कि जब्त की गई दवाओं की खेप में 500 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना शामिल था। कोकीन की खेप दुबई के रास्ते भारत पहुंची थी और हाइड्रोपोनिक मारिजुआना थाईलैंड से आया था। इस मामले में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस पार्टी ने उसके साथ किसी तरह के संबंध से इन्कार किया था। कांग्रेस पार्टी ने यह तो स्वीकार किया कि तुषार गोयल पार्टी में था, लेकिन कहा कि उसे बाद में ▶10 पर

पीएम मुद्रा योजना के 10 साल पूरा होने पर प्रधानमंत्री ने कहा

33 लाख करोड़ देकर नए उद्यमियों को शक्ति दी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मुद्रा योजना के 10 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुद्रा योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा, इस योजना को लागू हुए दस साल हो गए हैं। सामान्य तौर पर सरकार का स्वरूप क्या रहता है। वो फैसले लेते हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं और घोषणा करते हैं कि हम ये करेंगे और फिर कुछ लोगों को बुलाकर दीये जला देते हैं। लोग ताली बजाते हैं और अखबार में छप जाता है। उसके बाद कोई नहीं पूछता। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार ऐसी है कि दस साल बाद किसी योजना के परिणामों का मूल्यांकन करती है। हम लाभार्थियों से उनके अनुभव के बारे में पूछ रहे हैं और अगर इसमें कोई बदलाव लाने की जरूरत है, कुछ सुधार की जरूरत है, तो हम उस दिशा में भी आगे बढ़ने वाले हैं।

"किसी भी सरकार के लिए आंख खोलने वाली है मुद्रा योजना

मुद्रा योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मिली मदद

पीएम मोदी ने कहा, देश के लोगों को बिना किसी गारंटी के 33 लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं। आप अखबार में पढ़ते हैं कि ये अमीरों की सरकार है। ▶10 पर

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने की पीएम मुद्रा योजना की सराहना

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पीएम मुद्रा योजना की सराहना करते हुए कहा है कि यह योजना महिला उद्यमिता पर विशेष ध्यान देने के साथ जमानत-मुक्त लोन प्रदान करती है, इसने महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई की संख्या को बढ़ाने में मदद की है, जो अब 28 लाख से अधिक हो गए हैं। इस योजना से पूरे देश में लोगों की जिंदगी बदल गई है। इस योजना ने सिलाई इकाइयों और चाय की दुकानों से लेकर सैलून, मैकेनिक की दुकानों और मोबाइल मरम्मत व्यवसायों तक, करोड़ों ▶10 पर

हैदराबाद का सनसनीखेज दिलसुखनगर बम धमाका केस

पांच दोषियों को मौत की सजा पर हाईकोर्ट की मुहर

हैदराबाद, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद के दिलसुखनगर बम धमाका केस में तेलंगाना हाईकोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के पांच आतंकवादियों की मौत की सजा बरकरार रखने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के सजा-ए-मौत के फैसले को कायम रखा। वर्ष 2013 में हैदराबाद के दिलसुखनगर हुए दो बम धमाकों में 18 लोग मारे गए थे और 131 लोग घायल हुए थे।तेलंगाना हाईकोर्ट के न्यायाधीश के लक्ष्मण और जस्टिस पी श्रीसुधा की पीठ ने एनआईए अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए आईएम आतंकवादियों की ओर से दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण अपील को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई गई सजा की पुष्टि की जाती है। एनआईए कोर्ट ने 13 दिसंबर 2016 को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के सह-संस्थापक मोहम्मद अहमद ▶10 पर

हाईकोर्ट ने एनआईए कोर्ट के फैसले को उचित ठहराया

दो धमाकों में 18 लोग मारे गए थे, 131 घायल हुए थे

जयपुर बम ब्लास्ट केस में चार दोषियों को उम्रकैद की सजा

जयपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में 17 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों में चारों आतंकियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। विशेष न्यायाधीश रमेश कुमार जोशी ने चार आतंकियों को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषियों में सरवर आजमी, सैफुर रहमान, मोहम्मद सैफ और शाहबाज अहमद शामिल हैं। इन सभी को कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 121-ए, 124-ए, 153-ए, 307, यूएपीए एक्ट 1967 की धारा 18, और विस्फोटक अधिनियम 1908 की धारा 4 और 5 के ▶10 पर

वक्फ के बाद अब आया नया देश बनाने का मसला

मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को अलग देश बताया

तिरुवनंतपुरम, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड के दावों, अवैध कब्जों और माफियाई हरकतों से मुक्ति मिलने के बाद अब मुस्लिमों ने नया देश बनाने का दावा भी ठोक दिया है। मुसलमानों ने केरल के मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को अलग देश बताया है। केरल में एसएनडीपी योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन ने कहा है कि केरल के मुस्लिम बहुल जिला मलप्पुरम में भारत का कोई भी नियम कानून नहीं चलता। वहां केवल मुस्लिम शरीयत के आधार पर व्यवस्था चल रही है। नटेसन ने कहा, मल्लपुरम बिल्कुल अलग देश हो गया है,

वेल्लापल्ली नटेसन

इस पर भारत सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। वेल्लापल्ली नटेसन ने मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को ऐसी जगह बताया जहां मुस्लिम समुदाय की दबंगई चलती है और पिछड़े एझावा समुदाय के लिए वहां पर जीना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि मलप्पुरम में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसी कोई चीज नहीं है। वे डर के साए में जी रहे हैं। उन्हें नहीं लगता कि मलप्पुरम में स्वतंत्र राय रखकर कोई रह सकता है। मलप्पुरम एक अलग देश है। उन्होने पूछा कि क्या पिछड़े समुदायों को आजादी के बाद से कोई फायदा मिला? ▶10 पर

आतंकी तहव्वुर राणा को भारत आना ही होगा

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के 26/11 हमले के आरोपी आतंकवादी तहव्वुर राणा की भारत आने से बचने की आखिरी कोशिश नाकाम हो गई। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने उसकी वह याचिका ठुकरा दी, जिसमें उसने अपने प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। अब राणा को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है।

64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है, इस वक्त लॉस एंजिल्स के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। उसने अपने बचपन के दोस्त डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी, जिसने मुंबई में हमले की जगहों की रेकी की थी। भारत लंबे वक्त से उसे अपने यहां लाने की मांग कर रहा था, और अब ये मांग पूरी होने वाली है। राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में 27 फरवरी 2025 को इमरजेंसी एप्लीकेशन फॉर स्टे दाखिल की थी। ये याचिका जस्टिस एलेना कागन के पास भेजी गई थी, जो सुप्रीम कोर्ट की एसोसिएट जस्टिस और नाइंथ सर्किट की जस्टिस हैं। उसने दावा किया था कि भारत आने पर उसकी जान को खतरा है

और उसे टॉर्चर का शिकार होना पड़ सकता है। लेकिन पिछले महीने जस्टिस कागन ने उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने फिर कोशिश की, पर इस बार भी सुप्रीम कोर्ट ने कोई राहत नहीं दी। राणा की दलील थी कि उसका पाकिस्तानी मूल और मुस्लिम होना उसे भारत में खतरे में डाल सकता है। मगर कोर्ट ने इसे नहीं माना और भारत प्रत्यर्पण को हरी झंडी दे दी। इससे पहले, फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी राणा के प्रत्यर्पण का ऐलान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वाशिंगटन में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा था, राणा को भारत भेजा जाएगा, जहां उसे इंसाफ मिलेगा। राणा का नाम डेविड हेडली के साथ जुड़ा है, जो 26/11 हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। हेडली ने मुंबई में कई जगहों की रेकी की थी, और राणा ने उसे फर्जी पहचान और पैसे देकर सपोर्ट किया था। अब राणा को भारत में कोर्ट के सामने पेश होना होगा, जहां उस पर सख्त कार्रवाई तय मानी जा रही है। 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने पूरे मुंबई शहर को दहला दिया था। उस रात शुरू हुआ हमला चार दिन तक चला था। आतंकियों ने लियोपोल्ड कैफे, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट, कामा हॉस्पिटल, नरीमन हाउस, मेट्रो सिनेमा और सेंट जेवियर कॉलेज को निशाना बनाया था। हमले में 166 लोग मारे गए थे, जिनमें कुछ विदेशी नागरिक भी थे। करीब 300 लोग घायल हुए। एनएसजी, मरीन कमांडो, मुंबई पुलिस, आरएएफ, सीआरपीएफ और फायर ब्रिगेड ने मिलकर ऑपरेशन चलाया था। ▶10 पर

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण रोकने से इन्कार किया

ट्रंप के टैरिफ युद्ध का असर भारत में बेअसर

ढीले पड़े कई देशों के खम, भारत ने दिखाया दम

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध में जर्मनी, जापा और चीन जैसे धराशाई हो गए, लेकिन भारत पूरी मुस्तैदी से खड़ा रहा। भारत का शेयर बाजार सबसे कम गिरा। भारत में निफ्टी एक सप्ताह में 4.33% घटा और सेंसेक्स 3.79%, जबकि अमेरिका, जापान, हॉन्गकॉन्ग, चीन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी में इससे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

सूची	देश/क्षेत्र	अप्रैल (01/2025)	अप्रैल (07/2025)	बदलाव (% में)
निफ्टी 50	भारत	23,165.70	22,161.60	-4.33%
सेंसेक्स	भारत	76,024.51	73,137.90	-3.79%
डाउ जोन्स	अमेरिका	41,989.96	37,879.65	-9.78%
हांग सेंग	हॉन्गकॉन्ग (चीन)	23,206.84	19,828.30	-14.55%
शंघाई कंपोज़िट	चीन	3,348.44	3,096.58	-7.52%
यूरो स्टॉक्स 50	यूरोज़ोन	5,320.30	4,662.45	-12.36%
निक्की 225	जापान	35,624.48	31,136.58	-12.59%
कोसपी	दक्षिण कोरिया	2,521.39	2,328.20	-7.66%
डाक्स	जर्मनी	22,539.98	19,689.75	-12.64%

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अन्य देशों से अमेरिका में आने वाले वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क, यानी टैरिफ लगाते हुए दुनिया भर में टैरिफ युद्ध छेड़ दिया है। इससे दुनिया भर के शेयर मार्केट धड़ाम हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इसे रेसिप्रोकल टैरिफ नाम दिया है, अर्थात जितने टैरिफ अमेरिका से निर्यातित वस्तुओं पर दूसरे देश लगाएंगे, अमेरिका भी उन देशों से आयातित वस्तुओं पर उतना ही कर लगाएगा। चीन ने भी अमेरिका से आने वाले सामानों पर 34% टैरिफ लगाया है, जिसपर ट्रंप ने 50% और टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी दी है।

सोमवार 7 अप्रैल को चीन और भारत समेत कई बाजारों में इसका असर देखने को मिला। भारत में तो इस दिन का मार्केट क्रैश देश के इतिहास में मार्केट कैप के मामले में तीसरा सबसे बड़ा है। एक दिन में निवेशकों के 14.20 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। ▶10 पर

सुरक्षा पर संकट : सिम के जरिए चीन जा रही सूचनाएं

सिम कार्डों में मिले चीनी चिपसेट, बदले जाएंगे

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर मिली गंभीर सूचनाओं के मद्देनजर केंद्र सरकार पूरे देश में सीम कार्डों को बदलने की तैयारी कर रही है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक (एनसीएससी) और गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई थी। इस जांच में मौजूदा सिम कार्डों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पाया गया। अब सरकार पुराने सिम कार्ड को बदलने की संभावनाएं तलाश रही है। देश की प्रमुख साइबर सुरक्षा एजेंसी द्वारा की गई जांच में सामने आया कि कुछ सिम कार्ड में प्रयुक्त चिपसेट्स चीन से आए थे और उनके डेटा अब भी चीनी सर्वर में जा रहे हैं।

एनसीएससी ने देश के प्रमुख टेलीकॉम ऑपरेटर्स जैसे रिलायंस जिओ, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के वरिष्ठ अधिकारियों और दूरसंचार मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में सिम कार्ड आपूर्ति प्रक्रिया की खामियों और पुराने सिम कार्ड को बदलने के लिए एक रूपरेखा पर चर्चा की गई। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हुआवेई और जेडटीई जैसे चीनी उपकरण निर्माताओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब राष्ट्रीय सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए सरकार ने नियम बनाया है कि देश में किसी भी प्रकार के टेलीकॉम उपकरण के आयात, बिक्री या उपयोग से पहले उनकी अनिवार्य टेस्टिंग और प्रमाणन किया जाएगा। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि जो भी टेलीकॉम उपकरण भारत में उपयोग किए जाएं, वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, प्रदर्शन और गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरें। ▶10 पर

पाक ने बैसाखी त्यौहार के लिए 6,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया

इस्लामाबाद,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने इस साल बैसाखी त्योहार के लिए 6,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों के लिए वीजा जारी किए हैं।

भारतीय सिख तीर्थयात्री 10 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में गुरुद्वारा पंजा साहिब, ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा करेंगे।

खबर के अनुसार, तीर्थयात्रा पाकिस्तान के प्रभारी साद अहमद वराइच ने कहा कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने 2025 के बैसाखी त्योहार के अवसर पर भारतीय तीर्थयात्रियों को 6,500 से अधिक वीजा जारी किए हैं। इससे धार्मिक सद्भाव और आपस में भाईचारा बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की वीजा नीति का उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के बीच सेतु का निर्माण करना है। पाकिस्तान मुल्क में पवित्र स्थलों पर धार्मिक आगंतुकों की तीर्थयात्रा को सुविधाजनक बनाना जारी रखेगा।

इससे पहले, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने तीर्थयात्रियों के एक समूह को चकवाल जिले में स्थित पवित्र श्री कटास राज मंदिर की यात्रा के लिए 154 वीजा जारी किए हैं। 24 फरवरी से शुरू यह तीर्थयात्रा 02 मार्च को सम्पन्न हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि धार्मिक तीर्थस्थलों की यात्रा पर 1974 के पाकिस्तान-भारत प्रोटोकॉल के तहत हर साल हजारों भारतीय तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक उत्सवों में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

चुनाव प्रचार के दौरान महिला नेत्री से अश्लील हरकत करने वाली को मिली सजा

लंदन। पिछले साल ब्रिटेन की महिला राजनेता मोनिका लेनन के साथ चुनाव प्रचार कर रही थीं इसी दौरान एक दूसरी महिला ने उन्हे चूमा और अश्लील हरकत कर दी। इससे नाराज लेनन ने इस मामले की शिकायत की और आरोपी महिला को स्थानीय अदालत ने सजा सुना दी। बीते साल मई में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की तरफ से आम चुनाव का ऐलान होने के बाद प्रचार अभियान शुरू हुआ था। तब लेनन अपने सहकर्मियों के साथ हेमिल्टन में प्रचार कर रही थीं। तब वुड ने कथित तौर पर उन्हें देखकर यौन इशारे किए उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद वह लगातार लेनन की गर्दन पर किस करने लगीं। लेनन ने इस घटना को व्यथित करने वाला बताया था। साल 2024 में चुनाव प्रचार के दौरान महिला ने लेनन को जबरदस्ती पकड़ने और चूमने की कोशिश की थी।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में हुए आम चुनाव के प्रचार के दौरान 57 साल की एल्सपेथ वुड लेबर एमएसपी मोनिका लेनन के बेहद करीब आ गई थी। इसके बाद वुड ने लेनन को कमर से पकड़ा और गर्दन पर चूम लिया। साउथ लनार्कशायर के हेमिल्टन की रहे वाली वुड को हेमिल्टन शेरिफ कोर्ट में पेश किया गया था। सजा के साथ-साथ वुड पर लेनन से संपर्क साधने या बातचीत की कोशिश पर भी 3 साल के लिए रोक लगा दी गई है। क्राउन ऑफिस और प्रोक्युरेटर फिस्कल सर्विस का कहना है कि इस अवधि के दौरान वुड यौन अपराधियों की सूची में भी शामिल रहेंगी।उन्होंने राजनीति में महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, वो एक सामान्य प्रचार अभियान था और उस घटना के बाद सबकुछ बदल गया।

मशहूर कॉसप्ले आर्टिस्ट हिमेनी जिसकी सुंदरता का हर कोई दीवाना, मेकअप के ज़रिए अपने लुक्स को पूरी तरह बदल लेते हैं आर्टिस्ट हिमेनी

टोक्यो। सोशल मीडिया पर एक बेहद आकर्षक और खूबसूरत लड़की की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसे देखकर हर कोई उसकी सुंदरता का दीवाना हो जाता है। लेकिन असलियत जानने के बाद लोग तत्काल उससे 'ब्रेकअप' तक कर लेते हैं। दरअसल, यह कोई लड़की नहीं बल्कि जापान के मशहूर कॉसप्ले आर्टिस्ट हिमेनी हैं, जो मेकअप और स्टाइलिंग की मदद से खुद को एक खूबसूरत महिला के रूप में पेश करते हैं। उनकी तस्वीरें इतनी असली लगती हैं कि सोशल मीडिया पर लोग धोखा खा जाते हैं। कई लोग तो उन्हें डेट करने तक की सोचने लगते हैं, लेकिन जैसे ही हिमेनी अपनी भारी मर्दाना आवाज़ में बात करते हैं, उनका जादू टूट जाता है। हिमेनी जापान के एक मशहूर कॉसप्ले कलाकार हैं, जो लड़कियों के कपड़े पहनकर और मेकअप के ज़रिए अपने लुक्स को पूरी तरह बदल लेते हैं। उनकी तस्वीरें इतनी वास्तविक लगती हैं कि लोग उन्हें एक खूबसूरत महिला समझ बैठते हैं। लेकिन मज़ा तब आता है जब वह किसी वीडियो में अचानक अपनी असली आवाज़ में बोलते हैं, जिससे देखने वाले चौंक जाते हैं। एक इंटरव्यू में हिमेनी ने बताया कि उन्हें हमेशा से लड़कियों के कपड़े पहनने का शौक था, लेकिन उनके माता-पिता उन्हें पारंपरिक रूप से मर्द बनाना चाहते थे।

चंद्रमा से टकरा सकता है विशाल एस्टेरॉयडः नासा

नई दिल्ली। हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक चेतावनी जारी की है, एक विशाल एस्टेरॉयड चंद्रमा से टकरा सकता है। साल 2024 के दिसंबर महीने में खोजे गए नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट 2024 वायआर4 को लेकर अब नई जानकारी सामने आई है। नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) द्वारा प्राप्त इन्फ्रारेड डेटा के अनुसार, इस एस्टेरॉयड का आकार लगभग 174 से 220 फीट यानी 53 से 67 मीटर के बीच है। इसका मतलब है कि यह आकार में करीब 10 मंजिला इमारत जितना बड़ा है। पहले इसके आकार का अनुमान 40 से 90 मीटर के बीच लगाया गया था, लेकिन अब अधिक सटीक आंकड़े उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआत में वैज्ञानिकों ने इस एस्टेरॉयड को पृथ्वी के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं माना था, लेकिन हाल ही में हुए विश्लेषण में यह पता चला है कि इसके चंद्रमा से टकराने की संभावना बढ़ गई है।

टैरिफ वॉर : अमेरिका को घेरने ट्रंप के खिलाफ खड़े हो गए 27 देश

लंदन,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका का दादागीरी पर लगाम कसने के लिए 27 देश एकजुट हो गए हैं। टैरिफ वॉर छेड़ चुके अमेरिका के खिलाफ भी मुल्क फैसले लेना शुरू कर चुके हैं। खबर है कि अब यूरोपीय संघ ने कई अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी की है। हालांकि, प्रस्ताव पर अभी सदस्य देशों की तरफ से मुहर लगाया जाना बाकी है। इधर, चीन की तरफ से जवाबी टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने ड्रैगन को 50 फीसदी शुल्क लगाने की धमकी दी है।

दरअसल, ट्रंप ने यूरोपीय संघ के मादक पेय पदार्थों पर 200 फीसदी का जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके बाद फ्रांस और इटली जैसे सदस्य देश खासे चिंतित हो गए थे। यूरोपीय संघ ने सोमवार को कहा कि उसने ट्रेड युद्ध से बचने के लिए शून्य टैरिफ की पेशकश की है। ट्रंप ने 27 देशों के समूह ईयू पर स्टील और एल्युमिनियम और कार पर 25 फीसदी इम्पोर्ट टैरिफ और 20 फीसदी का ब्रॉडर टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने दो अप्रैल को चीन और भारत समेत करीब 60 देशों पर अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाने की घोषणा की थी। चीन के उत्पादों पर अमेरिका ने 34 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इस पर पलटवार करते हुए चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंका से शेयर बाजारों में चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। इससे अमेरिका में भी आर्थिक वृद्धि सुस्त पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रंप ने चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी सीमा शुल्क को वापस न लेने की स्थिति में उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सोमवार को धमकी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट में कहा, अगर चीन आठ अप्रैल, 2025 तक अपने पहले से ही दीर्घकालिक व्यापार दुरुपयोगों से ऊपर 34 प्रतिशत की वृद्धि को वापस नहीं लेता है तो हम चीन पर 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे, जो नौ अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। ट्रंप के इस बयान से दुनिया की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध गहराने और वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता पैदा होने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रंप के टैरिफ से चीन को नहीं पड़ेगा फर्क, अमेरिका को कड़ा जवाब देने की तैयारी में

बीजिंग। अमेरिकी टैरिफ को लेकर चीन कतई चिंतित नहीं है। उसने अमेरिका को कड़ा जवाब देने की अपनी तैयारी कर ली है। हालांकि, ड्रैगन ने अब तक अपनी योजना स्पष्ट रूप से नहीं बताई है। ट्रंप पहले ही चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं। फिलहाल, इस पर ट्रंप की प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रंप ने चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी सीमा शुल्क को वापस न लेने की स्थिति में उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सोमवार को धमकी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, अगर चीन आठ अप्रैल, 2025 तक अपने पहले से ही दीर्घकालिक व्यापार दुरुपयोगों से ऊपर 34 प्रतिशत की वृद्धि को वापस नहीं लेता है तो हम चीन पर 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे, जो नौ अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। इसके साथ ही ट्रंप ने अमेरिका के साथ बैठकों के अनुरोध पर चीन के साथ आयोजित सभी वार्ताएं भी समाप्त करने की धमकी दी। ट्रंप के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिका पर 34 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। रिपोरट के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी की तरफ से टैरिफ बढ़ाए जाने का चीन मजबूती से विरोध करेगा। साथ ही अमेरिका को जवाब देने की कसम खाई है। मंत्रालय के हवाले से बताया है, अमेरिका टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर फिर गलतियां कर रहा है। यह उसके दबाव की प्रवृत्ति को दिखाता है।आगे कहा गया, चीन इसका विरोध करता है। अगर अमेरिका अपने इस फैसले पर अड़ा रहा, तो चीन इसका जवाब देगा। इधर, अगर बाजार की स्थिरता के लिए जरूरत होगी, तो वह मदद देने तैयार हैं।

बे-नतीजा रही इजराइल पीएम नेतन्याहू और यूएस राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक

तेल अवीव,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

टैरिफ हटवाने की आस में अमेरिका पहुंचे इजरायली पीएम नेतन्याहू को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एक नहीं, दो झटके मिले। पहला झटका ट्रंप ने इज़रायली सामान पर लगे 17 प्रतिशत टैरिफ हटाने से इनकार कर दिया।

दूसरा झटका ट्रंप ने ईरान के साथ सीधे परमाणु समझौते की बातचीत की घोषणा कर दी, जिससे इज़राइल पहले से ही चिंतित रहा है। नेतन्याहू मंगलवार अपने देश के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नेतन्याहू का अमेरिका दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार समाप्त हो रहा है। हालांकि, नेतन्याहू की इस यात्रा को राजनयिक स्तर पर निराशाजनक माना जा रहा है। उनके ट्रंप के साथ हुई बैठक से इज़रायल को वह समर्थन नहीं मिला, जिसकी उसे उम्मीद थी। बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली आयात पर लगे टैरिफ हटाने को लेकर कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई। इजरायली पक्ष ने इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इस पर सहमति नहीं दी। दौरे के दौरान नेतन्याहू ने किसी भी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित नहीं किया और न ही उन्होंने अमेरिकी नीतियों पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय और इज़रायली मीडिया में सवाल उठने लगे हैं। नेतन्याहू का यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब इज़रायल घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहा है। ऐसे में अमेरिका से समर्थन की उम्मीद थी, लेकिन मौजूदा घटनाक्रम ने दोनों देशों के संबंधों में संभावित खटास की आशंका बढ़ा दी है।

केंटकी के फ्रैंकफर्ट में बाढ़ में डूबे वाहन

कंटकी के फ्रैंकफर्ट में बाढ़ में डूबे वाहनों के पास से एक नाव में जाते हुए लोग।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएलावासियों के निर्वासन पर निचली अदालत के रोक के फैसले को पलटा

वाशिंगटन,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएला के निर्वासन पर निचली अदालत के रोक के फैसले को पलट दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन युद्धकालीन शक्तियों के आधार पर वेनेजुएला के प्रवासियों को निर्वासित करना जारी रख सकता है। शीर्ष अदालत ने निचली अदालत के फैसले पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी।

खबर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित आपराधिक गिरोह के सदस्यों को वेनेजुएला निर्वासित करने के लिए 1798 के कानून (एलियन एनिमीज एक्ट-1798) का उपयोग करना जारी रख सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस कानून को चुनौती टेक्सास में दी जानी चाहिए थी, क्योंकि प्रवासियों को वहीं रखा गया था, न कि वाशिंगटन डीसी में।

शीर्ष अदालत के 5-4 के फैसले में, ट्रंप प्रशासन के अनुरोध को स्वीकार कर लिया कि वह वाशिंगटन डीसी स्थित न्यायाधीश के आदेश पर प्रतिबंध लगाए। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर शीर्ष अदालत के फैसले का जश्न मनाया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने हमारे देश में कानून के शासन को बरकरार रखा है। एक राष्ट्रपति को, चाहे वह कोई भी हो, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने और हमारे परिवारों और हमारे देश की रक्षा करने में सक्षम होने की अनुमति देकर। अमेरिका में न्याय के लिए एक महान दिन। उल्लेखनीय है कि इस कानून का उपयोग द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी, इतालवी और जर्मन आप्रवासियों को नजरबंद करने के लिए किया गया था। ट्रंप प्रशासन के फैसले को अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने निचली अदालत में चुनौती दी गई थी। विदेशी शत्रु अधिनियम राष्ट्रपति को ऐसे व्यक्तियों को निर्वासित करने, हिरासत में लेने या उन पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है जिनकी प्राथमिक निष्ठा किसी विदेशी शक्ति के प्रति है और जो युद्ध के समय राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान नहीं खा रहा रहम, शरणार्थियों को पकड़कर भेज रहा अफगानिस्तान

31 मार्च के बाद से अब तक हजारों को कर चुका है निर्वासित

इस्लामाबाद,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने 31 मार्च की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वासन प्रक्रिया तेज कर दी है। हजारों अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजा जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 1 अप्रैल से अब तक 944 से ज्यादा अफगान परिवारों, जिनमें 6,700 व्यक्ति शामिल हैं को पाकिस्तान से निर्वासित किया जा चुका है।

निर्वासन की सबसे बड़ी कार्रवाई पंजाब प्रांत में हुई। 5,111 अफगान नागरिकों को ट्रांजिट शिविरों या हिरासत में भेजा गया है। इनमें 2,301 बच्चे और 1,120 महिलाएं थीं। करांची से 300 से ज्यादा अफगानियों को पाकिस्तान से उनके देश वापस भेजा गया। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील इनाम मेमन ने कहा कि करांची से निर्वासित लोगों में 79 बच्चे, 37 महिलाएं और 191 पुरुष हैं। रावलपिंडी में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने रविवार को 140 महिलाओं और 164 बच्चों सहित 736 अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया था। उन्हें गोलरा मोड़ के पास अफगान शरणार्थी शिविर में भेजा है। 736 लोगों में से 179 को अफगानिस्तान भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों ने अकेले पंजाब में 150 से ज्यादा अफगान कॉलोनियों में रहने वाले 1,00,000 अफगानियों की पहचान की है। कई अफगानों ने बताया कि उन्होंने अपना सारा सामान औने-पौने दामों पर बेच दिया और जल्दबाजी में अपना कारोबार समेट लिया है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं कुछ निर्वासित लोगों ने कहा कि उन्हें काम करते समय पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार किया और अफगानिस्तान भेज दिया जबकि उनका परिवार पीछे छूट गया है। मीडिया रिपोर्ट में गुल मोहम्मद ने बताया कि वह फल बाजार में एक छोटा सा होटल व्यवसाय चलाता था। पुलिस ने उसे पर छापा मारा, उसे खैबर पख्तूनख्वा के हाजी कैंप में चार रातों तक हिरासत में रखा और अब तोरखम के रास्ते निर्वासित कर दिया। पाकिस्तानी सरकार ने अफगान शरणार्थियों के सामूहिक प्रत्यावर्तन के बारे में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त और अन्य एजेंसियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को खारिज कर दिया है।

सोलर आरबीटर ने सूर्य की एक दुर्लभ घटना को किया रिकॉर्ड

वाशिंगटन। सूर्य की एक दुर्लभ घटना को यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के सोलर आरबीटर ने रिकॉर्ड किया है। रिकार्डिंग में एक विशाल घूमती हुई प्लाज्मा स्ट्रीम को देखा गया। 12 अक्टूबर 2022 को यह स्ट्रीम सूर्य से निकलते हुए देखी गई थी, जो एक कोरोना मास इजेक्शन (सीएमई) के बाद उत्पन्न हुई। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह घटना सूर्य की ऊर्जा प्रक्रिया को समझने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह स्ट्रीम लगभग 20 लाख किलोमीटर तक फैली हुई थी और इसे तीन घंटे से अधिक समय तक रिकॉर्ड किया गया। सूर्य की बाहरी परत, जिसे कोरोना कहा जाता है, से यह प्लाज्मा स्ट्रीम बाहर निकलती देखी गई। यह वही परत है जो सूर्यग्रहण के दौरान आंखों को दिखाई देती है। इससे पहले भी सूर्य के कोरोना में ऐसी हेलिकल संरचनाएं देखी गई हैं, लेकिन इतनी विस्तृत और लंबी अवधि तक दर्ज नहीं की गई थीं। इस घटना को सोलर आरबीटर के मेटिस उपकरण ने रिकॉर्ड किया, जो सूर्य की मुख्य चमक को ब्लॉक कर उसकी बाहरी परत को स्पष्ट रूप से देखने की सुविधा प्रदान करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, सूर्य की कोरोना में 'इंटरचेंज रिकनेक्शन' नामक प्रक्रिया होती है, जहां मैग्नेटिक फील्ड की बंद लाइनों के टूटने और खुली लाइनों से जुड़ने के कारण ऊर्जा मुक्त होती है। जब यह ऊर्जा अत्यधिक बढ़ जाती है, तो सूर्य एक बड़ा सीएमई अंतरिक्ष में फेंकता है। इस प्रक्रिया के दौरान घूमती हुई मैग्नेटिक ऊर्जा एक 'फ्लक्स ट्यूब' बनाती है, जिसे पहली बार इतने विस्तार से कैद किया गया है। सोलर आरबीटेर और नासा के पार्कर सोलर प्रोब जैसे मिशन सूर्य के रहस्यों को उजागर कर रहे हैं।

शुभ लाभ DAILY

पश्चिम बंगाल का शिक्षक भर्ती घोटाला

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया सीबीआई जांच का एक हिस्सा

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल कैबिनेट की ओर से अतिरिक्त पदों के सृजन के फैसले की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के एक हिस्से को खारिज कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के अन्य पहलुओं के संबंध में सीबीआई जांच जारी रहेगी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के उस हिस्से को खारिज किया गया है, जिसमें राज्य सरकार की ओर से संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में अतिरिक्त पदों के सृजन के पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने साफ किया कि 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़े अन्य पहलुओं की सीबीआई जांच जारी रहेगी। अतिरिक्त पद से मतलब ऐसे अस्थायी पद से है, जो किसी ऐसे कर्मचारी को समायोजित करने के लिए सृजित किया गया हो, जो किसी ऐसे नियमित पद का हकदार हो, जिसका वर्तमान में कोई वजूद नहीं है।

अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा, आज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कैबिनेट के खिलाफ सीबीआई जांच के लिए हाईकोर्ट का निर्देश अनावश्यक था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश के उस हिस्से को रद्द कर दिया है। अब सीबीआई कैबिनेट के फैसले के लिए कैबिनेट सदस्यों के खिलाफ जांच नहीं कर सकती है। यह अन्य चीजों के लिए नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सीबीआई जांच के निर्देश को छोड़कर अन्य सभी अदालती आदेश लागू रहेंगे। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 3 अप्रैल को 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार देते हुए पूरी चयन प्रक्रिया को भ्रष्ट और दागदार करार दिया था।

इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर से 2016 में राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पाया कि चयन प्रक्रिया बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गई। पीठ ने कहा कि हमारी राय में यह एक ऐसा मामला है, जिसमें पूरी चयन प्रक्रिया को बर्बाद कर दिया गया। प्रक्रिया में समाधान की कोई गुंजाइश ही बची है।

पूरी प्रक्रिया ही दागदार प्रतीत हो रही है। बड़े पैमाने पर हेरफेर और कवर-अप के प्रयास ने चयन प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाया है। ऐसे में चयन की विश्वसनीयता और वैधता समाप्त हो गई है।

शीर्ष अदालत का फैसला पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दाखिल एक याचिका पर आया था, जिसमें कलकत्ता उच्च न्यायालय के अप्रैल 2022 के आदेश को चुनौती दी गई थी। इसमें राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की भर्ती रद्द कर दी गई थी। शीर्ष अदालत ने 10 फरवरी को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

भाजपा नेता के घर पर बम फेंका गया

जालंधर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोरंजन कालिया के घर के बाहर रात करीब 1 बजे जोरदार धमाका हुआ। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि उनके घर ग्रेनेड फेंका गया है, हालांकि पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है। उसके बाद ही साफ हो सकेगा कि यह ग्रेनेड हमला था या फिर कुछ और था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

जालंधर पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने कहा, हमें 1 बजे के आसपास सूचना मिली कि यहां पर कोई विस्फोट हुआ है। हमने और फॉरेंसिक टीम ने यहां पर आकर सब कुछ चेक किया है। हमने एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की तफ्तीश की जा रही है। सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली जा रही है। आसपास के पूरे एरिया में पुलिस फोर्स बढ़ा दी गई है। बस स्टॉप और रेलवे स्टेशन पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है। फॉरेंसिक टीम ने जांच के सैंपल ले लिए हैं और जो भी जानकारी हमें मिलती हैं, वह हम आपके साथ शेयर करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोरंजन कालिया ने कहा, रात को 1 बजे के आसपास धमाका हुआ है। मैं तो सो रहा था रात को पहले तो मैंने समझा कि ट्रांसफॉर्मर है ये उसका ब्लास्ट है। लेकिन वाइब्रेशन काफी ज्यादा थीं। फिर मुझे लगा कि बिजली कड़कने की आवाज है। फिर मुझे मेरे ड्राइवर ने जगाया और कहा कि ब्लास्ट हो गया है। फिर मैंने अपने गनमैन को भेजा। इसके कुछ देर बाद में पुलिस आ गई थी। लॉ एंड ऑर्डर किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी है। जो लोग पंजाब की शांति भंग करना चाहते हैं उनकी अब इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि वो अब घरों तक पहुंच गए हैं। सीसीटीवी की पुलिस जांच कर रही है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट आए हुए हैं।

विस्फोटक भाजपा नेता के घर के अंदर उनकी कार के पास जाकर गिरा। जोरदार धमाके से कार के साथ ही घर की खिड़कियां भी टूट गईं और पास का एक साइड गेट भी टूट गया। भारतीय जनता पार्टी के नेता के घर से कुछ 100 मीटर की दूरी पर पुलिस स्टेशन मौजूद है। मनोरंजन कालिया ने बताया कि देर रात वह अपने परिवार के साथ घर पर सो रहे थे। बाहर की लाइट्स बंद थी। अचानक जोरदार धमाके की आवाज आई। बाहर आए तो देखा कि गाड़ी के शीशे टूटे हुए थे। घर की खिड़कियों के कांच भी टूट गए। जमीन पर भी गड्ढा हो गया है। इस हमले को वक्फ बिल के रिएक्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है। मनोरंजन ने कहा, ये एक सोची समझी साजिश है। जिस तरह दूसरे भाजपा नेताओं पर हमले हो रहे हैं, ये उनमें से ही एक हो सकता है।

औरंगजेब की कब्र वाला खुल्ताबाद शहर अब रत्नापुर होगा

मुंबई, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर मचे बवाल के बीच देवेंद्र फडणवीस सरकार के मंत्री ने खुल्ताबाद शहर का नाम बदलने का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने कहा है कि मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र वाले खुल्ताबाद शहर का नाम बदलकर रत्नापुर रखा जाएगा।

सामाजिक न्याय मंत्री, राज्य के कुछ अन्य नेता और दक्षिणपंथी संगठन छत्रपति संभाजीनगर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर खुल्ताबाद से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहे हैं। औरंगजेब, उसके बेटे आजम शाह, निजाम आसफ जाह और कई अन्य लोगों की कब्रें इस इलाके में स्थित हैं। पिछले महीने शिरसाट ने कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज को प्रताड़ित करने और उनकी हत्या करने वाले क्रूर सम्राट औरंगजेब की कब्र के लिए महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। शिरसाट ने कहा था कि छत्रपति संभाजीनगर को पहले खड़की के नाम से जाना जाता था और बाद में इसका नाम बदलकर औरंगाबाद कर दिया गया।

शिवसेना नेता ने कहा, खुल्ताबाद को पहले रत्नापुर के नाम से जाना जाता था। औरंगजेब के शासनकाल में कई जगहों के नाम बदले गए थे। हम खुल्ताबाद का नाम बदलकर रत्नापुर करने जा रहे हैं।

छत्रपति संभाजीनगर जिले के संरक्षक मंत्री ने कहा, हम उन सभी जगहों के नाम बदलने की प्रक्रिया चला रहे हैं, जिनके नाम उचित नहीं हैं। जैसे औरंगाबाद। औरंगजेब के शासनकाल में रत्नापुर का नाम बदलकर खुल्ताबाद कर दिया गया था। शिरसाट ने कहा कि सरकार खुल्ताबाद में एक स्मारक बनाने को लेकर भी सकारात्मक है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे संभाजी महाराज के इतिहास का प्रतीक बनेगा।

वक्फ कानून को लेकर दूसरे दिन भी कश्मीर विधानसभा में हंगामा

विधायिका कर रही गैर संवैधानिक कृत्य

जम्मू, 08 अप्रैल (ब्यूरो)। लगातार दूसरे दिन भी कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को वक्फ बिल को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कश्मीर आधारित विपक्षी दलों के बीच झड़प के साथ हंगामा हुआ। विधायिका खु-लेआम गैर संवैधानिक कृत्य कर रही है। नेकां के विधायक वक्फ बिल पर उनके द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की मांग कर रहे थे, वहीं कश्मीर आधारित विपक्षी दल बिल के खिलाफ प्रस्ताव की मांग कर रहे थे।

आज सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेकां के विधायक खड़े हो गए और मांग की कि उनके द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव को अनुमति दी जाए। पीडीपी विधायक वहीद-उर रहमान पारा सदन के वेल में आ गए और मांग की कि उनके द्वारा लाए गए प्रस्ताव को पारित किया जाए। जब पारा प्रस्ताव पारित करने के लिए दबाव बना रहे थे, तो नेकां के अबुल मजीद लारमी ने उन पर आरएसएस एजेंट होने का आर-ोप लगाया, जिससे नेकां और कश्मीर स्थित विपक्षी विधायकों के बीच मौखिक द्वंद्व शुरू हो गया।

जब पारा ने पोडियम की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो स्पीकर ने मार्शलों को उन्हें बाहर निकालने का आदेश दिया।

जब उन्हें मार्शलों द्वारा बाहर निकाला जा रहा था, तो पीसी अध्यक्ष सज्जाद लोन ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बाहर निकाल लिया गया। सदन में हंगामे के बीच नेकां विधायकों और सज्जाद लोन के बीच मौखिक द्वंद्व शुरू हो गया। लोन ने कहा कि आप नाटक कर रहे हैं। यह विडंबना है कि नेकां विधायक लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए नेकां के स्पीकर के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। लगातार विरोध के बीच स्पीकर ने कहा कि जम्मू कश्मीर विधानसभा संसद द्वारा किए गए कार्यों को पूर्ववत नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि आप संसद द्वारा किए गए कार्यों को पूर्ववत नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि सदन पर चर्चा का कोई सवाल ही नहीं है।

इस बीच विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा को खारिज करने के लिए स्पीकर अब्दुल रहीम राथर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें कहा गया है कि उनके फैसले से व्यापक आक्रोश पैदा हुआ है। पीसी अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन और पीडीपी विधायक वहीद-उर-रहमान पारा, मीर मुहम्मद फैयाज और रफीक अहमद नाइक द्वारा प्रस्तुत नोटिस में विपक्ष ने स्पीकर को हटाने की मांग की है।

याचिका में लिखा है कि यह निर्णय स्पीकर की कार्रवाइयों पर व्यापक आक्रोश से उपजा है, जिसमें स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा को खारिज करना और विपक्षी दलों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर विचार करने से इनकार करना शामिल है। इसमें आगे लिखा है कि इस तरह का आचरण इस प्रतिष्ठित संस्थान को संचालित करने वाले लोकतांत्रिक सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को कमजोर करता है, जिससे इस मामले को संबोधित करने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल को दी नसीहत

राज्यपाल के पास वीटो का अधिकार नहीं

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल को कड़ी नसीहत दी है। राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी नहीं देने को संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन बताते हुए जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता से ही काम करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को रोक नहीं सकते और न ही किसी विधेयक पर वीटो या पॉकेट वीटो कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल या तो विधेयक को मंजूरी दे सकते हैं या फिर उस विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार करने के लिए भेज सकते हैं। राज्यपाल दूसरी बार राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजने की बात कहकर विधेयक को नहीं रोक सकते। राज्यपाल को दूसरी बार में विधेयक को मंजूरी देनी ही होती है, लेकिन बस दूसरा विधेयक पहली बार के मुकाबले अलग होना चाहिए। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर की और इसे ऐतिहासिक बताया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा

तीन और समूहों ने हुर्रियत से अलग किया

जम्मू, 08 अप्रैल (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि जम्मू कश्मीर में तीन और अलगाववादी-गठबंधन संगठनों ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से खुद को अलग कर लिया है, इसे कश्मीर के भीतर भारतीय संविधान में बढ़ते भरोसे का एक मजबूत संकेत बताया। शाह ने कहा, जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह कश्मीर के भीतर भारत के संविधान में लोगों के भरोसे का एक प्रमुख प्रदर्शन है।

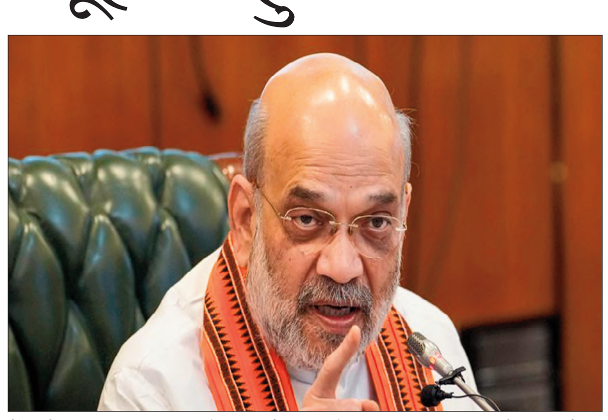

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एकजुट और शक्तिशाली भारत के विजन को और भी बल मिला है क्योंकि 11 ऐसे संगठन अब अलगाववाद से दूर हो गए हैं और भारतीय संघ को समर्थन दिया है। नवीनतम घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब केंद्र सरकार अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक सामान्य स्थिति और लोकतांत्रिक ढांचे में बढ़ी हुई भागीदारी का वादा कर रही है। तीन वरिष्ठ अलगाववादी नेता मोहम्मद यूसुफ नकाश, हकीम अब्दुल रशीद और बशीर अहमद अंद्राबी ने सार्वजनिक रूप से अलगाववाद को त्याग दिया और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के विभिन्न धड़ों से खुद को अलग कर लिया। ये तीनों नेता मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले हुर्रियत धड़े से संबंधित थे। मोहम्मद यूसुफ नकाश जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी के प्रमुख थे, हकीम अब्दुल रशीद जम्मू कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग के अध्यक्ष थे, जबकि बशीर अहमद अंद्राबी कश्मीर फ्रीडम फ्रंट का नेतृत्व करते थे। इन नेताओं ने अलग-अलग लेकिन लगभग एकसमान बयानों में भारत के संविधान के प्रति अपनी निष्ठा जताई और अलगाववादी एजेंडे से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया।

जानकारी के लिए आल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस (एपीएचसी) का गठन 1993 में कश्मीर में उग्र आतंकवाद के दौर में हुआ था। यह संगठन संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के आधार पर कश्मीर मुद्दे के समाधान की वकालत करता था। अपने शुरुआती दिनों में एपीएचसी 20 से अधिक राजनीतिक, धार्मिक, व्यापारिक और नागरिक समाज संगठनों का एक समूह था। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और प्रभाव में कमी आई है, और अब इसके कई सहयोगी संगठन और नेता इससे किनारा कर रहे हैं।

सात मौतों का दोषी डॉक्टर प्रयागराज में गिरफ्तार, दमोह लाया गया

दमोह, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। दमोह शहर के निजी मिशन अस्पताल में सात मरीजों की मौत के आरोपी डॉक्टर नरेंद्र जॉन केम को दमोह पुलिस सोमवार शाम प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रात करीब 11:30 बजे आरोपी को लेकर दमोह पहुंची। आरोपी को पहले देहात थाना ले जाया गया। उसके बाद रात करीब 1:00 बजे आरोपी डॉक्टर को पूछताछ के लिए पुलिस कंट्रोल रूम ले गई। यहां खुद दमोह एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने देर रात तक आरोपी से पूछताछ की।

हालांकि अभी तक पुलिस ने आरोपी से मिली जानकारी से जुड़ा कोई भी खुलासा नहीं किया है। मंगलवार दोपहर तक पुलिस इस मामले में खुलासा कर सकती है।

वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम दूसरे दिन मंगलवार को भी दमोह में रुकी है। सर्किट हाउस पर सुबह करीब 11:00 बजे से कुछ और मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज किये जाएंगे।

हालांकि मानव अधिकार आयोग की टीम के अधिकारी मीडिया के सामने कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी में दमोह साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। आरोपी को गिरफ्तार करने प्रयागराज पहुंची दमोह पुलिस के साथ साइबर टीम के सदस्य भी मौजूद थे।

सर्किट हाउस पर मृतकों के परिजनों के बयान लेने के बाद राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम शाम को राय चौराहा स्थित मिशन अस्पताल पहुंची। यहां देर रात तक टीम के सदस्य दस्तावेजों की जांच करते रहे। इस दौरान सदस्यों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और कुछ भी जानकारी देने से इनकार किया। आरोपी डॉक्टर से जुड़े दस्तावेज मांगे गए, उसकी नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, साथ ही कितने मरीजो का आयुष्मान कार्ड के तहत यहां इलाज हुआ है वह दस्तावेज भी देखे गए। रात तक अस्पताल भी पुलिस छावनी में तब्दील रही।

इसके बाद सदस्य वापस चले गए और मंगलवार सुबह फिर बाकी लोगों को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया जाएगा। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी से पुलिस को सफलता मिल गई है और अब आरोपी से अब पूछताछ की जाएगी कि उसने फर्जी तरीके से नौकरी कैसे हासिल की और इसके पहले वह किन-किन अस्पतालों में इसी तरह फर्जी तरीके से नौकरी करता रहा।

आग की चपेट में आया पवन कल्याण का 8 साल का बेटा

सिंगापुर के अस्पताल में चल रहा इलाज

अमरावती, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के छोटे बेटे मार्क शंकर सिंगापुर में स्कूल में आग लगने से घायल हो गए। शंकर के हाथ और पैर आंशिक रूप से झुलस गया है। आठ साल के शंकर को सिंगापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस खबर के सामने आते ही पवन कल्याण सिंगापुर के लिए रवाना हो रहे हैं। पवन कल्याण इस समय आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के दौरे पर हैं। उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद सिंगापुर जाने का फैसला किया है। पवन कल्याण की पार्टी जनसेना पार्टी की ओर से एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इस बारे में जानकारी दी गई और ये बताया गया कि वो अपने राजनीतिक तय कार्यक्रमों के बाद सिंगापुर के लिए रवाना होंगे।

नाम बदलने से चमके ये बॉलीवुड सितारे

जिसमें शामिल हैं - मनोज कुमार, दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन...

शेक्सपियर के ड्रामा रोमियो एंड जूलियट का लोकप्रिय डायलॉग है जिसका हिंदी में सीधा सादा सा तर्जुमा है-'नाम में क्या रखा है।' हमारे हिंदी सिने जगत के कई सितारे हैं जिन्होंने इस बात की गांठ बांध ली और फिर नाम में ऐसा बदलाव किया कि लोगों के दिलोदिमाग पर छा गए। रील नेम से इतने लोकप्रिय हुए कि रियल नेम की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। हम आपको 60-70 के ऐसे ही सुपर स्टार्स से रूबरू करा रहा हैं। इस लिस्ट में अमिताभ बच्चन से लेकर संजीव कुमार तक शामिल हैं। हिंदी सिनेमा जगत के कभी टॉप स्टार रहे दिलीप कुमार। 60 का दौर हो या फिर आज का, एक्टर्स उनकी एक्टिंग के कायल हैं। हमारी इंडस्ट्री के इस बड़े सितारे का नाम भी असल नहीं था, ये उनका फिल्मी नाम था। ओरिजनल नाम मुहम्मद यूसुफ खान था। एक मुलाकात के दौरान देविका रानी ने कुमार से पूछा था, 'क्या आप अभिनय करना चाहते हैं? और जवाब आया हां। देविका रानी ने यूसुफ खान का नाम बदलने का प्रस्ताव दिया और उनका नाम दिलीप कुमार पड़ गया। इस नाम ने उन्हें प्रसिद्धि भी खूब दिलाई।

इनके ही एक फैन थे अभिनेता मनोज कुमार। बॉलीवुड के भारत कुमार किसी पहचान के मोहताज नहीं। सभी जानते हैं कि उनका असली नाम मनोज नहीं था। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में स्वीकारा था। बताया कि ये नाम दिलीप साहब की 'शबनम' से इंस्पायर्ड था। उन्होंने इस फिल्म को देखकर अपना नाम हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी से बदलकर मनोज कुमार रख लिया। शबनम में दिलीप कुमार का स्क्रीन नेम मनोज था।

बात एवरग्रीन स्टार देव आनंद की! देव आनंद, जिनका चार्म बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक था। लोग उनके अलग अंदाज अभिनय के कायल थे। हालांकि, इस शानदार कलाकार के असली नाम के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते होंगे। अभिनेता का असली नाम धर्मदेव पिशोरीमल आनंद था। वह इंडस्ट्री में देव आनंद के नाम से लोकप्रिय हुए। घर वाले उन्हें चीरू कहकर बुलाते थे। बतौर हीरो देव आनंद की पहली फिल्म साल 1946 में 'हम एक हैं' थी, जो फ्लॉप रही और वह नाम बनाने में नाकामयाब रहे। धर्मदेव दर्शकों के बीच अपनी पहचान नहीं बना सके थे। इसके बाद उनकी साल 1948 में फिल्म जिद्दी आई, जिसमें उनका नाम देव था। फिल्म सफल रही और उन्होंने अपने रील नेम को ही रियल के तौर पर चुन लिया।

इन सबसे थोड़ी हटकर कहानी संजीव कुमार की थी। उन्हें न किसी ने कहा, न वो किसी से प्रभावित हुए बल्कि उन्हें खुद लगा तो एक नेक सलाह ली और नाम बदल दिया। उनका असली नाम हरिहर जेठालाल जरीवाला है। गुजराती परिवार में जन्मे अभिनेता का मानना था कि उनका असली नाम अभिनेता होने के हिसाब से सही नहीं है। ऐसे में उन्होंने नाम बदलने की सोची और निर्देशक कमाल अमरोही के सुझाव को आत्मसात कर हरिहर जेठालाल जरीवाला से संजीव कुमार बन गए।

बात सदी के महानायक बिग बी की। इनके नेम चेंज की कहानी भी दिलचस्प है। अमिताभ का असली नाम इंकलाब श्रीवास्तव है। उनके पिता और साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन ने छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत के कहने पर अपने बेटे का नाम इंकलाब से बदलकर अमिताभ रख दिया था। ये नाम हमारी इंडस्ट्री की पहचान के साथ जुड़ गया, ऐसा नाम जिसकी गूंज सात समंदर पार तक है।

फिल्म के सेट पर हुई थी अमिताभ से जया की पहली मुलाकात, सहेलियों से हो जाती थी नोकझोंक

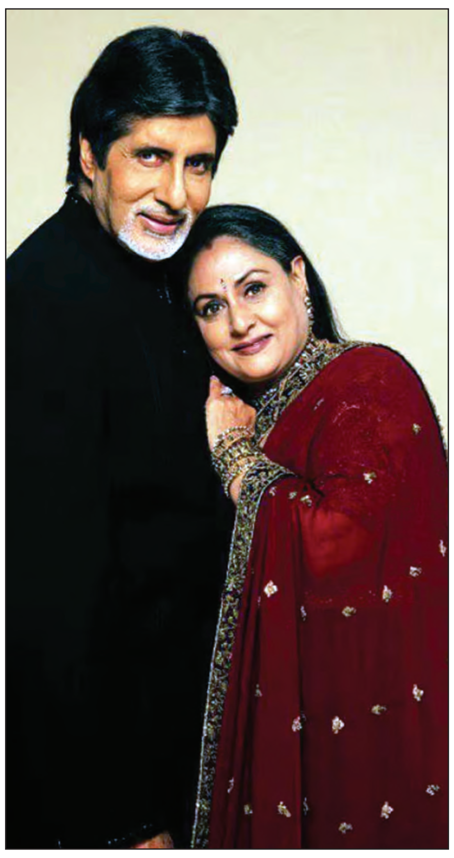

खूबसूरती और सादगी के साथ अभिनय में महारत हासिल करने वाली बीते दौर की अभिनेत्री की बात करें तो जया बच्चन का चेहरा आंखों के सामने आना लाजमी है। अभिनय के साथ ही राजनीतिक जगत में भी सफल रहीं जया के 77वें जन्मदिन के अवसर पर आइए उनकी प्रेम कहानी के पन्ने को पलटते हैं और देखते हैं, उसमें क्या-क्या लिखा है।

9 अप्रैल 1948 को मध्य प्रदेश के जबलपुर में जन्मीं जया बच्चन अपने लंबे फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दीं। हालांकि, उन्होंने अभिनय की शुरुआत बंगाली फिल्म 'महानगर' से की थी।

बंगाली फिल्म के बाद उन्होंने 1971 में आई हिंदी फिल्म 'गुड्डी' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म में जया के साथ अभिनेता उत्पल दत्त और धर्मेंद्र मुख्य भूमिका में थे।

जया बच्चन की गिनती मंझे हुए सितारों में की जाती है। वह 80 से भी ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। जया बच्चन और अमिताभ बच्चन साथ में कई फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिसमें 'शोले', 'बंसी बिरजू', 'जंजीर', 'अभिमान', 'मिली' और 'चुपके चुपके' के साथ 'सिलसिला' का भी नाम शामिल है।

साल 1973 में जया ने अमिताभ बच्चन से शादी की। हालांकि, इनकी प्रेम कहानी भी सामान्य नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात एक फिल्म के सेट पर हुई थी। अमिताभ को देखते ही जया को उनसे पहली नजर में प्यार हो गया था। एक साक्षात्कार के दौरान जया बच्चन ने अपनी प्रेम कहानी का जिक्र किया था।

उन्होंने बताया था कि वह फिल्म के सेट पर अमिताभ को देखकर उनसे प्रभावित हो गई थीं। अमिताभ को लेकर जया की अपनी सहेलियों के साथ अक्सर नोकझोंक भी हो जाया करती थी। यदि वे कुछ बोलतीं तो जया, अमिताभ का साइड लेकर उनकी ओर से बोल पड़ती थीं।

जया ने बताया था, मैं अपनी फिल्म गुड्डी के सेट पर अमिताभ से मिली थी और उन्हें देखकर मैं उनकी ओर आकर्षित हो गई थी। फिल्म के लिए हम दोनों को कास्ट किया गया था। दरअसल, मैं काफी कम समय में ही उनके प्रेम में पड़ गई थी।

इसके बाद अमिताभ बच्चन और जया में दोस्ती हो गई और दोनों को फिल्म 'एक नजर' में साथ काम करने के लिए कास्ट किया गया। फिर क्या था, दोनों का प्यार परवान चढ़ा और दोनों साथ में अक्सर मिलने भी लगे। एक फिल्म की सफलता के जश्न के लिए अमिताभ, जया को लंदन ले जाना चाहते थे। हालांकि, अमिताभ के पिता, साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन का स्पष्ट कहना था कि जहां भी जाना है, शादी करने के बाद जाओ। फिर क्या था, अमिताभ और जया बच्चन ने 3 जून, 1973 को शादी कर ली। जया ने 1974 में बेटी श्वेता और 1976 में बेटे अभिषेक को जन्म दिया।

अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट का फर्स्ट लुक आउट

अभिनेता अनुपम खेर लगभग 22 साल बाद 'तन्वी द ग्रेट' के साथ निर्देशन की दुनिया में वापसी करने को तैयार हैं। उनकी मोस्टअवेटेड फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। खास संदेश से सजी फिल्म के केंद्र में अनुपम खेर के 'दिल का टुकड़ा' तन्वी है। तन्वी द ग्रेट की पहली झलक शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, फर्स्ट लुक, मैंने आज से लगभग चार साल पहले 'तन्वी द ग्रेट' फिल्म बनाने का फैसला किया था और फिर इसे लिखने और बनाने में मुझे चार साल लग गए! लेकिन अब धीरे-धीरे और ढेरों प्यार के साथ आप लोगों के साथ मेरे 'दिल के टुकड़े' को शेयर करने का समय आ गया है! अभिनेता ने फिल्म के मुख्य किरदार 'तन्वी' की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा, क्या वह असाधारण है? क्या वह यूनिक है? क्या उसके पास कोई सुपरपावर है? हम नहीं जानते। हम जो जानते हैं वह यह है कि... 'तन्वी' अलग है, लेकिन कम नहीं! 'तन्वी द ग्रेट' जल्द आ रहा है!

फर्स्ट लुक एक लड़की का है, जो सपनों, उम्मीदों के बीच खड़ी नजर आती है। उसमें खूब मासूमियत देखने को मिली। वीडियो के अंत में 'तन्वी' कहती है...'मॉम, तन्वी इज रेडी', जो इस बात की ओर इशारा करता है कि वह समस्याओं से लड़ने वाली एक मजबूत लड़की है। 1 अप्रैल को एक पोस्ट शेयर कर खेर ने 'तन्वी द ग्रेट' के बारे में बात की थी। वीडियो में वह कहते नजर आए, तन्वी द ग्रेट-द जर्नी: मेरी फिल्म तन्वी द ग्रेट तैयार है! धीरे-धीरे दुनिया को फिल्म के बारे में बताने का समय आ गया है! पता नहीं इसका प्रचार कैसे शुरू किया जाए। मार्केटिंग वाले अलग-अलग होते हैं और अच्छे सुझाव दे रहे थे! लेकिन मुझे लगा कि फिल्म की कहानी भले ही काल्पनिक है, लेकिन हमारी तन्वी काल्पनिक नहीं है! वह असली है! उन्होंने आगे बताया, इसलिए प्रचार भी वास्तविक होना चाहिए। मुझे नहीं पता कि बात करते समय मेरी आंखें क्यों नम हो गईं। असल में, मुझे पता है क्यों! लेकिन मैं भविष्य में कभी आप लोगों के साथ यह कहानी शेयर करूंगा। अनुपम खेर के निर्देशन में तैयार फिल्म के संगीत को ऑस्कर विजेता एमएम कीरावनी ने कंपोज किया है। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी के साथ मिलकर किया है।

ज़ायद ख़ान दिखा रहे हैं फिटनेस गोल्स, लुक्स और बड़ी स्टाइलिश एनर्जी

कुछ सितारे ऐसे होते हैं जो अपनी छाप छोड़ जाते हैं, और कुछ ऐसे भी होते हैं जिनकी विरासत लगातार बढ़ती रहती है - ज़ायद खान उनमें से एक हैं। जब से उन्होंने 'मैं हूँ ना' में लकी के किरदार में दर्शकों को आकर्षित किया, तब से ज़ायद की आकर्षक छवि और ऑन-स्क्रीन आकर्षण ने उन्हें बॉलीवुड के पॉप कल्चर हॉल ऑफ़ फ़ेम में स्थायी स्थान दिलाया। आज भी, उनका नाम लोगों को रोमांचित करता है और उनकी हालिया अपीयरेंस चर्चा को और बढ़ा रही हैं। ज़ायद खान हमेशा से अपने आकर्षक लुक के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उनका वर्तमान एस्थेटिक? अगले स्तर का है। हाल ही में रेड कार्पेट पर उनकी कई प्रस्तुतियों पर एक नज़र डालने पर, आप पाएंगे कि स्टाइल और फिटनेस के मामले में उन्होंने एक नया आयाम स्थापित किया है, जिसमें एक तीखी जॉलाइन, नक्काशीदार फीचर्स और एक सुडौल शरीर है जो अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। लेकिन यह सिर्फ़ अच्छा दिखने के बारे में नहीं है - यह एक प्रोग्रेस की प्रक्रिया बारे में है।

ज़ायद का फ़ैशन गेम बेहतरीन है, और उनका इंस्टाग्राम फ़ीड इसका सबूत है। चाहे वह पूरी तरह से सिलवाया हुआ टक्सीडो पहनकर बाहर निकल रहे हों या कढ़ाई वाले बंद गले में इसे ताज़गी बनाए रखने की हों, उनके पास सहज सोफ़ेस्टिकेशन की एक निर्विवाद आभा है। उनकी स्टाइल की समझ अब पुराने ज़माने के आकर्षण को आधुनिक विलासिता के साथ जोड़ती है - आराम से भरपूर स्लीक एथलीज़र, ट्विस्ट के साथ डैपर ब्लेज़र और ऐसे सिलोएट्स जो संरचना के साथ खेलते हुए परंपरा को सम्मानित करते हैं। और अगर आप ध्यान दे रहे हैं, तो इस बदलाव में जो दिखता है, उससे कहीं ज़्यादा है।

राशि खन्ना नेचर रिट्रीट के दौरान नो-मेकअप लुक में दिखीं

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना इस सप्ताह प्रकृति के प्रति अपने प्यार को व्यक्त कर रही हैं, क्योंकि वह कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूर होकर प्रकृति की शांति में डूबी हुई हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने काम और व्यस्त फिल्म शेड्यूल से दूर अपने शांत रिट्रीट की कुछ झलकियाँ साझा की हैं, जहाँ वह सादगी, एकांत और प्राकृतिक सुंदरता का आंनद लेती हुई नज़र आ रही हैं। हवादार कॉटन कुर्ती पहने और बिना मेकअप, धूप सेंकते हुए, राशि स्वाभाविक आकर्षण का परिचय देती हैं। चाहे वह जंगल के ट्रेल पर धूप सेंक रही हों या बालकनी से हरे-भरे नज़ारे देख रही हों, उनकी शांत, ग्राउन्डेड एनर्जी फैन्स को खूब पसंद आ रही है। कमेंट सेक्शन में उनकी प्राकृतिक सुंदरता और भावपूर्ण वाइब के लिए प्यार भरा संदेश से भरा हुआ है।अपनी पोस्ट में गहराई जोड़ते हुए, राशि ने इसे एक चिंतनशील विचार के साथ कैप्शन किया: खुद से मिलने की ये जो राहें हैं, वो अक्सर पेड़ों की छाँव से होकर गुजरती हैं। राशि ने कुछ रोमांचक आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में संकेत दिए है, हाल ही में उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में देखा गया, जिससे अटकलें और प्रशंसक में हलचल बढ़ गई है। फिटनेस, आत्मचिंतन और एक संपन्न करियर को संतुलित करते हुए, राशि इंडस्ट्री में सबसे बहुमुखी और ज़मीनी सितारों में से एक के रूप में अपनी जगह को मजबूत करती जा रही है।

मुझे बहु-प्रतिभाशाली पर्सनालिटी के रूप में देखते हैं दर्शक : कावेरी कपूर

कावेरी कपूर ने अपनी पहली फ़िल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। हालांकि यह फ़िल्म कावेरी की पहली फ़िल्म थी, लेकिन यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने कैमरे का सामना किया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि कावेरी एक प्रतिभाशाली गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं, जिनके नाम चार म्यूजिक वीडियो दर्ज हैं। हाल ही में उन्होंने अपना पाँचवाँ गाना एक धागा तोड़ा मैंने रिलीज़ किया, जिसे उन्होंने महज 15 साल की उम्र में अंग्रेज़ी में लिखा था। उनकी इस प्रतिभा को पहचानते हुए ए.आर. रहमान, जिन्होंने इस ट्रैक को प्रोड्यूस किया, और उन्होंने ने कावेरी की खूब सराहना की। इतनी उपलब्धियों के साथ, कावेरी को रचनात्मकता, जुनून और प्रतिभा का प्रतीक मानना स्वाभाविक है।एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री के रूप में उनकी यात्रा मेहनत, लगन, धैर्य और समर्पण का प्रमाण है। जो कावेरी ने हमेशा व्यक्त किए हैं। कावेरी को प्रदर्शन कला के प्रति अपने प्यार को विरासत में मिला, क्योंकि वह बेहद लेजेंड्री माता-पिता, सुचित्रा कृष्णमूर्ति और शेखर कपूर की बेटी हैं। और उनके संगीत वीडियो इस बात का सबूत हैं कि उन्हें अपने शानदार प्रतिभा माता-पिता से विरासत में मिला है।जीवन के शुरुआती दौर से ही गीत लेखन और गायन में महारत हासिल करने वाली कावेरी अब अभिनय के क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं। अभिनेत्री के पास अपने पिता की बहुप्रतीक्षित फिल्म मासूम 2 है, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। शेखर कपूर और अपने अभिनेताओं से प्रभावशाली अभिनय निकलवाने की उनकी प्रतिभा को जानते हुए, हम इस फिल्म में कावेरी को अभिनय करते देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

गुरु प्रदोष व्रत कल

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए विशेष रूप से समर्पित होता है। शिव पुराण में भी इस व्रत की महिमा का विस्तृत उल्लेख मिलता है। विशेषकर महिलाएं भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने हेतु इस व्रत का पालन करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत करने से व्यापार और करियर में सफलता प्राप्त होती है। इस व्रत को करने वाली महिलाओं के जीवन में कभी किसी प्रकार की कमी नहीं रहती। साथ ही अविवाहित कन्याओं की विवाह संबंधी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। इस बार अप्रैल का महीना शिवभक्तों के लिए बेहद खास और विशेष है। चैत्र माह की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि पर पड़ने वाला गुरु प्रदोष व्रत इस वर्ष अप्रैल 2025, गुरुवार को आ रहा है और वो भी एक अत्यंत शुभ योग के साथ।

इस दिन किया जाएगा प्रदोष का व्रत

आपको बता दें कि इस बार त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 9 अप्रैल की रात 10:55 बजे से हो रही है और यह 11 अप्रैल की रात 1:00 बजे तक जारी रहेगी। लेकिन व्रत का निर्धारण उदया तिथि के अनुसार होता है, इसलिए यह पुण्य व्रत 10 अप्रैल को ही रखा जाएगा। यानी की इस बार प्रदोष का व्रत 10 अप्रैल को ही किया जाएगा।

यह है शिव पूजा का शुभ मुहूर्त

जो भक्त महादेव की पूजा प्रदोष काल में करते हैं, उन्हें विशेष फल की प्राप्ति होती है। इस बार प्रदोष काल शाम 6:44 बजे से रात 8:59 बजे तक रहेगा। यही वह समय है जब शिव शंकर अपने भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें कृपा का आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में आप पूजन सामग्री की पहले से ही तैयारी कर लें और सही विधि अनुसार ही पूजा करें।

क्या है गुरु प्रदोष व्रत

जब प्रदोष व्रत गुरुवार को पड़ता है तो उसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है। यह दिन गुरु बृहस्पति और भगवान शिव दोनों की कृपा पाने का द्वार खोलता है। धर्मग्रंथों के अनुसार, इस दिन विधि पूर्वक उपवास, ध्यान और शिवपूजन करने से जीवन के दोष समाप्त होते हैं और शुभता का भी वास होता है।

ऐसे करें पूजा

गुरु प्रदोष व्रत में शिवलिंग पर जल, दूध या पंचामृत से अभिषेक करना, बेलपत्र, धतूरा और सफेद फूल अर्पित करना विशेष फलदायक माना गया है। साथ ही, प्रदोष व्रत कथा का श्रवण कर व्रत को पूर्ण किया जाता है। माना जाता है कि यह व्रत हर प्रकार की बाधा और संकट से रक्षा करता है। तो इस 10 अप्रैल को महादेव को प्रसन्न करने के लिए पूरे विधि विधान से ही पूजा करें।

प्रदोष व्रत को करें ये काम तो बनी रहेगी महादेव की कृपा

हर महीने की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत किया जाता है, इस प्रकार महीने में दो बार प्रदोष व्रत आता है। यह तिथि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए काफी खास मानी गई है। ऐसे में अगर आप गुरु प्रदोष व्रत के दिन ये काम करते हैं, तो इससे आपको शिव जी की विशेष कृपा की प्राप्ति हो सकती है।

इस विधि से करें पूजा

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर शिव जी का ध्यान कर व्रत का संकल्प लें। स्नान करने के बाद पूजा स्थल की अच्छे से साफ-सफाई कर लें। इसके बाद घर में ही या फिर मंदिर जाकर शिवलिंग का साधारण जल में थोड़ा-सा गंगा जल मिलाकर अभिषेक करें।

इसके बाद शिव जी को दही, शहद, बेलपत्र आदि अर्पित करें और सफेद वस्तु जैसे मिठाई आदि का भोग लगाएं। इस दौरान मन-ही-मन ॐ नमः शिवाय: का जप करते रहें। अंत में घी का दीपक जलाकर शिव जी का आरती करें।

जरूर करें ये काम

प्रदोष व्रत के दिन जल में काले तिल और गुड़ मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करना काफी शुभ माना जाता है। इसी के साथ गुरु प्रदोष व्रत के दिन दान का भी विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में आप इस दिन पर जरूरतमंद लोगों में पीले कपड़े, पीली मिठाई, चने की दाल, हल्दी, आदि का दान कर सकते हैं। इससे महादेव प्रसन्न होते हैं और साधक पर अपनी दया दृष्टि बनाए रखते हैं।

जरूर करें ये स्तुति

।।संपूर्ण नटराज स्तुति पाठ।।
सत सृष्टि तांडव रचयिता
नटराज राज नमो नमः
हेआद्य गुरु शंकर पिता
नटराज राज नमो नमः
गंभीर नाद मृदंगना धबके उरे ब्रह्माडना
नित होत नाद प्रचंडना
नटराज राज नमो नमः
शिर ज्ञान गंगा चंद्रमा चिद्ब्रह्म ज्योति ललाट मां
विषनाग माला कंठ मां
नटराज राज नमो नमः
तवशक्ति वामांगे स्थिता हे चंद्रिका अपराजिता
चहु वेद गाए संहिता

भगवान शिव को कैसे मिले नाग और चंद्र देव?

सनातन धर्म में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। महादेव की कृपा प्राप्त करने के लिए सोमवार का दिन शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सोमवार व्रत करने से विवाह में आ रही समस्या से छुटकारा मिलता है। साथ ही जल्द विवाह के योग बनते हैं। इसके अलावा जातक को मनचाहा वर मिलता है। इस दिन विशेष चीजों का दान भी करना चाहिए।

मान्यता है कि दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। भगवान शिव गले में नाग और माथे पर चंद्रमा धारण करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान शिव को कैसे मिले नाग और चंद्र देव? अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

महादेव ने मस्तक पर क्यों धारण किए चंद्र देव?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान शिव के मस्तक पर चंद्र देव और गले में नाग धारण का शिवपुराण में वर्णन है। पौराणिक कथा के अनुसार, जब राक्षस और देवताओं के बीच समुद्र मंथन हुआ था। तो इस दौरान विष निकला था। इससे विष का पान महादेव ने किया था, जिसकी वजह से उनका शरीर जलने लगा था, क्योंकि विष की ज्वाला बहुत तीव्र थी। ऐसे में देवी-देवताओं ने महादेव से प्रार्थना की कि वह अपने मस्तक पर चन्द्रमा को धारण करें, जिसकी मदद से उन्हें शीतलता प्राप्त होगी। महादेव ने मस्तक पर चंद्र देव को धारण किया। इससे शिव जी को शीतलता मिली। धार्मिक मान्यता के अनुसार, तभी से भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव के गले में नाग धारण करने की कथा समुद्र मंथन से जुड़ी है। भगवान शिव के भक्त वासुकी थे, जिन्हें नागराज वासुकी के नाम से जाना जाता था। वह हमेशा महादेव की पूजा-अर्चना करते थे। समुद्र मंथन के समय नागराज वासुकी ने रस्सी के रूप में काम किया था। नागराज वासुकी की पूजा से महादेव प्रसन्न हुए और उन्होंने नागलोक का राजा बना दिया। साथ भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण किया।

ऐसे करें महादेव को प्रसन्न

अगर आप मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल दें। इसके बाद विधिपूर्वक भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान प्रभु को सफेद चंदन, बेलपत्र, काले तिल और भांग अर्पित करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से भगवान शिव जल्द प्रसन्न होते हैं। साथ ही मनचाहा वर मिलता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में कब की जाती है शयन आरती और क्या है धार्मिक महत्व?

प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव और जगत की देवी मां पार्वती की पूजा की जाती है। त्रयोदशी के दिन व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक के जीवन में मंगल का आगमन होता है। साथ ही सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं।

ज्योतिष भी जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के संकटों से मुक्ति पाने के लिए देवों के देव महादेव की पूजा करने की सलाह देते हैं। भगवान शिव बेहद कृपालु और दयालु हैं। अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। उनकी कृपा से साधक के जीवन में नया सवेरा होता है। बड़ी संख्या में भक्तजन बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए काशी स्थित विश्वनाथ मंदिर जाते हैं। इस मंदिर में भगवान शिव के दर्शन मात्र से सभी दुख दूर हो जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि विश्वनाथ मंदिर में शयन आरती कब की जाती है? आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं।

काशी को बाबा की नगरी कहा जाता है। इस नगरी का कोतवाल भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव हैं। यह नगर गंगा नदी के तट पर बसा है। काशी में रोजाना संध्याकाल के दौरान गंगा आरती का आयोजन किया जाता है। काशी का इतिहास सदियों पुराना है। सनातन शास्त्रों में काशी का उल्लेख है। चिरकाल में भगवान शिव को काशी में ब्रह्म वध से मुक्ति मिली थी। उस समय से काशी भगवान शिव का निवास स्थान बन गया। इस पावन नगरी में काशी विश्वनाथ मंदिर है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा की जाती है।

धार्मिक मत है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में महाकाल के दर्शन करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही महादेव की कृपा से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। बाबा के दरबार में पांच समय आरती की जाती है। इनमें शयन आरती अंत में की जाती है। भक्त जन आरती में शामिल होते हैं। इसके लिए नियम भी बनाए गए हैं।

कब होती है शयन आरती?

काशी विश्वनाथ मंदिर में शयन आरती रोजाना रात 10 बजकर 30 मिनट से लेकर रात 11 बजे तक की जाती है। शयन आरती मध्य रात्रि से डेढ़ घंटा पहले किया जाता है। शयन आरती में शामिल होने की शुल्क 300 रुपये है। इस आरती में 12 साल तक के बच्चों को निशुल्क प्रवेश की अनुमति है।

शयन आरती

धार्मिक मत है कि शयन आरती करने से साधक पर महादेव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक को सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। भगवान शिव की कृपा से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। बड़ी संख्या में भक्तजन शयन आरती में शामिल होते हैं।

कब और कैसे हुई रुद्राक्ष की उत्पत्ति?

पहनने से मिलते हैं कई चमत्कारी लाभ

प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही जीवन के संकटों से छुटकारा पाने के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को सच्चे मन से करने से व्यक्ति को

मनचाहा करियर प्राप्त होता है और जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर होती हैं। इस दिन रुद्राक्ष पहनने का विशेष महत्व है। रुद्राक्ष का भगवान शिव से गहरा संबंध माना जाता है। रुद्राक्ष का वर्णन शिव पुराण और स्कंद पुराण में देखने को मिलता है।

जो व्यक्ति रुद्राक्ष को धारण और विशेष नियम का पालन करता है। इसे जीवन में किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति कब और कैसे हुई?

इस तरह हुई रुद्राक्ष की उत्पत्ति

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में एक त्रिपुरासुर नाम का असुर था। उसे अपनी शक्ति का अधिक घमंड था। उसने धरती लोक पर हाहाकार मचा रखा था। उसने देवताओं को परेशान किया था और कोई भी देवता उस असुर को हरा नहीं पा रहा था। ऐसे में सभी देवता परेशान हुए और उन्होंने त्रिपुरासुर से छुटकारा पाने के लिए महादेव की शरण में पहुंचे। इस दौरान भगवान शिव योग मुद्रा में तपस्या कर रहे थे।

जब महादेव की तपस्या खत्म हुई, तो उनकी आंखों से धरती पर आंसू गिरे। मान्यता के अनुसार, जहां-जहां पर महादेव के आंसू गिरे, उसी जगह पर रुद्राक्ष के वृक्ष उगे। इसी वजह से इन वृक्षों के फल को रुद्राक्ष के नाम से जाना गया। इसके बाद महादेव ने त्रिपुरासुर का अंत किया। इसी प्रकार चिर काल में रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

रुद्राक्ष पहनने से मिलते हैं ये लाभ

जीवन में आध्यात्मिक विकास होता है।

मन शांत रहता है।

व्यक्ति पर हमेशा महादेव की कृपा बनी रहती है।

सभी पापों से छुटकारा मिलता है।

शारीरिक रोग दूर होते हैं।

जीवन में डर समाप्त होते हैं।

कितने प्रकार के होते हैं रुद्राक्ष

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 14 प्रकार के रुद्राक्ष होते हैं,जिनका सभी का विशेष महत्व है। रुद्राक्ष को पहनने के लिए पूर्णिमा, सावन सोमवार और प्रदोष व्रत माना जाता है।

कठिन होने के साथ-साथ पुण्यकारी भी है अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ की गुफा में बनने वाले प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। इन्हें बाबा बर्फानी और अमरेश्वर नाम से भी जाना जाता है। हर साल लोग हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए कठिन तीर्थयात्रा करते हैं। अमरनाथ की गुफा समुद्र तल से लगभग 3,978 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, इसलिए यह यात्रा काफी कठिन होती है। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरनाथ यात्रा का इतना महत्व क्यों माना गया है।

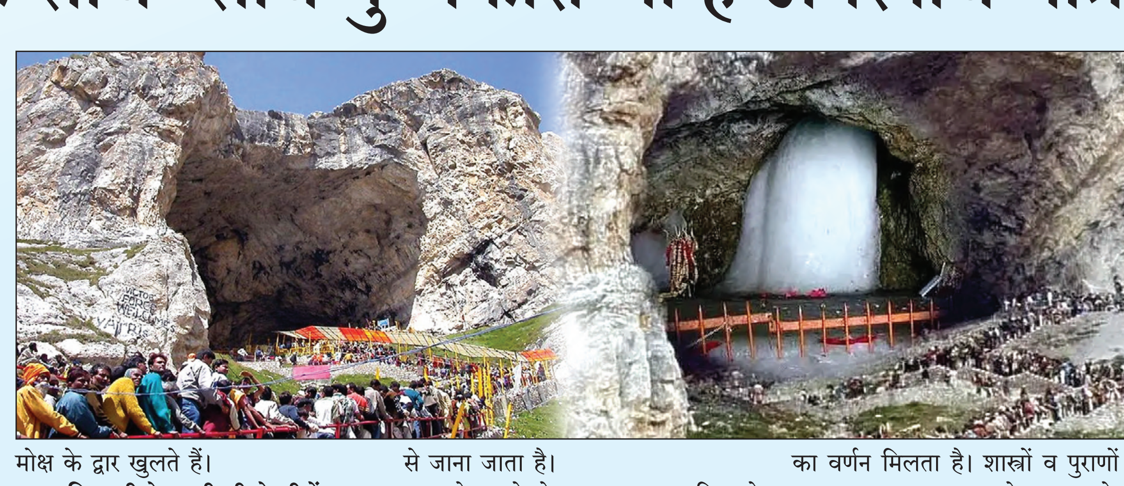

क्यों खास है यह गुफा

पौराणिक कथा के अनुसार, इसी पवित्र गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमर कथा सुनाई थी, जिसे वहां मौजूद एक कबूतर के जोड़े ने सुन लिया था। कहा जाता है कि वह कबूतर का जोड़ा आज भी गुफा में स्थित है, जो अमर पक्षी के नाम से प्रसिद्ध हैं। यह माना जाता है कि जो भक्त श्रद्धा पूर्वक अमरनाथ की यात्रा व बाबा बर्फानी के दर्शन करता है, उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसके लिए मोक्ष के द्वार खुलते हैं।

शिव जी ने त्यागी थी ये चीजें

जब माता पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए भगवान शिव एक एकांत जगह की तलाश कर रहे थे, तो उन्होंने अमरनाथ की गुफा में पहुंचने से पहले नंदी, सर्प, चंद्रमा और जटाओं में विराजमान गंगा का त्याग किया था। सबसे पहले शिव जी ने पहलगांव में नंदी का त्याग किया। इसके बाद जिस स्थान पर महादेव ने चंद्रमा का त्याग किया, उसे आज चंदनवाड़ी के नाम से जाना जाता है।

आगे बढ़ने के बाद भगवान शिव ने अपने गले में विराजमान सर्प का त्याग किया, जिस कारण उन स्थान का नाम शेषनाग पड़ा। आखिर में भगवान भोलेनाथ ने जहां अपनी जटाओं से मां गंगा का त्याग किया, उस स्थान को पंचतरणी के नाम से जाना गया।

अमरनाथ यात्रा का महत्व

कई पुराणों जैसे बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण आदि में अमरनाथ यात्रा के महत्व का वर्णन मिलता है। शास्त्रों व पुराणों के अनुसार, अमरनाथ यात्रा से साधक को 23 तीर्थों के दर्शन करने जितना पुण्य प्राप्त होता है।

वहीं बाबा अमरनाथ के दर्शन से काशी में दर्शन का दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य से हजार गुना अधिक पुण्य मिलता है। इसके महत्व को देखते हुए यह कहा जाता है कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार अमरनाथ यात्रा जरूर करनी चाहिए।

संपादकीय

बेहतर सेहत की ओर

स्वास्थ्य के प्रति औसत आदमी ज्यादा सचेत हुआ है, लगातार शोध एवं विकास से दवाएं बेहतर हुई हैं और अस्पताल तथा डॉक्टर तक पहुंच अपेक्षाकृत आसान हुई है। नतीजतन 2019 तक मौजूदा सदी में इनसान की उम्र औसतन 6 साल बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन हैं कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है। वर्ष 2000 से हमारे देश में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु-दर में करीब 70 फीसदी कमी आई है। नवजात शिशु की मृत्यु-दर में भी करीब 61 फीसदी की कमी आई है। बेशक ये शानदार आंकड़े हैं, जो हमारी स्वास्थ्य-सफलताओं की कहानी कह रहे हैं। वर्ष 2000 में मातृ मृत्यु की संख्या 384 थी, जबकि 2020 में यह घट कर 103 रह गई। उसके बाद मातृ मृत्यु दर में और भी कमी आई होगी। बेशक भारत में मातृ मृत्यु-दर और नवजात बच्चों की मौत का औसत भी कम हुआ है, लेकिन आज भी करीब 25,000 मांओं की मौत हर साल हो रही है। हर साल प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण भी करीब 3 लाख महिलाओं की मौत हो रही है, जबकि 20 लाख से अधिक बच्चे जीवन के प्रथम माह में ही दम तोड़ देते हैं। ये भयानक आंकड़े हैं। मौत के कारण कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि यदि उन्हें बेहतर इलाज मिले और समय पर महिला या शिशु डॉक्टर तक पहुंचाया जा सके, तो ये मौतें भी काफी कम हो सकती हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' का थीम रखा गया है-'स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य।' साफ मकसद है कि मां और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाना। 2030 तक मातृ मृत्यु-दर में सुधार के लक्ष्य से फिलहाल हर 5 में से 4 देश बहुत दूर हैं, जबकि 3 में से 1 देश नवजातों की मौतों को कम करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान' का एक अनुमान सामने आया है कि बीते दो दशकों के दौरान प्रजनन संबंधी पेचीदगियों के कारण करीब 13 लाख महिलाओं की मौत हुई। वाकई ऐसे आंकड़े चिंतित करने वाले हैं। बहरहाल विश्व स्वास्थ्य दिवस ने एक थीम तय किया है, उसके मद्देनजर एक साल तक अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान सरकारों और चिकित्सा-समाज से उम्मीद करेगा कि वे मातृ और नवजात को बचाने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाएं। महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मांओं की सेहत को दुरुस्त कर लिया गया, तो दुनिया भर में स्वास्थ्य को लेकर कायाकल्प किया जा सकता है। भारत में स्वास्थ्य को लेकर कई सवाल हैं। पहला सवाल तो बजट को लेकर है। अमरीका जैसे देश स्वास्थ्य पर जितना बजट खर्च करते हैं, उनकी तुलना में भारत नगण्य है। स्वास्थ्य-बीमा पूरी तरह गोरखधंधा और जालसाजी है। कंपनियां बीमार होने पर पैसा जारी करने को आसानी से तैयार नहीं होतीं। सरकार की 'आयुष्मान योजना' का भी अपना चक्रव्यूह है। उसका कार्ड प्राप्त करना भी आसान नहीं है और उसका लाभ भी ऑपरेशन होने पर ही मिलता है, आम बीमारी में नहीं।

वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन हैं कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है।

चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है

गूगल गुरु के कचरा ज्ञान से पैदा होते सम्पूर्णानन्द पत्रकार?

आत्माराम यादव

आजकल यू-ट्यूबर- व्हाट्सअप, इस्ट्राग्राम कुटुंबएप, फ़ेसबूक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अक़्लमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतवार गाजरघाँस की तरह फ़ेल चुकी है, इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने कभी कागज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार, साहित्यकार ओर पत्रकार बन गया है ओर खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आँककर बिंदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुराद लंगड़ी-लूली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर, गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है

जहां सबेरा है, वही बसेरा है ओर बसनेवाले कई किस्म के है। आजकल यू-ट्यूबर-व्हाट्सअप, इस्ट्राग्राम कुटुंबएप, फ़ेसबूक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अक्लमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतवार गाजरघाँस की तरह फ़ेल चुकी है, इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने कभी कागज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार, साहित्यकार ओर पत्रकार बन गया है ओर खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आँककर बिंदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुराद लंगड़ी-लूली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर, गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है, क्योकि यह बीमारी कोरोना से ज्यादा घातक है, अगर आपने सोसल डिस्टेन्स कायम रखने के लिए मोबाइल ओर एलेक्ट्रानिक उपकरणों से दूरी बनायी है तो बात अटपटी होने से किसी के गले नहीं उतरेगी क्योकि हर गरीब भिखारी से लेकर अमीर आदमी मोबाइल का दीवाना है ओर आज हर घर में 2 साल की उम्र के बच्चे से लेकर मृत्युशैया पर लेटा 100 साल का बूढ़ा व्यकित भी मोबाइल की स्क्रीन में चौबीसों घंटे मुंह गढ़ाए बैठा है। इसी से यह बात प्रमाणित हो चुकी है की करोड़ों मोबाइल में दस प्रतिशत लोग अक्लमंदी के शिकार है ओर उनके दिमाग में भरा कचरा किसी सनसनीखेज समाचार, रपट या ज्ञानवर्धक लेख से कम नहीं इसलिए वह मीडिया बेशर्मी से समाज के सामने अपना कचराज्ञान बाँटकर अपनेआप को बुद्धिमान साबित करने की होड में लगा है। वे सभी जानते है की न तो उनके माता के कुलवंश मे ओर न ही उनके पिता के कुलवंश में किसी ने कभी कोई नाम किया है फिर भी वे अपने को चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है। एक समय फाउंटेन पेन पत्रकारों की शान था आज सारे पेन गुमनामी के अंधेरे में खो गए है। मीडिया में बहती गंगा में हाथ धोने की प्रतिस्पर्धा लगी है तभी इस दौड़ में हरेक अवसर पाना चाहता है। अधिकांश वे लोग जो शार्ट कट से धन कमाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते है वे अपनी सारी कड़वाहट पचाकर मीडिया ज्वाइन आर रहा है

, इसलिए यह स्वार्थपरक युग उनका युग हो गया है जो हर अवसर को भुनाना चाहता है । विशेषकर मेरा शहर व तथाकथित पत्रकारों की एक बड़ी जमात तैयार हो चुकी है और इस जमात में इनकी संख्या में दिनोंदिन इजाफा हो रहा है, जो जनता का शोषण ओर प्रशासनिक अधिकारियों पर निगरानी रख सफेदपोशों के साथ गढ़बंधन कर बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रही है। एक ओर मुख्यधारा के रूप में माने जाने वाले ईलेक्ट्रानिक चैनल है तो दूसरी ओर प्रिंट मीडिया संस्थानों में कार्य करने वाले कठपुतली कामगार पत्रकारों की सिंगल बेनरों को कंधे पर उठाए आसानी से मैनेज हो जाने वाले पत्रकार जो एकला चलो की नीति पर अकेले सुनी सड़कों पर चलते ओर भीड़ के सामने बिजली सा कड़कते ,बिस्फोट सा फूटते ओर भैंसा सा गर्राते दिखेंगे ओर सांड को देखकर मिमियाते मिलेंगे। कट केमरा एक्शन का उपयोग करने वाले टीवी चैनलों के नए एंकर दिखने में शर्माने-लजाने वाले होंगे ओर सबको निबाहने वाले होते है जबकि थोड़ा सा पुराने हुये एंकर जानीवाकर के साथ भयंकर दिखाई देते है जो विलायती नस्ल की झबरीली कुतिया को पाकर प्रसन्न उसी में रमे रहते है ओर जब वह टाँगे पसारती है तो उस समय वे फिल्मी पंचम गीतों को बेसुरा गाते-सहलाते अपनी अंगुलिया फेरते खुश होते है ओर कुतिया भी अपने को धन्य समझती निहाल हो उठती है, कुतिया पपी को मिलने वाले इस आदर सत्कार से भले एंकर की घरवाली नाराज हो पर सुबह शाम झबरीली पपी को घुमाते समय के चर्चे आफ़िसों में होते है ओर पपी की तारीफ़ों के पुल बांधते एंकर साहब घर बैठे लिफाफा ओर गिफ्ट पाते है ओर अन्य एंकर-संवाददाताओं के गिफ़्टों का ठेका लेकर उनके लिफाफे ओर गिफ्ट भी हजम कर जाते है। आप सोच रहे होंगे की अब जीवनरस में क्या शेष या विशेष रह गया है जिसे व्यक्त किया जाये। अभी तक की बाते सही मायने में पत्रकार या मीडियाकर्मियों की थी जो आपको दिल को तर-तर करती सुपथ मार्ग की प्रतीत होती होंगी ओर उसमें बेशर्म जैसी कोई बात नही होगी, यदि हुई है तो उस बेशरम मीडिया की बात आनी चाहिए बात उनकी है जो अपने पैरों पर कभी भी खड़े नही हो सकते, ओर न ही चल सकते है तो फिर बिना चले तरक्की कैसे करेंगे, ऊपर उठने-बड़ने के लिए नसेनी या सीढ़िया तो चढ़नी ही होगी? कितनी भी तिकड़म लगाओं? कितनी भी कोशिश करो? कितनी भी चतुराई दिखाओं? बिना टांग उठाए ये सारी चतुराई व्यर्थ ही है ? टांग नही उठा सकते हो तो हाथ ही उठा ले, हाथ में मुसलचंद मोबाइल को पकड़ ले, मोबाइल उठाते ही मूर्ख से भी मूर्ख मतिमंद भी चार्ज हो उठता है ओर वे ज्ञानचंद बुद्धिप्रकाश बन जाते है। इस प्रकार तमाम मूर्खचंद मीडियाकर्मी विध्यासागर हो जाते है ओर ये सभी गूगलगुरु की कृपा का प्रसाद पाकर खुदकों पत्रकार सम्पूर्णानन्द मान व्हाट्सअप, फ़ेसबूक,यू-ट्यूबर पर अपनी खबरों-सूचनाओं का महाजाल बुनकर एक बात के छह छह अर्थ बताकर उलझी बातों को सुलझाने ओर सुलझी बालों को उलझाकर अपनी मूर्खता के पट खोलते है ओर समझते है की पाठकों के दिमाग उनकी कलम के इस मूर्खज्ञान ने गिरवी रख लिए है। इन तथाकथित पत्रकारों के इस गूगलगुरु स्वरूपा भानुमती के पिटारा ज्ञान के खोफ से घबराय लोग तत्काल उनके खिलाफ आई सूचनाओं- खबरों के प्रकाशन ओर प्रसारण न किए जाने हेतु संधि कर सुख पाते है। ये सारे लोग अपने को हद दर्जे का ईमानदार बतलाकार संस्पेंश पैदा करते है इनमें सबसे बड़ा भ्रष्ट खाऊ होता है वह कमीशन तय कर मैनेज करने का काम करता है। वह इनके कम बोलने पर इन्हे बेईमानी के तराजू में तोलते समय बोली ज्यादा लगाकर इन्हे कृतकृत कर देता है ओर अपना नंबर आने पर ये ही दो कोडी के लंगू भंगु अपने को कम तोलते है, कम नापते है,कुल मिलाकर ये अपने को ईमानदार बिकाऊ न होना बताकर बाजार में खुलेआम नीलाम कर एक इंसान होने का दर्जा छोड़ मात्र एक बिकाऊ सामग्री में शामिल हो जाते है।

दृष्टि कोण

सरकारी स्कूलों में आधारभूत सुधारों की दिशा

हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाने और शिक्षा के स्तर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सभी विद्यार्थियों को समुचित सुविधाएं मिलें और वे शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकें। आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिसमें स्कूल भवनों का नवीनीकरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, खेल के मैदान, स्मार्ट क्लासरूम और प्रयोगशालाओं का विस्तार शामिल है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक विद्यार्थी को उचित बैठने की व्यवस्था मिले और वे एक स्वच्छ तथा सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई कर सकें। शिक्षा प्रणाली को डिजिटल रूप में बदलने के लिए आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना की जा रही है, जिससे छात्र डिजिटल माध्यमों से शिक्षा ग्रहण कर सकें। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से छात्रों को विषयों को गहराई से समझने में मदद मिल रही है, साथ ही ऑनलाइन संसाधनों तक उनकी पहुंच को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित कर रही है, शिक्षकों के स्थानांतरण को सुव्यवस्थित किया जा रहा है और एक केंद्रीकृत शिक्षा मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विद्यालय की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके। प्रदेश सरकार स्कूलों में प्रशासनिक सुधार भी कर रही है, जिससे छुट्टियों की सुनियोजित व्यवस्था, एकीकृत निदेशालय की स्थापना और शिक्षकों के प्रशिक्षण में व्यापक बदलाव हो रहे हैं। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और त्वरित बनाया जा रहा है ताकि शिक्षक और विद्यार्थी शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। अंग्रेजी माध्यम को बढ़ावा देने के लिए कई सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में बदला गया है, जिससे छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सहायता मिले। वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विद्यार्थी शुरू से ही अंग्रेजी में दक्षता प्राप्त करें, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। इसके अतिरिक्त सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि छात्रों को उनकी मातृभाषा में भी पर्याप्त ज्ञान मिले ताकि वे अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़े रहें। सरकारी स्कूलों में निशुल्क परिवहन, मध्यान्ह भोजन योजना, यूनिफॉर्म और किताबें प्रदान की जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ मिल रहा है। इन योजनाओं से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी छात्र आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। हाल ही में सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित करियर काउंसिलिंग की भी शुरुआत की है, जिससे छात्रों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर विकल्पों की जानकारी मिल रही है। इस नई पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य की संभावनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष राज्य के अध्यापकों और विद्यार्थियों को विदेश भ्रमण पर भेज रही है, ताकि वे अन्य देशों की उन्नत शिक्षा पद्धतियों, तकनीकी प्रयोगों और नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना, वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना, तकनीकी समावेशन को बढ़ावा देना, अनुसंधान व नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करना है। विदेशों की आधुनिक शिक्षण विधियों से परिचय होने से शिक्षक अधिक प्रभावशाली ढंग से पढ़ा सकते हैं, वहीं छात्र वैश्विक स्तर पर सोचने और सीखने की क्षमता विकसित करते हैं। यह प्रयास हिमाचल प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने और शिक्षकों व छात्रों को आत्मविश्वासी, सृजनशील तथा वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। सरकार के इन प्रयासों के कारण अब सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और अभिभावकों का ध्यान कॉन्वेंट स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ा है। सरकारी स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं, योग्य शिक्षक, डिजिटल शिक्षा और निशुल्क सेवाओं के चलते शिक्षा का स्तर ऊंचाइयों को छू रहा है।

कुछ अलग

आओ कब्र खोदें

कई दिनों से झुन्नू लाल जी के घर से रात को निरंतर गैंती चलने की आवाज़ें आ रही थीं। ऐसा लगता था मानो वहां कोई बड़ी खुदाई का काम चल रहा हो। हर रात मेरी नींद टूट जाती और काफी देर तक करवटें बदलते हुए मैं सोचता रहता कि वहां चल क्या रहा है। मुझे झुन्नू लाल जी के घर से न तो किसी तरह की मरम्मत का काम चलने की ख़बर थी और न ही किसी नई निर्माण योजना का समाचार। महंगाई, बेरोजग़ारी और पिछले दस सालों से कम कमाई की मार झेलता हुआ मध्यम वर्ग राष्ट्रवाद और अपने स्वर्णिम इतिहास की अफीम चाट कर अभी भी गाढ़ी नींद में सो रहा था। पर निरंतर आने वाली आवाज़ों से उनींदे होने पर अक्सर मेरे लबों पर किशोर दा और लता मंगेशकर के हिंदी फिल्म आपकी क़सम में गाए गीत 'करवटें बदलते रहें सारी रात हम, आपकी क़सम' के बोल अनायास चलने लगते। मैं न जाने कितनी देर तक सोचता रहता कि उम्र के चौथे पड़ाव में रात को नींद टूट जाने के बाद मैं अपने महबूब की क़सम भी नहीं खा सकता। इस उम्र में बीवी से सिर्फ निबाह ही हो सकता है। मोहब्बत की गुंजाइश किसी राजनेता की ईमानदारी की तरह सात तालों में बंद हो जाती है। एक रात जब मुझसे नहीं रहा गया तो मैं यह सोचता हुआ झुन्नू जी के घर जा पहुंचा कि शायद अपने देश तथा ख़ानदान के गौरवमयी स्वर्णिम इतिहास की खोज और अनुसंधान के दौरान उनको किसी गुप्त खज़ाने का नक्शा मिल गया होगा या देश में हर साल दो करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने के कारण अपने घर में कोई नया निर्माण कार्य या मरम्मत करवाने के लिए दिन में मज़दूर नहीं मिल रहे होंगे तो रात में काम करवा रहे होंगे। यूं भी जिस देश का प्रधानमंत्री हर रोज़ अठारह या बीस घंटे काम करता हो वहां लोगों को ओवरटाईम काम करने की लत पड़ ही जाती है। ओवरटाईमिंग की इसी लत के कारण देश का मज़दूर वर्ग ग़रीबी से ऊपर उठ कर मध्यम वर्ग में घुसपैठ कर चुका है और मध्यम वर्ग कुछ ही सालों में अडानी और अम्बानी को टक्कर देने लगेगा। हालांकि पिछले कुछ सालों से काम और बेहतर ज़िंदगी की तलाश में डंकी रूट के ज़रिए अमेरिका और यूरोप के देशों में अवैध घुसपैठ करने वाले भारतीय युवाओं की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री के लंगोटिये यार और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में अवैध भारतीय घुसपैठियों को हथकड़ी पहना कर सेना के विमान में भारत वापस भेजा था। जब मैंने दरवाज़ा खटखटाया तो पीप होल से झांकते हुए झुन्नू जी ने किवाड़ खोले। हर बार मेरे आगमन पर चहकने वाले झुन्नू जी इस बार थोड़ा परेशान दिखे। पूछने पर बोले, 'यार! मुझे इसी बात का डर था कि रात को घर से आ रही आवाज़ों के चलते कहीं पड़ोसी न आ धमकें। लेकिन तुम्हारे आने का अंदेशा सबसे ज़्यादा था। ख़ैर! आ ही गए हो तो बैठ कर बात करते हैं।' इतना कहते हुए उन्होंने प्लास्टिक की एक कुर्सी उस कमरे के पास खींच ली जहां खुदाई का काम चल रहा था। मैंने उनसे पूछा कि आपने काम के लिए जो मज़दूर रखे हैं, वे मेरे आते ही कहां ग़ायब हो गए। वह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान लाते हुए बोले, 'कुछ काम खुद ही करने होते हैं। मैंने कोई मज़दूर हायर नहीं किया। दरअसल मैं नहीं चाहता था कि किसी को इस खुदाई के बारे में पता चले। यह तुम थे तो मैंने दरवाज़ा खोल दिया। अगर कोई और होता तो दरवाज़ा नहीं खुलता।' उनके इस अपनत्व से भाव-विभोर होते हुए उनका धन्यवाद करते हुए मैंने पूछा कि क्या खुदाई की कोई ख़ास परियोजना है, हड़प्पा या मोहनजोदड़ो की तरह।' वह उसी तरह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान बिखेरते हुए बोले, 'यह उससे भी बड़ा काम है।

देश दुनिया से

वैश्विक उथल-पुथल में भारत के लिए संभावनाएं

भारत श्रीलंका के बीच अच्छे, और बुरे दोनों तरह के सम्बन्ध रहे हैं। राजीव गांधी के कालखंड में उभयपक्षीय संबंधों का भूस्खलन लोग भूल नहीं पाते। नई दिल्ली ने पिछले साल के राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों से काफी पहले सही तरीके से अंदाजा लगा लिया था, कि राजनीतिक हवाएं किस दिशा में बह रही हैं। पीएम मोदी ने जल्द ही राष्ट्रपति बनने वाले अनुरा कुमार दिसानायके को भारत आने का निमंत्रण दिया, जहां उनका शानदार स्वागत हुआ। राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ सप्ताह बाद दिसानायके ने भारत की राजकीय यात्रा की, बाद में वो चीन भी गए। श्रीलंका, निस्संदेह हिंद महासागर में भारत और चीन के बीच शक्ति प्रतिद्वंद्विता से लाभान्वित हो रहा है, जहां भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के माध्यम से लाभ चाहता है, जबकि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के माध्यम से लाभ उठाना चाहता है। नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा करने के बाद, चीन की यात्रा करने का विकल्प चुनकर शक्ति संतुलन का प्रयास किया था। जनवरी, 2025 में दिसानायके ने चीन की राजकीय यात्रा की, जिस दौरान दोनों पक्षों ने चीन-श्रीलंका रणनीतिक सहकारी साझेदारी को गहरा करने और साझा करने का संकल्प किया था। श्रीलंका का अख़बार 'द आइलैंड' ने अपने सम्पादकीय में लिखा- 'उपहार के घोड़ों के मुंह पर हाथ धरे बैठे बिना, हमें हमेशा सचेत रहना चाहिए, कि मुफ़्त भोजन जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। हमें अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए।' एक बात है, श्रीलंका की घरेलू राजनीति से भारत का तमिलनाडु सीधा प्रभावित नहीं होता, तो सहयोग का स्वरूप कुछ और होता। श्रीलंका की यात्रा के तुरंत बाद, रविवार को पीएम मोदी का रामेश्वरम पहुंचना, पंबन वर्टिकल रेल पुल का उद्घाटन, आखिर क्या सन्देश देता है? श्रीलंका के बरास्ते पीएम मोदी तमिलनाडु में व्यूह रच रहे हैं, इतनी बात तो किसी राजनीतिक विश्लेषक की समझ में आ जानी चाहिए। श्रीलंका में महो-अनुराधापुरा रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम और नव उन्नत महो-ओमानथाई रेलवे लाइन का उद्घाटन, ऊर्जा, डिजिटलीकरण, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ भारत की ॠण पुनर्गठन सहायता से संबंधित समझौते, सामपुर सौर ऊर्जा संयंत्र, दांबुला में 5,000 मीट्रिक टन तापमान और आर्द्रता नियंत्रित कोल्ड स्टोरेज सुविधा, और 5,000 धार्मिक स्थलों पर सौर पैनलों की स्थापना, त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने, श्रीलंका में बिजली, पेट्रोलियम में कनेक्टिविटी स्थापित करने, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में सहयोग, ये सब उस व्यूह रचना का हिस्सा है, जो श्रीलंका से तमिलनाडु तक डैमेज कंट्रोल की तरह है। प्रधानमंत्री मोदी अपने साथ कई उपहार भी लेते गए, जिनमें युद्धग्रस्त उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपये के पैकेज के रूप में है। शायद, यही सहयोग भाव तमिलनाडु की राजनीतिक तपोभूमि में बीजेपी का मार्ग प्रशस्त करेगा। श्रीलंका 2022 में भारत द्वारा प्रदान की गई भारी सहायता को नहीं भूल सकता, जब इस देश ने अपने समकालीन इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना किया था। उस समय भारत ने बहु-आयामी सहायता प्रदान की, जिसमें कई क्रेडिट लाइनों और मुद्रा समर्थन के माध्यम से 4 बिलियन डॉलर का वित्तपोषण पैकेज शामिल था, ताकि इस देश को आवश्यक आयातों को बनाए रखने और अपने ॠणों पर चूक से बचने में मदद मिल सके। लेकिन, जो बात चीन-पाकिस्तान-अमेरिका और एशिया-प्रशांत के देश जानना चाहते हैं, वो है रक्षा सहयोग। दोनों शासन प्रमुखों ने अपनी मुट्ठी नहीं खोली। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ साझा प्रेस सम्मलेन को संबोधित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के निर्णय का खुलासा किया था, किन्तु उसका ब्योरा नहीं दिया था। हालांकि, सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल संपत थुयाकोंथा, जिन्होंने रक्षा सचिव के रूप में रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ने कहा कि वे 2023 में रक्षा वार्ता के दौरान एक समझौता ज्ञापन के हवाले से रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। फिर भी, 2023 में रक्षा वार्ता में क्या कुछ था? उसे डिकोड करना चुनौती जैसा है। इस बार, पीएम मोदी ने जो कुछ भी रक्षा समझौते में किया, उसे लेकर चीन की भृकुटियां नहीं तनी हैं। हो सकता है, ट्रंप से तनाव की वजह से राष्ट्रपति शी भारत से नरम रुख़ बनाये रखना, वक्त का तकाज़ा समझते हों। चीन इस बार निर्विकार भाव से श्रीलंका-भारत संबंधों को देख रहा है। फुतान विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र के उप निदेशक लिन मिनवांग ने रविवार को ग्लोबल टाइम्स से कहा, 'मोदी की श्रीलंका यात्रा का मुख्य उद्देश्य चीन से संबंधित मुद्दे नहीं थे, क्योंकि भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंध भी विभिन्न जटिल मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' इस बार दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर सहमति-पत्र (एमओयू), 29 जुलाई, 1987 को विवादास्पद भारत-श्रीलंका शांति समझौते के लगभग 38 साल बाद आया है, जिस पर श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जयवर्धने और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। उस समय भी समझौते की शर्तों को मंत्रिमंडल से छिपाया गया था। तब श्रीलंका की मार्क्सवाद-लेनिनवाद विचारधारा वाली वामपंथी पार्टी, जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) ने भारतीय विस्तारवाद का मुद्दा बनाया था। मगर आज, सबकुछ मीठा-मीठा है। हालांकि, फ्रंटलाइन सोशलिस्ट पार्टी और कुछ समूहों ने कोलंबो में विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी है। श्रीलंका, नए नेतृत्व के तहत एक नई राजनीतिक दिशा में आगे बढ़ रहा है, फिर भी, भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध शिकार, और समुद्री पर्यावरण को नष्ट करना हर बार मुद्दा बनता है। इस साल अवैध शिकार के आरोप में श्रीलंका ने 140, और 2024 में 550 से ज़्यादा भारतीय मछुआरों को गिरफ़्तार किया है। क्या इसका कोई निर्णायक समाधान हो पाएगा।

आप का नजरिया

गली में आवारा गाय

एक ही बैल ने कई कहानियां कह दीं, लेकिन तुम हो कि खबर नहीं। गोवंश के नाम पर जिनका खून खौलता, वे हकीकत में देखें कि रात के सन्नाटों में आवारा पशुओं के कारण किसान का दिल कितना डूबता है। हमारा खेत अगर सभी पशुओं को चारा नहीं दे सकता, तो कृषि नीति को कोसें या सस्ते राशन पे उजड़ते खेत को देखें। कभी पशुधन होता था, आज सडक़ पर खड़ा वह अपराधी है। होंगे अपराधी जो पांवटा साहिब की शांति में गोवंश के अवशेष यमुना किनारे छोडक़र माहौल खराब कर गए, लेकिन किसान के खेत को आवारा पशु चट करते हैं, तो उसका पेट कटता है। विडंबना यह कि हिमाचल में नलवाड़ मेले पालतू पशुओं या गोवंश की याद में चल रहे हैं, लेकिन शुभारंभ के खूंटों पर माहौल उदास है। अब नहीं आती बैलों की जोड़ी वहां, लेकिन सुंदरनगर, बिलासपुर या किसी अन्य शहर के हर चौक पर आवारा पशु अब एक खौफनाक समुदाय है। गोवंश का आवारा होना हमारी योजनाओं का अंधापन है या वाकई इसका अब ग्रामीण समाज से कोई रिश्ता नहीं। वहां खेत में सबसिडी में टिल्लर आता है और किराए की मजदूरी में पूरी तरह जोत जाता है। ढूंढना अब हल कल के मुजारे के पास, क्योंकि लैंड सीलिंग एक्ट ने समाज से खेती और खेती की जरूरत छीन ली। आखिर राशन डिपो का सामान हिमाचल में तो नहीं उगता। यह दीगर है कि हिमाचल में दूध की मांग और दूध के उपभोक्ता बढ़ गए, लेकिन यह अब आयातित सामान है, रोज सुबह बाहर से आता है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार गोवंश के संरक्षण की आवाज उठाते हैं। बेशक गऊ को माता का दर्जा देने वाले हम हिंदू और हमारी भावनाएं इन्हें लेकर किसी विवाद से आहत होती हैं। हम धार्मिक वैमनस्य की गलियों में तो गोवंश के समर्थन और सुरक्षा में एकजुट हो जाते हैं, लेकिन इनके आवारा झुंडों के करीब जाने से भी कतराते रहते हैं। जब पांवटा साहिब की भावनाएं उबाल बिंदु पर थीं, तब भी शहर के किसी कोने में कोई गाय आवारा थी। जब हिंदू संवेदना इस भूखंड पर प्रचंड थी, तब भी गोवंश का कोई सदस्य कूड़े में मुंह मार रहा था या प्लास्टिक चबा रहा था। हमारा आक्रोश अगर सही है, तो हम बता दें पूरे विश्व को कि गऊ माता को हम अपनी छत या सामुदायिक जिम्मेदारी से कितना प्रश्रय देते हैं। क्या गोवंश चौराहों पर आवारा परिक्रमा का दस्तूर बनकर जीए या आवारा होते ही इसके हिस्से का नवाला छीन लिया जाए। जब तक हमारी खेती और हमारी आर्थिकी गोवंश को पूरी तरह नहीं अपनाएगी, ये असहाय प्राणी अपनी खुराक की तलाश में किसान को रुलाएगा। काश वन संरक्षण अधिनियम की परिपालना से पहले हिमाचल ने पशुओं के चारे के लिए निर्धारित जमीनों पर चीड़ न उगाए होते। हमने वे सारी धारें बर्बाद कर दीं जहां हर मौसम, परिस्थिति और हर हालत में पशुओं को चारा मिला करता था। आज परिस्थितियां शांता कुमार की गली तक बिगड़ी हैं, तो वहां घूमते आवारा पशुओं के पीछे हम सभी मूकदर्शक हैं। गोवंश की प्रासंगिकता अगर जीवन में घट गई, तो हमारे सांस्कृतिक सरोकार कहीं न कहीं खोखले व दोगले हैं। इसी बीच कांगड़ा के कच्छियारी के हर्मिंद्र सिंह के बछड़े का मूल्य अगर पशुपालन विभाग तय कर रहा है, तो इस पशुपालक की प्रयोगशाला से तमाम गोवंश समर्थकों को सेवा भाव भी सीख लेना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आय के स्त्रोत बढेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख–शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज परिश्रम जरुर करना पडेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंने का निमंत्रण आ सकता हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज समय थोडा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढ़ने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय–धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भा–गदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद–विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद–विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा। कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार–धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद–विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं। सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ छोटी–मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरुर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए, दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगडेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा, दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे–संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समाहरोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अप्रैल 2025, बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 10:58 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 09:57 तक
योग : गण्ड रात्रि 06:24 तक
करण : बव प्रातः 10:03 तक
चन्द्र राशि : सिंह
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस,
गण्डमूल प्रातः 09:57 तक, खरमास चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विपक्ष के नेता झूठ बोलकर जनता को बरगलाने का काम न करें : सैनी

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिजली बिलों को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे और रणदीप सिंह सुरजेवाला बिजली मंत्री थे, उस समय प्रदेश में बिजली व्यवस्था की हालत बदतर थी। शहरों में पावर कट लगते थे, लोग परेशान थे। जबकि वर्तमान सरकार ने बिजली क्षेत्र में सुधार करते हुए लोगों को 24 घंटे बिजली देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री आज हिसार में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, भाजपा प्रदे–शाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, विधायक सावित्री जिंदल और रणधीर पणिहार उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष के नेता पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखें फिर किसी पर उंगली उठाएं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सिंह सुरज–वाला में तो होड़ लगी है कि कौन विपक्ष का नेता बनेगा। वे तो सिर्फ अपनी हाजिरी लगवा रहे हैं, उन्हें जनता से कोई लेना देना नहीं।

उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए वर्ष 2013- 14 में जब कांग्रेस सरकार थी उस समय 25 यूनिट तक बिजली की खपत करने पर 200 रुपए का बिल आता था। इसी तरह 50 यूनिट तक 200 रुपए, 100 यूनिट तक 378 रुपए, 150 यूनिट तक 603 रुपए, 200 यूनिट तक 828 रुपए, 250 यूनिट तक 1053 रुपए तथा 300 यूनिट तक बिजली खपत करने पर 1316 रुपए बिल आता था। जबकि हमारी सरकार में आज 2025- 26 में 25 यूनिट तक केवल 55 रुपए का ही भुगतान करना है। इसी तरह, 50 यूनिट तक 110 रुपये, 100 यूनिट तक 245 रुपये, 150 यूनिट तक 443 रुपये, 200 यूनिट तक 705 रुपये, 250 यूनिट तक 968 रुपये तथा 300 यूनिट तक 1230 रुपये का बिल है। नायब सिंह सैनी ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सिंह सुरजेवाला को चुनौती देते हुए कहा कि वे जनता के बीच में आकर तथ्यों के साथ बात करें। जनता को झूठ बोलकर बरगलाने का काम करने की जरूरत नहीं है। पहले तथ्य जांचें, फिर बोलें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 24 घंटे बिजली देने को वायदे को पूरा किया लेकिन बिलों का बोझ आम जनता पर नहीं डाला। वर्ष 2013-14 में बिजली कंपनियों पर जितना कर्ज था, हमारी सरकार ने उस कर्ज को भी कम किया और

2027 तक यह कर्ज शून्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छत पर 2 किलोवाट तक सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। अब तक 15,000 घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2 किलोवाट तक के कनेक्शन वाले सभी लोग अपने घरों में सोलर पैनल लगवाएं, उनका बिजली का बिल जीरो हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री 14 अप्रैल को हरियाणा आ रहे हैं और प्रदेशवासियों को 2 बड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। यमुनानगर में 7272 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 800 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट का शिलान्यास करेंगे। यह यूनिट वर्ष 2028 के अंत तक अपने तय समय पर बनकर तैयार हो जाएगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से हवाई सेवाओं की शुरुआत करेंगे। इससे सिर्फ हिसार ही नहीं, बल्कि पंजाब और राजस्थान के बड़े हिस्से को भी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री इस दौरान हिसार एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग का भी शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट, अयोध्या तक विमान सेवाएं शुरू होंगी, जिससे श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के दर्शन का अवसर मिलेगा। एयरपोर्ट के बनने से आसपास बड़े औद्योगिक यूनिट्स स्थापित होंगे, रोजगार बढ़ेगा और निवेश आएगा। सांसद जय प्रकाश द्वारा एरोड्रम वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद एरोड्रम और एयरपोर्ट का मतलब गुगल कर लें तो उन्हें समझ आ जाएगा। आज हिसार में इतनी बड़ी परियोजना मूर्तरूप ले रही है, यह पूरे हरियाणावासियों के लिए गर्व की बात है, लेकिन विपक्षी दल विकास को देखकर मुरझा गए हैं। उनसे सहन ही नहीं हो रहा कि राज्य सरकार इतने विकास के काम कैसे कर रही है। उन्होंने कहा कि सांसद जिम्मेवारी व्यक्ति हैं, उन्हें तो एयरपोर्ट पर आकर प्रधानमंत्री का स्वागत करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से अभी हफ्ते में 2 दिन हिसार से अयोध्या तक फ्लाइट उड़ेगी। जैसे – जैसे बुकिंग अधिक होगी तो फ्लाइट के रूट भी बढ़ाए जाएंगे। हालांकि, पहली फ्लाइट की बुकिंग के लिए 2 घंटे पोर्टल खोला था और 2 घंटे में ही पूरी फ्लाइट फुल हो गई। हिसार एयरपोर्ट पर सुरक्षा के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट लगभग 7200 एकड़ में है और 2000 एकड़ में चारदीवारी बनाई गई है। निश्चित तौर पर इतने बड़े इलाके में कुछ जानवर हो सकते हैं, लेकिन धीरे–धीरे उन सभी जानवरों को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा रहा है और जल्द ही इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

सावित्री जिंदल के नाम धोखाधड़ी का प्रयास, पुलिस ने एफआईआर की दर्ज

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। मशहूर कारोबारी और हिसार से विधायक सावित्री जिंदल अब साइबर अपराधियों के निशाने पर हैं। दो फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर जालसाजों ने उनकी पहचान का इस्तेमाल किया और निवेश के नाम पर लोगों को ठगने की तैयारी की।

कैसे रची धोखाधड़ी की योजना?

विधायक सावित्री जिंदल के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर साइबर अपराधियों ने फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाई। इन प्रोफाइल में लोगों को 50 हजार रुपये निवेश करने और निवेश के जरिए तीन दिन में 2.5 लाख रुपये तक का रिटर्न देने का लालच दिया गया। पोस्टिंग के मुताबिक, यह निवेश जिंदल ग्रुप से जुड़ा बताया गया और इंफ्रास्ट्रक्चर, तेल–गैस, बिजली और स्टील जैसे क्षेत्रों में होने की बात कही गई।

एक फर्जी अकाउंट ने करीब 5,000 लोगों से संपर्क किया, जिन्हें सीधे तौर पर 'कम समय में ज्यादा मुनाफा' का सपना दिखाया गया। एक अन्य फर्जी आईडी ने जिंदल स्टील पावर और सीएसआर पहलों में निवेश को प्रेरित करने के लिए सावित्री जिंदल की तस्वीर का इस्तेमाल किया। विधायक तक मामला पहुंचते ही उनके निजी सहायक ललित शर्मा ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अधिकारियों को इन फर्जी प्रोफाइलों के बारे में बताया, जो उन्होंने ऑनलाइन विधायक का नाम खोजने पर उजागर कीं। उन्होंने तुरंत पुलिस को संबंधित डेटा दिया।

साइबर थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर विकास ने बताया कि घटना की सूचना मिल गई है और अज्ञात अपराधियों की तलाश जारी है। जांच में पता लगाया जा रहा है कि कौन सा गिरोह इन खातों को मैनेज कर रहा है और इन्हें कहां से चलाया जा रहा था। फ़िलहाल इस मामले में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बीज–कीटनाशक व्यापारियों की हड़ताल टली, किसानों ने ली राहत की सांस

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के बीज, उर्वरक और कीटनाशक बिक्री फर्मों की सात दिवसीय हड़ताल फिलहाल टल गई है। सोमवार को शुरू हुई इस हड़ताल को लेकर पूरे राज्य के किसान और व्यापारी काफी चिंतित थे, लेकिन अब एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद इसे 16 अप्रैल तक टाल दिया गया है।

कुरुक्षेत्र में एक अहम बैठक के 21 सदस्यों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री और उनके ओएसडी ने कंपनी को वादा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 अप्रैल को हरियाणा की प्रस्तावित यात्रा के बाद सरकार और विक्रेता व्यवसायों के बीच सभी समस्याओं के समाधान के लिए खूब बातचीत होगी। हरियाणा फाल्स उर्वरक–बीज–कीटनाशक विक्रेता संघ ने इस गारंटी के बाद कहा कि उनकी दुकानें 8 अप्रैल से खुलेंगी। इस प्रकार है: कंपनी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 16 अप्रैल को होने वाली अगली बैठक में आगे की दिशा तय होगी। तब तक सभी व्यवसाय सामान्य रूप से खुले रहेंगे।राज्य भर के किसानों ने इस फैसले का स्वागत किया है। खरीफ सीजन की बुवाई का समय वास्तव में काफी करीब है, और बीज की मांग तेजी से बढ़ रही है। देरी से बुवाई करने से किसानों को समय पर बीज नहीं मिलने से फसल उत्पादन पर सीधा असर पड़ता, क्योंकि इस दौरान स्टोर बंद रहते हैं।

हरियाणा विधान सभा में कॉफी–डे कैफे शुरू

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा में लंबे इंतजार के बाद कॉफी–डे का कैफे शुरू हो गया है। मंगलवार को हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने रिबन काट कर इसका उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने पहले ग्राहक के तौर पर बनाना–बाइट की चिप्स खरीदी और उनका मनोबल बढ़ाया। कल्याण ने कैफे संचालकों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि यहां अच्छी गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ उपलब्ध रहेंगे। इस कैफे से हरियाणा विधान सभा के कर्मचारियों को उचित दाम पर कॉफी और स्नैक्स मिल सकेंगे। विधान सभा कर्मचारियों को इस प्रकार के कैफे की लंबे समय से जरूरत महसूस हो रही थी। कैफे खुलते ही यहां खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया। इस कैफे के संचालक अभिनव मिश्रा ने बताया कि यहां कैपेचिनो, एसप्रेसो, सैंडविच, कोल्ड कॉफी, विभिन्न प्रकार के शेक उपलब्ध रहेंगे।

इसके बाद विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा परिसर के अनेक कार्यालयों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गोपालन मंत्री ने वीसी के माध्यम से जिलों के संयुक्त निदेशकों के साथ की समीक्षा बैठक

जयपुर,08 अप्रैल (एजेंसियां)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मंगलवार को टोंक रोड स्थित आरएलडीबी सभागार में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन सचिव, पशुपालन और गोपालन डॉ समित शर्मा, पशुपालन निदेशक डॉ. आनंद सेजरा, गोपालन निदेशक प्रह्लाद सहाय नामा भी उपस्थित थे।

बैठक में पशुपालन मंत्री कुमावत ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में स्वास्थ्य प्रमाण पत्रों की प्रगति, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के संचालन, एफएमडी टीकाकरण की प्रगति और पशु गणना आदि की जिलेवार समीक्षा की और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जिलों के अधिकारियों से जानकारी ली।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा में अब तक 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है और 80 हजार से अधिक पशुओं के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं साथ ही 5 हजार से अधिक पशुओं की बीमा पॉलिसी भी जारी कर दी गई है। मंत्री श्री कुमावत ने इस

पर असंतोष व्यक्त करते हुए बीमा के काम में और गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष रह गए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी शीघ्र जारी करने के निर्देश देते हुए दो महीने के अंदर सभी पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी करने के निर्देश दिए।

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के प्रभावी संचालन पर चर्चा करते हुए कुमावत ने कहा कि मोबाइल वेटरिनरी यूनिट भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण योजना है। सरकार इस योजना पर काफी बजट खर्च कर रही है लेकिन अभी जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल रहे हैं। अभी क्षेत्र से शिकायतें आती हैं। उन्होंने जिला अधिकारियों से कहा कि अगर कोई समस्या है तो उसे निदेशालय को बताएं उसके निराकरण का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जिलों के संयुक्त निदेशकों को निर्देश दिया कि एमवीयू का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर घर घर तक इसकी जानकारी पहुचाएं और जिले के सभी गाड़ियों की मॉनिटरिंग जिम्मेदारी से करें। निर्धारित प्रपत्र में सभी सूचनाएं समय पर निदेशालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एमवीयू का लाभ अधिक से अधिक पशुओं और पशुपालकों तक पहुंचना चाहिए।

एफएमडी टीकाकरण की प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्होंने टीकाकरण की व्यवस्था को भी और बेहतर तथा सुदृढ़ करने के निर्देश दिए जिससे समय रहते पशुओं को सभी जरूरी टीके लगाए जा सकें और उन्हें बीमारियों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि 17 मई तक टीकाकरण की अवधि निर्धारित है और अभी तक मात्र 5 लाख पशुओं का ही इंद्राज पशुधन एप पर किया गया है जो कि बहुत ही असंतोषजनक है।

पेयजल संकट पर भड़कीं वसुंधरा राजे,अफसरों से कहा

पानी कागज़ों में नहीं, होठों तक पहुँचे

झालावाड़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे मंगलवार को झालावाड़ जिले के रायपुर कस्बे में पहुंचीं, जहां ग्रामीणों द्वारा पेयजल संकट की शिकायतों के बाद उन्होंने जनजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अधिकारियों की जमकर क्लास ली।गर्मी की तपन और पानी की किल्लत से जूझते ग्रामीणों की आवाज़ को उठाते हुए वसुंधरा राजे ने अफसरों से दो टूक कहा – क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है? अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। राजे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश को दिए गए 42 हज़ार करोड़ रुपये का हवाला देते हुए पूछा कि आखिर झालावाड़ के हिस्से का पैसा कहां गया? उन्होंने अफसरों से पाई–पाई का हिसाब मांगा और सवाल किया कि अगर केंद्र सरकार पैसा दे रही है तो ज़मीन पर उसका असर क्यों नहीं दिख रहा। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुँचना चाहिए, राजे ने कड़े लहजे में कहा। अधीक्षण अभियंता दीपक सिंह झा सहित मौके पर मौजूद किसी भी अधिकारी के पास इस सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं था। राजे ने चेतावनी दी कि लोगों के धैर्य की परीक्षा न ली जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह तो अप्रैल की स्थिति है, अगर अभी हालात ये हैं, तो जून–जुलाई में क्या होगा? इस दौरान उनके साथ झालावाड़–बारां से सांसद और पुत्र दुष्यंत सिंह भी मौजूद रहे।

भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ में की जनसुनवाई

परिवेदनाओं का मौके पर ही किया निस्तारण

हनुमानगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ़ एवं श्री गंगानगर जिले के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन मंगलवार को हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाऊस में जनसुनवाई की।

शर्मा ने आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनापूर्वक सुनते हुए अधिकारियों को उनके उचित निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मुख्यमंत्री द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया।

इससे पहले शर्मा ने अपने व्यस्त दौरे के बीच हनुमानगढ़ में टाउन रोड़ स्थित एक थड़ी पर रूककर चाय पी तथा यूप–ीआई से भुगतान किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की तथा बच्चों को पास बुलाकर दुलार किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस दौरान रास्ते में अपना काफिला रूकवाकर सफाई कार्मिकों के साथ भी आत्मीयता से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

सीएमएचओ व डीटीओ को भजनलाल ने किया सम्मानित

चूरू,08 अप्रैल (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेश में चलाए गए टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान व आईईसी के माध्यम से जागरूकता गतिविधियां चलाने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा व जिला क्षय रोग नियंत्र्ण अधिकारी डॉ वेदप्रकाश को जयपुर में स्वास्थ्य दिवस पर सम्मानित किया। सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत जिले की 143 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करवाकर चूरू प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा। इसके साथ ही जिले में आमजन में टीबी रोग के प्रति जागरूकता गतिविधियां चलाकर उत्कृष्ट कार्य करने पर भी सम्मानित किया गया।

जोरदार धमाके से फटा एथेनॉल प्लांट का बॉयलर

बरेली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। आंवला-अलीगंज रोड किनारे स्थित एथेनॉल प्लांट में सोमवार की सुबह भीषण धमाके के साथ बॉयलर फट गया। प्लांट में आग भी लग गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फायर ब्रिगेड ने मशक्कत करके आग बुझाई। बॉयलर फटने से इतनी तेज धमाका हुआ कि आसपास का इलाका सहम गया।

बरेली के बिशारतगंज थाना क्षेत्र में आंवला-अलीगंज रोड पर जिंदल ग्रुप के नवनिर्मित एथनॉल प्लांट का बॉयलर सोमवार सुबह जोरदार धमाके के साथ फट गया। इससे आसपास का इलाका दहल गया। प्लांट में आग लग गई। बॉयलर की भारी भरकम कैप हवा में उड़कर करीब चार सौ मीटर दूर खेत में जाकर गिरी। खेतों में काम कर रहे किसान भाग खड़े हुए। एक किसान घायल हो गया। धमाका इतनी तेज था कि पास के गांव इस्माइलपुर में घरों की दीवार तक हिल गईं। लोग समझ नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या। बाद में पता चला कि एथनॉल प्लांट में आग लगी है। घटना के दौरान प्रबंधन के लोग वहां से खिसक गए थे। फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में प्लांट में काम कर रहे दो मजदूर झुलसे हैं। इनका उपचार बरेली के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

बॉयलर की कैप करीब चार सौ मीटर दूर गेहूं के खेत में जा गिरी। वहीं इसके टुकड़े इधर-उधर बिखर गए। हादसे के वक्त खेत पर काम कर रहे इस्माइलपुर निवासी किसान कुंभकरण भागते वक्त गिरकर घायल हो गए। बॉयलर के पास काम कर रहे अलीगंज के पांडी गांव निवासी मजदूर आदेश व चंद्रेश झुलस गए। प्लांट में धमाके की सूचना पर आंवला व बरेली से दमकल की सात गाड़ियां, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें पहुंच गईं। इफको व रेलवे स्टेशन रोड स्थित तेल डिपो की फायर यूनिट ने मौके पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना के बाद अधिकारियों ने मौके से करीब 100 मीटर दूर बने एथेनॉल भंडारण टैंकों को काफी देर तक पानी डालकर ठंडा कराया। डर था कि आग की गर्माहट से उन टैंकों में भाप बनकर धमाका न हो जाए।

पुलिस, प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों की काफी देर बाद प्लांट के प्रबंधक अमन तिवारी से बात हुई। उन्होंने बताया कि प्लांट का अभी ट्रायल चल रहा है। हमारी टीम ब्लोइंग टेस्ट कर रही थी, तभी यह हादसा हो गया। कारणों की जांच की जा रही है। हालांकि, कुछ मजदूरों ने दबी जुबान बताया कि प्लांट में टेस्टिंग के दौरान कोई एक्सपर्ट मौजूद नहीं था। अगर एक्सपर्ट की मौजूदगी में टेस्टिंग की जाती तो शायद हादसा टल सकता था। एनओसी के बारे में पूछने पर अग्निशमन विभाग के अधिकारी का कहना है कि प्रबंधन से रिकॉर्ड मांगा गया है। जांच के बाद ही एनओसी व वजह के बारे में बता सकते हैं।

वहां मौजूद ठेकेदार ने बताया कि इस प्लांट में मक्के व चावल से एथनॉल तैयार किया जाता है। एथेनॉल अब पेट्रोल के साथ भी मिश्रित करके बेचा जाता है। इस प्लांट की क्षमता चार लाख लीटर की है। प्लांट कर्मियों ने बताया कि अनाज का मिश्रण स्टीम के माध्यम से रस के रूप में फरमेंटर टैंक में जाता है। तकनीक का उपयोग कर टैंक में एथनॉल बनता है। इसी टैंक में धमाका हो गया। किसान कुंभकरण ने बताया कि वह खेत में काम कर रहे थे, तभी अचानक तेज धमाका हुआ। धरती कांपी। उनकी नजर ऊपर गई तो विशालकाय चीज नीचे गिर रही थी। उससे बचने के लिए वह खेत से भाग खड़े हुए। भागते समय वह गिरकर घायल हो गए। बताया कि प्लांट के चारों ओर सैकड़ों बीघा जमीन पर गेहूं की फसल पकी खड़ी है। गनीमत रही कि बॉयलर की कैप खेतों में गिरने के बाद फसलों में आग नहीं लगी, वरना हादसा बड़ा हो सकता था।

संभल की शाही मस्जिद अब जुमा मस्जिद कही जाएगी

संभल, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। संभल के विवादित जामा मस्जिद का नाम बदलकर जुमा मस्जिद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा वहां बोर्ड भी लगाया जाएगा। एएसआई ने बताया है कि ऐतिहासिक स्थल अब शाही जामा मस्जिद नहीं बल्कि जुमा मस्जिद के नाम से जाना जाएगा। इसके लिए जल्दी ही बोर्ड भी लगेगा। इस विवादित ढांचे का मामले इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कुछ दिन पहले ही हाईकोर्ट ने इसकी रंगाई-पुताई का आदेश दिया था। जिसके बाद मस्जिद कमेटी ने मस्जिद की बाहरी दीवारों पर रंगाई कराई थी।

एएसआई ने इस मस्जिद के संरक्षित स्मारक की पहचान स्पष्ट करने के लिए फैसला किया है। इसके लिए नीले रंग का नया बोर्ड बनकर तैयार भी हो चुका है। जानकारी के अनुसार जल्दी ही एएसआई की टीम विवादित स्थल के बाहर ये बोर्ड लगवा देगी। वहीं एएसआई द्वारा लगाए जा रहे इस बोर्ड के पीछे वजह ये है कि अब इस सम्पत्ति की पहचान हो गई है। नीले रंग के बोर्ड से न केवल औपचारिक पहचान होती है बल्कि आम जनता को भी स्पष्ट संदेश है कि यह इमारत एएसआई के अधीन संरक्षित स्मारक है। अब ऐसे में इस विवादित स्थल की पूरी निगरानी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाएगा।

विवादित स्थल के नाम बदलने वाला बोर्ड पुलिस चौकी में रखा गया है। ये वहीं पुलिस चौकी है जो मस्जिद के पास ही बनाई जा रही है। इस बोर्ड में जामा मस्जिद की जगह जुमा मस्जिद बताया गया है। इसके साथ ही इस बोर्ड पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संरक्षित स्मारक, जुमा मस्जिद, संभल। यानी एएसआई भी लिखा हुआ है। संभल विवादित स्थल का मामला तब सामने आया जब बीते साल 19 नवंबर 2024 को हिंदू पक्ष द्वारा संभल के चंदौसी कोर्ट में इस बात का दावा किया गया था कि संभल स्थित शाही जामा मस्जिद दरअसल श्री हरिहर मंदिर है। जिसके बाद मामला बढ़ना शुरू हुआ। मस्जिद का सर्वे होने के दौरान माहौल तनावपूर्ण होता चला गया। धीरे-धीरे मामला बढ़ता चला गया और भारी भीड़ ने पथराव और फायरिंग शुरू की। इसी हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों गाड़ियां फूंक दी गई।

किसान नेता समेत बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या

फतेहपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगलवार की सुबह तिहरी हत्याकांड को अंजाम दिया गया। यहां एक किसान नेता, उनके बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से स्थानीय लोग नाराज हो गए और जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को शव उठाने से रोक दिया। पुलिस ने नाराज लोगों को समझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

फतेहपुर के हथगाम थाना क्षेत्र के तहिरापुर चौराहे के पास हत्या की सनसनीखेज वारदात हुई है। हत्याकांड को अंजाम देने के लिए बदमाश हथियारों ने लैस होकर ट्रैक्टर से पहुंचे थे। अपराधियों ने बाइक सवार किसान नेता पप्पू सिंह (50), उनके बेटे अभय सिंह (22) और छोटे भाई रिंकू सिंह (40) को गोलियों से भून डाला। मृतक किसान नेता की मां रामदुलारी सिंह वर्तमान में ग्राम प्रधान हैं। दिनदहाड़े हुई तीन लोगों की हत्या की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। सभी कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे।

ट्रिपल मर्डर की सूचना पाकर हथगाम के साथ ही हुसेनगंज और सुल्तानपुर घोष थाने की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने बुझाने में जुट गई। हालांकि, लोगों ने उन्हें शव उठाने से रोक दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, तब शव उठाने दिया जाएगा। गांव के ही पूर्व प्रधान मुन्नू सिंह और उनके साथियों द्वारा हत्याकांड को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

किराए के खातों में पहुंच रही थी साइबर ठगी की रकम

यूपी से लेकर बंगाल तक फैले नेटवर्क का पर्दाफाश

बरेली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली में पुलिस ने साइबर ठगों के गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर कराने के लिए किराये पर बैंक खाते उपलब्ध कराता था। पुलिस ने सात जालसाजों को पकड़ा है। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

बरेली के इज्जतनगर थाना पुलिस ने साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का खुलासा किया है। सात जालसाजों को गिरफ्तार करके उनके पास से काफी सामान बरामद किया है। पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया। इज्जतनगर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव परेवा निवासी वीरेंद्र लखनऊ के बुद्ध विहार में रहकर गिरोह चला रहा था। पुलिस ने वीरेंद्र को गिरफ्तार करने के साथ ही उसके साथी थाना नवाबगंज के आदर्श कालोनी भट्ठा मोहल्ला निवासी दीपक कुमार व रोहित कुमार, गांव मुल्लापुर निवासी रिजवान, इज्जतनगर के धौरेरा माफी निवासी अनुज कुमार, पीलीभीत के थाना जहानाबाद के गांव बसंतपुर निवासी जीशान, ललौरीखेड़ा निवासी विजयपाल को भी पकड़ लिया।

इंस्पेक्टर ने बताया कि जालसाजों से नौ मोबाइल फोन, दो सिमकार्ड, सात डेबिट कार्ड, सात आधार कार्ड, सात फर्जी आधार कार्ड, एक चेकबुक और सात पर्चियां बरामद की गई हैं। जालसाज अपने सरगना वीरेंद्र से कमीशन की रकम लेने के लिए इकट्ठा हुए थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। इज्जतनगर थाने में गिरोह के खिलाफ आईटी एक्ट, कूटरचना और धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार साइबर ठग ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। इंस्पेक्टर नीरज सिंह की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह ग्रामीणों को लालच देकर उनके नाम से अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाते थे। फिर ग्रामीणों से खाते का डेबिट कार्ड, पासबुक और खाते से लिंक सिम कार्ड ले लेते थे। यह सभी चीजें गिरोह के सदस्य अपने सरगना वीरेंद्र को देते थे।

वीरेंद्र लखनऊ में बैठकर इन्हें कोरियर से कोलकाता में बैठे साइबर ठगों को देता था। वहीं से साइबर ठग इन खातों जरिये ठगी करते व इनमें रकम ट्रांसफर करवाते थे। रकम आने पर ठग रकम निकाल लेते थे और वीरेंद्र को 20 फीसदी कमीशन देते थे। वीरेंद्र इस कमीशन में से दस फीसदी हिस्सा खाते खुलवाने वाले अपने गुर्गों को देता था। गुर्गे मामूली रकम खाताधारक तक पहुंचाते थे।

जब ठग किसी को झांसे में लेकर खाते में रुपए ट्रांसफर कराते हैं तो पीड़ित ऑनलाइन साइबर क्राइम पोर्टल या पुलिस से शिकायत करते हैं। शिकायत के बाद सबसे पहले खाते को ट्रेस किया जाता है। पकड़े जाने के डर से साइबर ठग कमीशन पर या किराये पर खाते लेते हैं। इन खातों का संचालन अपने हाथ में लेकर उनमें ठगी की रकम डलवाते और निकालते हैं। जब पुलिस खातों की जांच करती है तो फंसता वह है जिसका वास्तव में खाता होता है। पिछले दिनों साइबर ठगी के एक मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने इज्जतनगर क्षेत्र में दबिश दी थी। पुलिस ने महलऊ निवासी साकिब, रहपुरा चौधरी निवासी रिजवान अहमद और सीबीगंज के भिंडौलिया निवासी रिफाकत को गिरफ्तार किया था। तीनों पर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने का आरोप था। माना जा रहा है कि तभी से इज्जतनगर पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में थी, जिसमें सफलता मिल गई। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि सभी सात आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। साक्ष्य मिले तो ठग मंडली पर और बड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है।

अप्रैल के पहले सप्ताह में हुई एक लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से हो रही गेहूं खरीद

लखनऊ, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में पहली बार अप्रैल के पहले सप्ताह में ही एक लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीद हुई। इस वर्ष मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से गेहूं खरीद सुनिश्चित की गई। अब तक 20409 किसानों से गेहूं खरीद हो चुकी है। वहीं कुल 3.56 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है। गेहूं खरीद 15 जून तक चलेगी।

गेहूं की अच्छी ख़रीद हो, इसके लिए कटाई के पहले से ही गांव गांव जाकर किसानों से संपर्क साधा गया और उन्हें सरकारी क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए प्रेरित किया गया। पंजीकरण एवं सत्यापन की व्यवस्था में व्यापक सुधार भी किया गया। खाद्य व रसद विभाग पहली बार मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से किसान के खेत तक पहुँचा। एक तरफ़ कटाई चल रही है तो वहीं गेहूं मौके पर तौला जा रहा है। योगी सरकार ने व्यवस्था की कि पंजीकृत किसान सत्यापन के बिना 100 क्विंटल तक गेहूं बेच सकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दे रखा है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिए जाएं।

गेहूं की बिक्री के लिए पहली मार्च से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। अब तक प्रदेश के 3.56 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य और रसद विभाग के पोर्टल या विभाग के मोबाइल ऐप पर पंजीकरण-नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़, धूल आदि को साफ कर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं।

खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक हो रही है। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। समस्या के समाधान के लिए किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी या तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष यह मूल्य 2275 रुपए प्रति क्विंटल था। इस बार सरकार ने 150 रुपए प्रति क्विंटल में वृद्धि की है। खाद्य विभाग समेत आठ क्रय एजेंसियों के द्वारा कुल 5780 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। खाद्य व रसद विभाग ने गेहूं के मूल्य भुगतान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से सीधे किसानों के आधार लिंक खाते में 48 घंटे के अंदर करने की व्यवस्था बनाई है।

योगी सरकार ने अन्नदाता किसानों के हित के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। योगी सरकार में 2017-18 से 2024-25 के बीच 233.99 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई। इस दौरान 49,69,576 किसानों को 43424.44 करोड़ रुपए (साढ़े तीन गुना) भुगतान भी किया गया। वहीं 2012 से 2017 के बीच बिचौलियों का बोलबाला रहा। इस दौरान सरकार महज 94.38 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद सकी और किसानों को 12,808 करोड़ रुपए का ही भुगतान किया गया

सुजुकी मोटर्स में 500 पदों पर 10वीं पास युवकों की भर्ती होगी

लखनऊ, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत उत्तर प्रदेश सरकार लगातार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने में जुटी है। इसी क्रम में सुजुकी मोटर्स, हंसलपुर (गुजरात) द्वारा 11 अप्रैल 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में एक दिवसीय कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है।

संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि इस ड्राइव के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को 'लर्न एंड अर्न प्रोग्राम' के तहत मासिक 15,067 रुपये मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही चयनित युवाओं को प्रशिक्षण के उपरांत दो वर्षों का आईटीआई एनसीवीटी प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्लेसमेंट अफसर एमए खां ने बताया कि इस कैम्पस ड्राइव में वही अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं जिन्होंने हाईस्कूल (अंग्रेजी, गणित व विज्ञान विषयों सहित) न्यूनतम 40% अंकों के साथ पास किया हो। आवेदक की आयु 11 अप्रैल 2025 को 18 से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह अवसर केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा समस्त शैक्षिक प्रमाणपत्रों की मूल एवं छायाप्रति के साथ 11 अप्रैल, 2025 को प्रातः 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ के प्लेसमेंट हॉल में उपस्थित हो सकते हैं।

यह पहल न केवल युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी कदम है, बल्कि उन्हें कौशल विकास और औद्योगिक अनुभव का भी अवसर देती है। उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को स्वावलंबी और प्रशिक्षित बनाया जाए।

लखनऊ ने कोलकाता को चार रनों से हराया, रहाणे का अर्धशतक और रिंकू की कोशिश गई बेकार

कोलकाता, 08 अप्रैल (एजेंसियां) । कप्तान अजिंक्य रहाणे के अर्धशतक और रिंकू सिंह की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए थे। जवाब में केकेआर की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी। रहाणे ने 35 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 61 रन बनाए, जबकि रिंकू ने 15 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 38 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने क्विंटन डिकॉक का विकेट जल्दी गंवा दिया था जो 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सुनील नरेन और रहाणे ने दूसरे विकेट के लिए 50+ रनों की साझेदारी की। हालांकि, दिग्वेश राठी ने नरेन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नरेन 13 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रहाणे इसके बाद भी नहीं रुके और उन्होंने 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। रहाणे और वेंकटेश अय्यर जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि केकेआर शायद इस विशाल लक्ष्य को हासिल कर सकती है, लेकिन शार्दुल ने रहाणे को आउट कर केकेआर को बड़ा झटका दिया।

रहाणे के आउट होने के बाद केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और उसने रमनदीप (1), अंगकृष रघुवंशी (5), वेंकटेश अय्यर (45) और आंद्रे रसेल (7) के विकेट गंवाए। केकेआर के लिए इसके बाद लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल लग रहा था, लेकिन रिंकू ने अंतिम ओवरों में धमाल मचाया। केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 24 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम 20 रन ही बना सकी। इस तरह लखनऊ ने यह मुकाबला अपने नाम किया। केकेआर के लिए हर्षित राणा 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ की ओर से आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आवेश खान, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला।

न्यूज़ ब्रीफ

विराट कोहली टी20 में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बने

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए एक अहम मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज़ विराट कोहली ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलते हुए कोहली टी20 क्रिकेट में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए हैं। दुनिया के पांचवें बल्लेबाज़ बने विराट कोहली स उपलब्धि के साथ कोहली टी20 क्रिकेट में 13,000 रन बनाने वाले दुनिया के केवल पांचवें बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (14562 रन), इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स (13610 रन), पाकिस्तान के शोएब मलिक (13557 रन) और वेस्टइंडीज के ही कीरोन पोलार्ड (13537 रन) कर चुके हैं। औसत और स्ट्राइक रेट में भी कोहली का जलवा 36 वर्षीय विराट कोहली का टी20 क्रिकेट में औसत करीब 42 का है और उनका स्ट्राइक रेट 134 का है। उन्होंने अब तक 9 शतक और 98 अर्धशतक जड़े हैं, जो इस फॉर्मेट में किसी भी बल्लेबाज़ की निरंतरता का प्रमाण है। आईपीएल में भी हैं रन मशीन मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस मुकाबले से पहले विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। उन्होंने अब तक 256 मैचों में 8111 रन बनाए हैं, उनका औसत 38.81 और स्ट्राइक रेट 132.01 का है। टी20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़: क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) – 14562 रन, एलेक्स हेल्स (इंग्लैंड) – 13610 रन, शोएब मलिक (पाकिस्तान) – 13557 रन, कीरोन पोलार्ड (वेस्टइंडीज) – 13537 रन, विराट कोहली (भारत) – 13000* रन है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने भुवनेश्वर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए आईपीएल में खेल रहे भुवनेश्वर कुमार ने एक इतिहास रच दिया है। भुवनेश्वर आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भुवनेश्वर ने वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया है, जो लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेथ बॉलिंग एक्सपर्ट रहे थे। अब वे आईपीएल में नहीं खेलते हैं। भुवनेश्वर को सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में एक विकेट मिला। भुवनेश्वर ने तिलक वर्मा को आउट किया और इसके साथ वे आईपीएल के इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बन गए। भुवनेश्वर ने 179वें मैच में 184वां विकेट आईपीएल में लिया। इससे पहले ब्रावो ने 161 मैचों में 183 विकेट अपने नाम किए थे। भुवनेश्वर ने मुंबई के खिलाफ 4 ओवर में 48 रन दिए, लेकिन 18वें ओवर में तिलक को आउट करके उन्होंने आरसीबी की जीत पक्की कर दी थी। आईपीएल में बतौर तेज गेंदबाज सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब भुवनेश्वर के नाम है, जबकि सूची में दूसरे नंबर पर ड्वेन ब्रावो हैं और तीसरे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने 122 मैचों में 170 विकेट लिए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह का चौथे नंबर पर आते हैं। वे 134 मैचों में 165 विकेट अब तक ले चुके हैं। वहीं, पांचवें नंबर पर उमेश यादव हैं।

विल पुकोव्स्की ने 27 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल पुकोव्स्की ने महज 27 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। बार-बार सिर में चोट (कंकशन) लगने के कारण उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा। पुकोव्स्की ने मेलबर्न के एक रेडियो शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी निराशा बताया। एक टेस्ट का सपना और असमय अंत विल पुकोव्स्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में लंबे समय तक ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन कंकशन की लगातार समस्याओं ने उनके करियर को समय से पहले ही खत्म कर दिया। उनका आखिरी मैच मार्च 2024 में तस्मानिया के खिलाफ शैफील्ड शील्ड में था, जहां राइली मेरेडिथ की बाउंसर से उन्हें गंभीर चोट लगी थी। मेडिकल पैनल की सिफारिश और लंबा संघर्ष पिछले साल एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने पुकोव्स्की के करियर और भविष्य को देखते हुए उन्हें संन्यास की सिफारिश की थी। बताया गया कि पुकोव्स्की अब तक मिड-टीन्स (करीब 15 बार) कंकशन का शिकार हो चुके हैं।

पंजाब ने चेन्नई को 18 रन से हराया, प्रियांश आर्या और शशांक सिंह के बाद फर्ग्यूसन चमके

मुल्लांपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां) । पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में जीत की पटरी पर लौट गई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पंजाब को 18 रनों से जीत मिली। पावरप्ले में ही टीम के 3 विकेट गिर चुके थे। टॉप-6 में से 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। इसके बाद भी प्रियांश आर्या के शतक की मदद से पंजाब ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 219 रन बनाए। चेन्नई 5 विकेट पर 201 रन बना पाई। महेंद्र सिंह धोनी ने 12 गेंदों पर 27 रनों की पारी खेली।

सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने 39 गेंद पर आईपीएल इतिहास का चौथा सबसे तेज शतक जड़ा। उन्होंने 42 गेंद में नौ छक्कों और सात चौकों से 103 रन की पारी खेली। प्रियांश ने शशांक सिंह (नाबाद 52) के साथ उस समय छठे विकेट के लिए 34 गेंद में 71 रन की साझेदारी की जब टीम 83 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी। शशांक ने इसके बाद मार्को यानसेन (नाबाद 34) के साथ सातवें विकेट के लिए 65 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

शशांक ने 36 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके मारे जबकि यानसेन ने 19 गेंद का सामना करते हुए दो छक्के और दो चौके जड़े। सुपरकिंग्स के गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। खलील अहमद ने 45 जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 48 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। मथीशा पथिराना ने चार ओवर में 52 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन तीसरे ओवर तक ही प्रभसिमरन सिंह (00) और कप्तान श्रेयस अय्यर (09) के विकेट गंवा दिए। प्रभसिमरन दूसरे ओवर में मुकेश चौधरी की गेंद को विकेटों पर खेल गए जबकि अगले ओवर में खलील ने अय्यर को भी बोल्ड कर दिया।प्रियांश ने मैच की पहली गेंद पर खलील पर छक्का जड़ा। प्रियांश ने इसी ओवर में एक और छक्का जड़ा।

उन्होंने मुकेश पर भी छक्का और फिर लगातार तीन चौके मारे। खलील ने मार्कस स्टोइनिस (04) को डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराके पंजाब को तीसरा झटका दिया। प्रियांश ने अश्विन पर छक्के के साथ सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। अश्विन ने अपने अगले ओवर में निहाल वढेरा (09) और ग्लेन मैक्सवेल (01) को आउट करके पंजाब किंग्स का स्कोर पांच विकेट पर 83 रन किया।

प्रियांश ने 13वें ओवर में पथिराना पर लगातार तीन छक्कों और एक चौके के साथ सिर्फ 39 गेंद में आईपीएल इतिहास का चौथा सबसे तेज शतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में नूर की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर विजय शंकर को कैच दे बैठे। शशांक को यानसेन के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। शशांक ने नूर जबकि यानसेन ने पथिराना पर छक्का जड़ा। यानसेन ने पथिराना के पारी के अंतिम ओवर में भी छक्का जड़ा जबकि शशांक ने अंतिम गेंद में तीन रन के साथ 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज़ के लिए ज़िम्बाब्वे टीम में सीन विलियम्स और क्रेग एर्विन की वापसी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां) । **ज़िम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए सोमवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग एर्विन की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी फरवरी में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए पिछले टेस्ट मुकाबले से बाहर रहे थे। विलियम्स पीठ की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, जबकि एर्विन व्यक्तिगत कारणों से अंतिम समय पर हट गए थे।**

तीन बदलावों के साथ घोषित हुई टीम ज़िम्बाब्वे ने टीम में तीन बदलाव किए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ तफाद्ज़वा त्सिगा की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना डेब्यू वेस्टइंडीज़ के खिलाफ किया था। उन्हें जॉयलॉर्ड गुम्बी की जगह शामिल किया गया है।

वेलिंगटन मसाकाड्ज़ा की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अब तक तीन टेस्ट खेले हैं और आखिरी बार वेस्टइंडीज़ दौरे पर नजर आए थे। उन्हें न्यूमैन न्यामहुरी की जगह टीम में लिया गया है।

काइटानो बाहर, मदेवेरे को बरकरार रखा गया

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ तकुजवानाशे काइटानो को इस सीरीज़ के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह वेस्ली मदेवेरे को स्क्वॉड में बरकरार रखा गया है। गौरतलब है कि एर्विन की अनुपस्थिति में मदेवेरे को आयरलैंड टेस्ट में आखिरी वक्त पर टीम में शामिल किया गया था।

कहां और कब होंगे मैच

ज़िम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ क्रमश: सिलहट (20–24 अप्रैल) और चटगांव (28 अप्रैल–2 मई) में खेली जाएगी। यह ज़िम्बाब्वे का बांग्लादेश दौरे पर पहला टेस्ट सीरीज़ होगा, पिछली बार दोनों टीमों के बीच फरवरी 2020 में ढाका में एकमात्र टेस्ट खेला गया था।

सॉकर फुटबॉल प्रीमियर लीग

ब्रिटेन के लीसेस्टर में किंग पावर स्टेडियम में सॉकर फुटबॉल प्रीमियर लीग लीसेस्टर सिटी बनाम न्यूकैसल यूनाइटेड के दौरान न्यूकैसल यूनाइटेड के जैकब मर्फी ने लीसेस्टर सिटी के मैड्स हर्मानसेन को छकाते हुए अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया।

श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

हरमनप्रीत की वापसी, काश्वी गौतम को पहली बार मिला मौका

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां) । **भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज श्रीलंका में खेली जाएगी, जिसमें भारत, मेज़बान श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें हिस्सा लेंगी। इस स्क्वॉड में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी हुई है, जिन्हें आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आराम दिया गया था।**

टीम में सबसे अहम नाम काश्वी गौतम का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल हुई विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 विकेट झटके थे और शिखा पांडे के साथ संयुक्त रूप से भारतीय गेंदबाजों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं। काश्वी तेज़ गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में तेज़ बल्लेबाजी करने की क्षमता भी रखती हैं, जिससे उन्हें यह मौका मिला।

टीम से बाहर होने वालों में रेनुका सिंह ठाकुर, पूजा वस्त्रकार और तितास साधु जैसी तेज़ गेंदबाज़ शामिल हैं, जो फिलहाल चोटिल हैं। वहीं शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ शेफाली वर्मा को एक बार फिर चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है। टीम में दो और नए नामों को भी शामिल किया गया है। बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चारनी और शुचि उपाध्याय। शुचि को पिछले साल सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया था। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 27 अप्रैल को भारत बनाम श्रीलंका मुकाबले से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 11 मई को खेला जाएगा। हर टीम को लीग चरण में चार मुकाबले खेलने होंगे और टॉप दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी।

भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काश्वी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसबनीस, श्री चारनी, शुचि उपाध्याय।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन, आंध्र प्रदेश 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान पर

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां) । लुधियाना के सराभा नगर स्थित लीज़र वैली स्केटिंग रिंग में पांच दिवसीय राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हो गया।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत के पंजाब चैप्टर की इस प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश ने 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

यह टूर्नामेंट स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स 2027 की तैयारियों का हिस्सा था और इसका उद्देश्य बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त खिलाड़ियों के लिए जागरुकता फैलाना और उन्हें उच्च स्तर के मंच प्रदान करना था।

चैंपियनशिप के समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा और लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की।

डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, यह चैंपियनशिप केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं बल्कि समावेशन, गरिमा और हर खिलाड़ी की प्रतिभा को सम्मान देने का जरिया है। यहां हर कोई जुनून, आत्मविश्वास और समुदाय की भावना से जीतता है। उन्होंने पंजाब के एरिया डायरेक्टर परमजीत सचदेवा का धन्यवाद करते हुए कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की ओर बढ़ें, जहां हर खिलाड़ी को उसका हक़ और पहचान मिले। 2027 के स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स की दिशा में यह पहला कदम है।

इस प्रतियोगिता में कुल 110 खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें 63 पुरुष और 47 महिला एथलीट शामिल थे। खिलाड़ी आठ अलग-अलग इवेंट्स – 30 मीटर स्ट्रेट, 30 मीटर स्लैलम, 100 मीटर, 300 मीटर, 500 मीटर, 1000 मीटर, रिले 2×200 मीटर और रिले 2×100 मीटर में उतरे। प्रतियोगिता में लगभग 60 कोच, स्वयंसेवक और अन्य स्टाफ ने भाग लिया।

पदक तालिका शीर्ष राज्यवार

- आंध्र प्रदेश – 18 पदक (6 स्वर्ण, 5 रजत, 7 कांस्य)
- गोवा – 15 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत, 7 कांस्य)
- हरियाणा – 15 पदक (7 स्वर्ण, 5 रजत, 3 कांस्य)
- गुजरात – 14 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत, 6 कांस्य)
- पंजाब – 13 पदक (6 स्वर्ण, 4 रजत, 3 कांस्य)
- चंडीगढ़ – 11 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत, 3 कांस्य)
- दिल्ली – 11 पदक (6 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य)
- हिमाचल प्रदेश – 11 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत, 5 कांस्य)।
- महाराष्ट्र – 11 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य)
- केरल – 8 पदक (1 स्वर्ण, 5 रजत, 2 कांस्य)।

जरूरत पड़ने पर म्युचुअल फंड पर आसानी से मिल जाता है सस्ता लोन

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड्स बेचकर पैसों का इंतजाम करना एक आसान लगता है। लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान भी देखा गया है। ऐसे में एक सरल और आसान विकल्प म्युचुअल फंड्स पर लोन लेना भी है। इसमें निवेशक को अपने म्युचुअल फंड्स बेचने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि वह उन्हें मॉर्गेज कर नकदी हासिल कर सकता है। यानी, म्युचुअल फंड पर लोन लेकर आप न केवल अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं, बल्कि आपका निवेश भी बना रहता है और लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन की राह में कोई रुकावट नहीं आती।

आपका निवेश भी बना रहता है और लांग टर्म वेल्थ क्रिएशन में कोई रुकावट नहीं आती

म्युचुअल फंड पर लोन एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक अपने म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। सेबी में एक रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार कहते हैं, जब भी पैसों की कमी होती है, खासकर शॉर्ट टर्म जरूरतों में, तब म्युचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन लिया जा सकता है। यह आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को रिडीम करने से कहीं बेहतर विकल्प है। म्युचुअल फंड में निवेश आमतौर पर लॉन्ग टर्म जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है, इसलिए इन्हें छोटी अवधि की कैश जरूरतों के लिए रिडीम करना सही स्ट्रैटेजी नहीं है। ऐसी स्थितियों में म्युचुअल फंड पर लोन उठाना एक बेहतर प्रैक्टिकल सॉल्यूशन नजर आता है। इस तरह के फाइनेंस विकल्प पर ब्याज दर आमतौर पर क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में कम होती है, क्योंकि यह एक सुरक्षित लोन होता है जो आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर लिया जाता है।

न्यूज़ब्रीफ

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग बढ़कर 10,163 करोड़ हुई, सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना

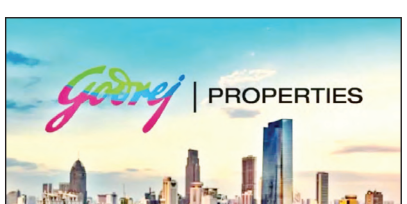

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में बिक्री बुकिंग वार्षिक आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की बिक्री बुकिंग (प्री-सेल्स) 31 प्रतिशत बढ़कर 29,444 करोड़ रुपये रही। करीब 30,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ गोदरेज प्रॉपर्टीज के 2024-25 में बिक्री बुकिंग के मामले में सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से डीएलएफ भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग मूल्य के लिहाज से सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के अनुसार यह गोदरेज प्रॉपर्टीज द्वारा हासिल किया गया अब तक का सबसे अधिक तिमाही बुकिंग मूल्य है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु आवासीय बाजार में उसकी मजबूत उपस्थिति है। इसने हाल ही में हैदराबाद में प्रवेश किया है।

वेदांता को वैश्विक साझेदार की तलाश कंपनी अगले तीन वर्षों में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी

नई दिल्ली। खनन कंपनी वेदांता विभिन्न क्षेत्रों में अपनी 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं के लिए वैश्विक साझेदार की तलाश कर रही है। कंपनी के अनुसार यह कदम वेदांता की रणनीतिक योजना के अनुरूप है जिसके तहत अगले तीन वर्षों में वह अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी। इसके तहत कंपनी अपने कारोबार का चार इकाइयों वेदांता एल्युमीनियम, तेल एवं गैस, बिजली और लोहा एवं इस्पात में पुनर्गठन करेगी। जानकारी के अनुसार हम एक अनुभवी वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी की तलाश कर रहे हैं जिसे इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण प्रबंधन (ईपीसीएम) में अनुभव हो और जो हमारी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए हमारे लिए एक विस्तारित कार्यालय के रूप में कार्य कर सके। कंपनी ने कहा कि वह अगले तीन वर्षों में धातु, खनन और हाइड्रो कार्बन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। ये परियोजनाएं इसके मौजूदा परिचालन का विस्तार है। इच्छुक कंपनियों को अपने प्रासंगिक अनुभव, 'प्रोफाइल' और वर्तमान में जारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके लिए 30 अप्रैल तक आवेदन दिया सकते है। वेदांता के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने पहले कहा था कि विभाजन अंतिम चरण में है। इसके इस वर्ष जून-जुलाई माह में पूरा होने की उम्मीद है।

एफडीआई प्रतिबंधित क्षेत्र में भारतीय कंपनियां विदेशी शेयरधारकों को दे सकती हैं बोनस शेयर

नई दिल्ली। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रतिबंधित क्षेत्र में काम कर रही कोई भी भारतीय कंपनी अपने पहले से मौजूद अनिवासी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर सकती है। यह निर्देश उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी किया गया है। बोनस शेयर जारी करते समय, सभी कानूनी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। डीपीआईआईटी के स्पष्टीकरण के अनुसार, इस नियम के तहत एफडीआई प्रतिबंधित क्षेत्रों में काम कर रहीं भारतीय कंपनियों को अपने विदेशी शेयरधारकों को बोनस शेयर देने की अनुमति है, अगर उनकी शेयरधारिता में कोई बदलाव न हो। एफडीआई का महत्व इसलिए है क्योंकि इससे भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। विदेशी निवेशकों के लिए कुछ क्षेत्रों में सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होती है, जैसे दूरसंचार, मीडिया, दवा और बीमा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस का...

पार्टी से निकाल दिया गया था। तुषार गोयल को पार्टी से क्यों निकाला गया, इस बारे में कांग्रेस ने कोई सफाई नहीं दी थी। तब भाजपा के नेता भी बात-बहादुरी के मैदान में कूद पड़े थे। कोई कुछ बोल रहा था, कोई कुछ। लेकिन जब ऊपर में मामला सेट हो गया तो भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध ली। अब कोई कुछ भी नहीं बोल रहा।

ड्रग्स का यह अंतरराष्ट्रीय रैकेट दिल्ली के पॉश इलाके वसंत विहार से चल रहा था। भारत में रैकेट संचालित करने वाला तुषार गोयल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ-साथ सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा इकाई के प्रमुख उदय भान सहित कई प्रमुख नेताओं के साथ जुड़ा था। बरामद की गई कोकीन दुबई से विभिन्न बंदरगाहों पर आई और सड़क मार्ग से दिल्ली लाई गई थी। हाइड्रोपोनिक मारिजुआना थाईलैंड के फुकेत से आया था। तुषार गोयल ने जांच एजेंसियों से बचने के लिए ट्रांजैक्शन क्रिप्टोकरेंसी में किया था। ड्रग्स तस्करी की आय का बड़ा हिस्सा बड़े लोगों तक पहुंचता था। इसी एवज में उसे राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त था। इसी बड़ी पहुंच में तुषार गोयल दुबई के एक व्यवसायी के साथ-साथ कुख्यात डी-कंपनी के साथ सीधे सम्पर्क में था।सिंडिकेट का नेटवर्क कोलंबियाई ड्रग कार्टेल के साथ भी जुड़ा था। इसी कोलंबियन कार्टेल के बिग-बॉस की बेटी वेरोनिक कार्टेली उर्फ जुनीता के साथ-साथ स्पैनिश अभिनेत्री एवं शीर्ष स्तर की राजनीतिक-दलाल नथालिया रामोस नाम भी सामने आया था। दुर्भाग्य से, भारत की ओर से इस गंभीर मामले की जांच में संदिग्ध चुप्पी सधी है। देश के मीडिया संस्थान भी इस मामले की अनदेखी करने और इसे दबाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इस बड़े पैमाने पर नार्को-रैकेट के पीछे राजनेताओं और व्यापारियों सहित बेहद शक्तिशाली लोग शामिल हैं। गिरफ्तार तुषार गोयल को हिरासत में वीवीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है और उससे ठीक से पूछताछ करने और उसके बॉस और इस कार्टेल के अन्य सदस्यों का नाम पता लगाने की कोई वास्तविक कोशिश नहीं की जा रही है।इस मामले में पंजाब के अमृतसर हवाई अड्डे से जितेंद्र पाल सिंह उर्फ जस्सी को भी गिरफ्तार किया गया था, जो ब्रिटेन भागने की फिराक में था। इस गिरफ्तारी से ड्रग्स कार्टेल के अंतरराष्ट्रीय लिंक पुख्ता हुए थे। जस्सी पिछले 17 साल से ब्रिटेन में स्थायी निवासी के रूप में रह रहा था। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। भारत पहुंचे ड्रग्स के विशाल कन्साइनमेंट का संचालन देखने के लिए ही वह भारत आया था। इसी ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े वीरेंद्र बसोया का भी नाम सामने आया था। बसोया दुबई में रहता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसका मूवमेंट होता रहता है। बसोया के राजनेताओं और बड़े लोगों से सीधे लिंक हैं। महाराष्ट्र के पुणे की पुलिस ने दिल्ली में कई स्थानों से जो 3,000 करोड़ रुपए मूल्य की नशीली दवाएं जब्त की थीं, उसमें भी बसोया के लिंक सामने आए थे। बसोया ने अपने बेटे की शादी उत्तर प्रदेश के एक ताकतवर नेता (पूर्व विधायक) की बेटी से कराई थी। दिल्ली एयरपोर्ट के पास आलीशान फार्म हाउस में हुई इस शादी में तमाम बड़ी हस्तियां मौजूद थीं। बसोया को गिरफ्तार करने या दुबई से उसे भारत लाने के प्रयास के बारे में कभी सुना आपने? कभी नहीं। गृह मंत्रालय यह प्रयास कर ही नहीं रहा तो आप सुनेंगे कैसे...

33 लाख करोड़ ...

अगर आप सभी अमीरों का जोड़ भी दें तो भी उन्हें 33 लाख करोड़ रुपए नहीं मिले होंगे। 33 लाख करोड़ रुपए देश के सामान्य लोगों को दिए गए हैं। आज भारत के युवा, उनके पास जो इंटरप्रेन्योर स्किल है, अगर उन्हें थोड़ी सी मदद मिल जाए तो बहुत बड़े परिणाम मिलते हैं। ये मुद्रा योजना किसी भी सरकार के लिए आंख खोलने वाली है। इसमें सबसे ज्यादा महिलाएं आगे आई हैं।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 10 वर्षों में 32.61 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 52 करोड़ से अधिक लोन दिए गए हैं। इस योजना से देशभर में उद्यमिता क्रांति को बढ़ावा मिला है। इससे व्यापार वृद्धि अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह छोटे शहरों और गांवों तक फैल रही है, जहां पहली बार उद्यमी अपने भाग्य की बागडोर संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल 2015 को की गई थी। तब से दस वर्षों के दौरान 32.61 लाख करोड़ रुपए के 52 करोड़ से ज्यादा लोन स्वीकृत किए गए हैं। यही वजह है कि लोग अब नौकरी चाहने वाले नहीं रह गए हैं, बल्कि वे नौकरी देने वाले बन रहे हैं। इस योजना से छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इस योजना से पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन भी मिला है।

एसकेओसीएच की आउटकम्स ऑफ मोदीनॉमिक्स 2014-24 की रिपोर्ट के मुताबिक 2014 से हर साल औसतन कम से कम 5.14 करोड़ व्यक्ति वर्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिसमें अकेले पीएमएमवाई ने 2014 से प्रति वर्ष औसतन 2.52 करोड़ स्थिर और टिकाऊ रोजगार जोड़े हैं। इस परिवर्तन का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर है, जिसे पीएम मुद्रा योजना के तहत अत्यधिक लाभ हुआ है और 20,72,922 मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिली और 70 फीसदी से अधिक लोन महिला उद्यमियों के द्वारा लिए गए हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ी है। इसके साथ ही लैंगिक समानता में योगदान मिला है। पीएम मुद्रा योजना के तहत पिछले नौ वर्षों में प्रति महिलाओं को दिए जाने वाले लोन राशि 13 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 62,679 रुपए हो गई। वहीं, प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि 14 फीसदी की सीएजीआर से बढ़कर 95,269 रुपए हो गई।

एसबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 वर्षों में पीएम मुद्रा योजना ने 52 करोड़ से अधिक लोन खाते खोलने में मदद की है, जो उद्यमशीलता गतिविधि में भारी उछाल को दर्शाता है। पीएम मुद्रा योजना के तहत किशोर लोन (50,000 से 5 लाख रुपए), जो बढ़ते व्यवसायों का समर्थन करते हैं, वित्त वर्ष 2016 में 5.9 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 44.7 फीसदी हो गए हैं, जो छोटे उद्योगों की वास्तविक प्रगति को दर्शाता है। तरुण श्रेणी (5 लाख से 10 लाख रुपए) भी तेजी से आगे बढ़ रही है, जो साबित करती है कि पीमए मुद्रा योजना केवल व्यवसाय शुरू करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें बढ़ाने में मदद करती है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का उद्देश्य वित्तपोषित न होने वाले सूक्ष्म उद्यमों और छोटे व्यवसायों को वित्तपोषित करना है। इस योजना से देशभर के छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इससे पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन मिला है। उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपए तक के जमानत-मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए 8 अप्रैल, 2015 में यह योजना शुरु की गई थी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लाभार्थियों को तीन श्रेणियों में शिशु (50,000 रुपए तक), किशोर (50,000 से 5 लाख रुपए तक) और तरुण (5 लाख से 10 लाख रुपए तक) लोन मिलता है।पीएम मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बात करने के दरम्यान कुछ ऐसे भी पल आए जब प्रधानमंत्री के मजाकिया अंदाज ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। पीएम मोदी ने एक लाभार्थी से पूछा कि अभी आप हर महीने कितने का काम करते हैं। लाभार्थी के थोड़ा झिझकने पर प्रधानमंत्री मोदी ने मजाकिया अंदाज में कहा, डरो मत, इनकम टैक्स वाला नहीं आएगा। वित्त मंत्री मेरे बगल में बैठे हैं। मैं उनको बताता हूं। आपके यहां पर इनकम टैक्स वाला नहीं आएगा। इस बात पर पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा।पीएम मोदी से एक लाभार्थी ने कहा, मैं आदित्य टेक लैब का संस्थापक हूं, जिसमें मैं 3-डी प्रिंटिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और रैपिड प्रोटोटाइपिंग करता हूं और थोड़ा बहुत रोबोटिक्स भी जानता हूं क्योंकि मैं मेकाट्रॉनिक का लास्ट ईयर का छात्र हूं। मैंने 2 लाख रुपए का मुद्रा लोन लिया और मैं सोमवार से शुक्रवार तक कॉलेज जाता हूं और फिर सप्ताहांत में मैं भावनगर में अपना काम करता हूं। तो अभी मैं 30,000 से 35,000 रुपए प्रति माह कमा रहा हूं। यूपी की एक महिला लाभार्थी ने पीएम मोदी से कहा, हम आपसे वादा करते हैं कि हम सब मिलकर भारत को विकसित भारत बनाएंगे। अब हमें सरकार से लाइसेंस लेने में कोई परेशानी नहीं होती। मैं बेकरी चलाती हूं। मेरा मासिक टर्नओवर 2.5 से 3 लाख रुपए है और हमारे पास 7 से 8 लोगों का स्टाफ है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा...

सूक्ष्म-उद्यमियों ने आत्मविश्वास के साथ कदम आगे बढ़ाया है, यह एक ऐसी प्रणाली के द्वारा सक्षम किया गया है, जो उनकी क्षमता में विश्वास करती है। पीएमएमवाई ने गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संस्थागत ऋण प्रदान करके इन यात्राओं का समर्थन किया है जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

पांच दोषियों को ...

सिदीबापा उर्फ यासीन भटकल, पाकिस्तानी नागरिक जिया-उर-रहमान उर्फ वकास, असदुल्ला अख्तर उर्फ हड्डी, तहसीन अख्तर उर्फ मोनू और एजाज शेख सहित पांच सदस्यों को बम कांड का दोषी ठहराया था। शहर के भीड़भाड़ वाले शॉपिंग क्षेत्र दिलसुखनगर में 21 फरवरी 2013 को दो घातक विस्फोट हुए थे। तेलंगाना हाईकोर्ट ने इस मामले के आरोपियों को मौत की सजा देने के एनआईए कोर्ट के फैसले को सही ठहराया है। मंगलवार को हाईकोर्ट ने हैदराबाद ब्लास्ट मामले में अपना अंतिम फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अख्तर, जिया-उर-रहमान, यासीन भटकल, तहसीन अख्तर और एजाज शेख को मौत की सजा सुनाई है। इन सभी पर बम धमाके करने का आरोप है। हाईकोर्ट ने कहा कि इन लोगों को इनके किए की सजा मिलनी चाहिए।

21 फरवरी 2013 को दिलसुखनगर बस स्टैंड के पास कुछ मिनटों के अंतराल में एक के बाद एक दो बम धमाके हुए थे। पहला बम धमाका बस स्टैंड के ठीक सामने हुआ था और दूसरा धमाका लगभग 150 मीटर की दूरी पर हुआ था। बम धमाका करने वाले हमलावरों ने बमों को टिफिन बॉक्स में छिपाकर रखा था। इन धमाकों में 18 लोगों की जान चली गई थी और 130 लोग घायल हो गए थे। एनआईए ने इस मामले की जांच की। जांच में पता चला कि इंडियन मुजाहिदीन नामक आतंकी संगठन का यासीन भटकल मुख्य आरोपी है। एनआईए ने यह भी बताया कि पांच और आतंकवादी भी इस हमले में शामिल थे। एनआईए ने उन सभी को कोर्ट में पेश किया। लंबी सुनवाई के बाद, एनआईए स्पेशल कोर्ट ने सभी पांच आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोषियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इस मामले का मुख्य दोषी रियाज भटकल अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। कोर्ट ने कहा कि उसे भी जल्द से जल्द पकड़कर सजा मिलनी चाहिए। यासीन भटकल जर्मन बेकरी सहित 10 आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड था। वह हैदराबाद के दिलसुखनगर में सीरियल ब्लास्ट के अलावा मुंबई लोकल, बैंगलोर, जयपुर, वाराणसी, सूरत में हुए बम धमाके का भी आरोपी है। भटकल ने तीन साथियों के साथ मिल कर 13 जुलाई 2011 को मुंबई के ओपेरा हाउस, जावेरी बजार और दादर पश्चिम में तीन सिलसिलेवार बम धमाकों को अंजाम दिया था।दिलसुखनगर बम धमाकों के पीड़ितों ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। पीड़ितों ने हाईकोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। दिलसुखनगर में मिर्ची सेंटर के मालिक के पांडू रेड्डी ने कहा कि हालांकि बहुत देर हो चुकी है, लेकिन कोर्ट के फैसले से पीड़ितों को न्याय मिलने का एहसास हुआ है। दिलसुख नगर में ही दो धमाके हुए थे। रेड्डी ने बताया कि मिर्ची सेंटर में 14 लोगों की मौत हुई थी। उनके रिश्तेदारों को भी इस धमाके में गंभीर चोटें आई थीं और उनमें से कुछ अभी भी उस सदमे से बाहर नहीं आ पाए हैं। रेड्डी परिवार के आधा दर्जन सदस्य घायल हो गए थे। इनमें से रेड्डी के साले बक्का रेड्डी को सुनने में अब भी दिक्कत आ रही है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद रेड्डी ने कहा कि 2013 में तत्कालीन राज्य सरकार और बीआरएस सरकार उन्हें न्याय दिलाने में विफल रही। सरकार ने घायलों के इलाज के बाद का खर्च उठाने का वादा किया था, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ, जिससे उन्हें खुद ही इलाज का खर्च उठाना पड़ रहा है।रेड्डी ने कहा, हम बिना किसी गलती के पीड़ित हैं। अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि फैसला निश्चित रूप से उन्हें न्याय दिलाएगा, हालांकि बहुत देर हो चुकी है। फैसले के बाद राज्य सरकार और केंद्र को जल्द से जल्द अदालत के फैसले को लागू करने की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सरकार से आतंकवादियों को तत्काल मौत की सजा देने का अनुरोध करते हुए कहा, हमें कितने साल इंतजार करना होगा। आतंकवादी अभी भी जेल में बंद हैं और सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं और उन्हें विस्फोटों में निर्दोष लोगों की हत्या करने के अपने बर्बर कृत्य का कोई पछतावा नहीं है। आतंकवाद विरोधी मंच (एटीएफ) ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए मांग की कि राज्य सरकार उन लोगों को सहायता प्रदान करे, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है या विस्फोटों में प्रभावित हुए हैं। मंच के अध्यक्ष डॉ. रविनुथला शशिधर ने कहा कि आतंकवादियों को दी गई सजा जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को घातक विस्फोटों के पीछे के षड्यंत्रकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

जयपुर बम ब्लास्ट ...

तहत दोषी माना है। इनमें शाहबाज को छोड़कर अन्य को सीरियल ब्लास्ट के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इन्हें बरी कर दिया था। फांसी की सजा के मामले में राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है।

मुस्लिम बहुल ...

नटेसन के इस बयान से सबसे अधिक इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को मिर्ची लगी। मुस्लिम लीग ने नटेसन के बयान पर आपत्ति जताई और कहा कि नटेसन का बयान सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला बयान है।

आतंकी तहव्वुर...

इस दौरान एक आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था, जिसे 2012 में फांसी दी गई।

तहव्वुर राणा इस हमले का बड़ा किरदार था। वो पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है और शिकागो में फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम की फर्म चलाता था। इस फर्म की एक ब्रांच मुंबई में भी थी, जिसके जरिए उसका दोस्त हेडली भारत आया और हमले की जगहों की रेकी की। राणा और हेडली बचपन के दोस्त थे। दोनों ने पाकिस्तान के हसन अब्दाल कैडेट स्कूल में पढ़ाई की थी। हेडली बाद में अमेरिका चला गया, जहां उसकी मां अमेरिकी और पिता पाकिस्तानी थे। राणा ने पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर की नौकरी की, फिर कनाडा जाकर वहां की नागरिकता ले ली।

भारत की जांच एजेंसी एनआईए ने 405 पन्नों की चार्जशीट में राणा को मुख्य आरोपियों में शामिल किया था। चार्जशीट कहती है कि राणा ने लश्कर-ए-तैयबा और आईएसआई के साथ मिलकर हमले की साजिश रची। उसने हेडली को फर्जी कागजात और पैसा दिया, ताकि वो मुंबई में टारगेट ढूंढ़ सके। राणा को पता था कि हेडली किससे मिल रहा है और क्या प्लान कर रहा है। उसने हमले की पूरी योजना में साथ दिया। अमेरिकी कोर्ट में राणा ने माना था कि उसे हेडली के लश्कर से रिश्तों की जानकारी थी। एफबीआई ने उसे 2009 में शिकागो से पकड़ा था। हेडली को भी अमेरिका में 2009 में गिरफ्तार किया गया था। 2013 में उसे 35 साल की सजा सुनाई गई। वो अमेरिकी नागरिक है, और भारत उसका भी प्रत्यर्पण चाहता है। हेडली ने मुंबई में कई जगहों की रेकी की थी-ताज होटल, उडढ, नरीमन हाउस। राणा ने अपनी फर्म के जरिए हेडली को कवर दिया। चार्जशीट में साफ है कि राणा ने आतंकियों को ठहरने की जगह और टारगेट चुनने में मदद की। वो हमले का ब्लूप्रिंट बनाने में शामिल था।

ढीले पड़े कई...

वहीं प्रतिशत के मामले में ये एक दिन में छठा सबसे बड़ा क्रैश है। सेंसेक्स में एक दिन में 2227 पॉइंट्स की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज़्यादा क्षति यहां टाटा समूह को पहुंची, जिसे 2.40 लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस को 1.30 लाख करोड़ रुपए और अडानी समूह को 61,000 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। हालांकि, इन आंकड़ों के बीच एक आंकड़ा यह भी है कि अप्रैल 2025 के पूरे पहले सप्ताह की बात करें तो बड़े वैश्विक बाजारों में सबसे कम असर भारत पर ही पड़ा। जैसा कि आप नीचे दिए गए टेबल में देख सकते हैं, भारत में निफ्टी एक सप्ताह में 4.33% घटा और सेंसेक्स 3.79%, जबकि अमेरिका, जापान, हॉन्गकॉन्ग, चीन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी में इससे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

ऊपर दी गई तालिका में 1 अप्रैल एवं 7 अप्रैल 2025 के बीच के शेयर बाजारों के अंकों की तुलना की गई है और प्रतिशत के हिसाब से बताया गया है कि किस देश का बाजार कितना गिरा। सबसे अधिक मार हॉन्गकॉन्ग पर पड़ी है, जहां का बाजार 14.55% गिर गया, मात्र एक सप्ताह में। उसके बाद जर्मनी को 12.64% जापान को 12.59% और यूरोप को 12.36% की गिरावट झेलनी पड़ी। कई विपक्षी नेता भारत में शेयर मार्केट गिरने के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, उन्हें ये आंकड़े देखने चाहिए।

सिम कार्डों में...

आम तौर पर टेलीकॉम कंपनियां सर्टिफाइड वेंडर्स से सिम कार्ड्स मंगवाती हैं। ये वेंडर्स चिप्स को विश्वसनीय स्रोतों जैसे वियतनाम या ताइवान से मंगवाकर भारत में ही उनका असेंबली, पैकेजिंग और सीरियलाइजेशन करते हैं, लेकिन जांच में सामने आया कि कुछ वेंडर्स ने ट्रस्टेड सोर्स सर्टिफिकेशन का दुरुपयोग किया। पहले उन्होंने यह दर्शाया कि उनके द्वारा उपयोग किए गए चिप्स विश्वसनीय स्रोतों से आए हैं, लेकिन बाद में पता चला कि कुछ चिप्स वास्तव में चीन से मंगवाए गए थे।

मार्च 2021 में दूरसंचार विभाग ने यूनिफायड एक्सेस सर्विस लाइसेंस प्रक्रिया में संशोधन किया था, जिसमें कहा गया था कि टेलीकॉम कंपनियां किसी अविश्वसनीय वेंडर से उपकरण नहीं खरीद सकेंगी। एनसीएससी को यह जिम्मेदारी दी गई कि वह केवल विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं को ही मंजूरी देगा, लेकिन जांच में पाया गया कि कुछ वेंडर्स ने इस प्रणाली का भी दुरुपयोग किया और उनके द्वारा आपूर्ति किए गए चिप्स में चीनी घटक शामिल थे। इसलिए प्रभावित सिम कार्ड 2021 से पहले और बाद के समय दोनों से जुड़े हो सकते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 09 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मेगा नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद एवं आरजे इंस्पीरेशन, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामुलू तेलुगु विश्वविद्यलाय के पीएसटीयू मुख्य सभागार में मेगा नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ग्रुप के जगतनारायण अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में तेलगांना के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का, आंध्र-प्रदेश एवं तेलगांना के आयकर आयुक्त जीवनलाल लावड़िया तथा फिल्म अभिनेत्री सुमन तलवार ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया।

कार्यक्रम में डॉ. सुचित्रा रेड्डी (पेद्दी राकेश रेड्डी फाउंडेशन), वनश्री गोयंका, सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश गुप्ता, उमा कार्तिक एवं महेश अग्रवाल का सहयोग देने पर सम्मान किया गया। शिविर में नगरद्वय के प्रसिद्ध डाक्टरों ने सेवा प्रदान की। दो सौ से अधिक लोगों ने शिविर का लाभ उठाया ।

श्री भलारा दादा का सामूहिक पाठ व प्रसाद 12 को

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में श्री भलारा भक्ती मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में भलारा दादा का सामूहिक पाठ का आयोजन शनिवार दि. 12 अप्रैल को किया जा रहा है।

यहां जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में श्री भलारा भक्ती मंडल के सदस्य कांतीलाल मोता ने बताया कि श्री भलारा भक्ती मंडल बैठक में श्री कच्छी ओसवाल ज्ञाति के कुलदेवता श्री भलारा दादा के सामूहीक पाठ तथा प्रसादी का भव्य आयोजन आगामी चैत्र सुद 15 (पूनम) शनिवार दि. 12 अप्रैल 2025 को सायं 6 बजे (गौधुली वेला) में रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में किया जायेगा । लहेरचंद लोडाया इस वर्ष सामुहीक पाठ एवं प्रसादी का आयोजन रखा गया। इस वर्ष के पहेडी, प्रसाद के लाभार्थी मातुश्री राजबाई पदमशी मोता परिवार (गाम कुंवापधर) हस्ते कु. पर्ल गीरीश मोता, मास्टर दर्श मीहीर मोता की ओर से रखा गया है। भलारा भक्ती मंडल के सभी सदस्यो ने दादा के सभी भक्तो से कार्याम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का निवेदन किया गया । दिलीप मोता ने आगे बताया कि सामुहीक पाठ का आयोजन पिछले 32 वर्ष से निरन्तर किया जा रहा है। इस अवसर विभिन्न मांगलीक कार्याम आयोजन किये जायेंगे जिसमें सायं 6 बजे से समुहीक पाठ, दादा की आरती तथा प्रसादी का आयोजन किया गया है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को स्व. बालकिशन अग्रवाल की पुण्यतिथि के अवसर पर डॉ. सुजीत, श्रीमती सरोज एवं साहिल अग्रवाल द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोपाल गोयल,भगतराम गोयल, ई. जगन, संजय गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, सुरेश सिंघल, नंदकिशोर अग्रवाल, डॉ.सुजीत अग्रवाल, साहिल अग्रवाल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

श्री सच्चाई माता की सामूहिक पहेडी सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में लोडाया गोत्र की कुलदेवी श्री सच्चाई माता की सामूहिक पेढ़ी तथा प्रसादी भव्यता के साथ सम्पन्न हुई।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री सच्चाई माँ भाविक मंडल के मणीलाल लोडाया एवं खुशाल लोडाया ने बताया कि लोडाया गोत्र की कुलदेवी श्री सच्चाई माता कि 21वीं सामूहीक पेढ़ी तथा प्रसादी अंतर्गत विभिन्न मांगलीक कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें प्रातः 9.30 बजे सामैया, प्रातः 10 बजे माता जी की प्रतीमा को स्थापना की गयी, तत्पश्चात माताजी की भव्य पहेड़ी एवं आरती की गयी तथा सभी भक्तों ने प्रसादी का लाभ लिया। इस वर्ष की पेढी एवं स्वामीवात्सल्य का संपूर्ण आयोजन दाता मातुश्री सोनबाई लक्ष्मीचंद घेलाभाई लोडाया परिवार (गाम वारापधर हाल हैदराबाद) द्वारा रखा गया।

समिति के सदस्य लहेरचंद लोडाया एवं गौतम लोडाया ने बताया कि धार्मिक आयोजन के दरमियान माताजी ने हाजीर होकर आगे भी पेढ़ी एवं प्रसादी को यथावत जारी रखने के लिये भक्तों से कहा एवं आगामी वर्ष में सभी लोडाया परिवारजनों के लिये सुख, शांती एवं सौभाग्य पूर्ण रहेगा एसा शुभाशीर्वाद दिया । गत 21 वर्ष से लगातार माता की पेढ़ी का आयोजन किया जा रहा है ।

इस अवसर पर महिलाओ ने भक्ती की रमझट जमायी एवं उपस्थित भक्तो को ढोल की धुन पर गरबा थीरकने के लिये मजबुर कर दिया। कार्याम का संचालन रश्मीबेन राजेश लोडाया ने किया। अवसर पर लाभार्थी परिवार एवं केटरींग में सेवा प्रदान करने के लिए भट्टाचार्य पहेडी प्रसादी के अवसर पर बडी संख्या में लोडाया भाईयों व बहेनों ने भाग लिया। इस अवसर पर सर्वश्री कांतीलाल लोडाया, मणीलाल लोडाया, खुशाल लोडाया, विजय लोडाया, चेतन लोडाया, पारस जागीरदार, राजेश लोडाया, किरणकुमार सोमचंद, गीरीश लोडाया, अश्वीन, भावेश एवं महिलाओं में सोनबाई लोडाया, जया रमेश जागीरदार, रश्मी राजेश लोडाया, हंसा लहेरचंद, मुधे लोडाया, निर्मला लोडाया, लता लोडाया, हेमीना लोडाया, पल्लवी लोडाया, ग्रीष्मा मोता, वर्षा नितीन लोडाया, दमयंती लोडाया, निलम, ज्योत्सना, धारीणी लोडाया, उर्वि समकीत आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्राणीमित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन द्वारा रामनवमी शोभायात्रा में नि:शुल्क पेयजल एवं शरबत वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लायन विजय लक्ष्मी, पूर्व पार्षद ममता गुप्ता, कमलेश महाराज, संतोष गुप्ता, रिद्धीश जागीरदार, राजेश जायसवाल, धारीणी पारस जागीरदार, छाया वसंत मोता, विशाल शर्मा, संतोष तंडाले, लक्ष जागीरदार, सोमेश, मनोहर सुर्यवंशी, विनोद गांधी, प्रदीप गीलडा, पी. राम, धीरज एवं अन्य।

मासिक श्याम निशान समिति द्वारा 71वीं मासिक निशान यात्रा का आयोजन हनुमान मंदिर मलकपेट से श्री श्याम मंदिर काचीगूडा तक भजन करते हुए किया गया।

अ. भा. मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सुरेश जैन ने पद्भार संभाला

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच का दिल्ली स्थित नवउद्घाटित राष्ट्रीय कार्यालय में दायित्व ग्रहण कर,युवामंच की बागडोर संभालने के पश्चात, ईस्ट दिल्ली शाखा, ईस्ट दिल्ली मिडटाउन शाखा तथा कर्नाटक प्रान्त की बेलगांवी शाखा का दौरा करने के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सुरेश जैन ने कार्यकाल की शुरुआत की। श्री जैन की पहली बार हैदराबाद पहूंचने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का राजस्थानी साफा, शाल माला एवं प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

उनके स्वागत और सम्मान के लिए ग्रेटर हैदराबाद शाखा से पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललित जैन , सिकंदराबाद शाखा से निवर्तमान अध्यक्ष जसवंतराज मुथा , पूर्व अध्यक्ष पप्पु कुमार घोड़ेला, शाखा अध्यक्ष पंकज राठौड़, वरिष्ठ नारायण लाल चावड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र पोकरणा, नेत्रदान संयोजक कैलाश वैष्णव, संजय गुप्ता, सिकंदराबाद पर्ल शाखा निवर्तमान अध्यक्ष रक्षा जैन, शाखा अध्यक्ष शीतल जैन, कोषाध्यक्ष दिव्या घोडेला, सहमंत्री सुनीता डूंगरवाल ,पुनम बोहरा, कविता मांडन ,मंजू घोडेला, आदि सम्मिलित रहे।

सिकंदराबाद में आयोजित सुन्दरकांड पाठ में उपस्थित स्वामी कमलेश त्रिपाठी विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, रामपाल पाण्डेय, जीवेश द्विवेद्वी, सौरभ पाण्डेय, नीरज शुक्ला, मानेंद्र द्विवेदी, आदित्य नारायण महाराज, राकेश महाराज, सुनील त्रिपाठी, हर्ष त्रिपाठी एवं भक्तगण मौजूद रहे

सेटविन बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है : प्रकाश रेड्डी

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में सेटविन के द्वारा कांग्रेस सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है और कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

उक्त उद्गार परकला विधायक, रेवुरी प्रकाश रेड्डी ने कहा। एमएलए रेड्डी, सेटविन के प्रबंध निदेशक के वेनुगोपाल राव के साथ, मंगलवार को राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के सेटविन के तत्वावधान में मोटिगल्ली और सीताफल मंडी प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा किया।

इस अवसर पर, एमडी वेनुगोपाल राव ने केंद्रों में आयोजित पाठ्यक्रमों के विवरण, छात्रों के प्रशिक्षण, उन्हें कैसे प्रशिक्षित किया जाए और फिर नौकरी के मेले के माध्यम से उनके लिए नौकरी के अवसर के बारे में बताया। इस अवसर पर सेटविन प्रशिक्षण प्रभारी एम. नवीन कुमार, मोटिगल्ली और सिटफल मंडी, वेंकटेश्वर, अनीता और केंद्र के संकाय ने भाग लिया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रेलवे बोर्ड के वित्त सदस्यों ने किया आईआरआईएफएम का दौरा

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे बोर्ड के वित्त सदस्यों और भारत सरकार की पदेन सचिव सुश्री रूपा श्रीनिवासन ने 7 अप्रैल, 2025 को भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान (आईआरआईएफएम)/ सिकंदराबाद का दौरा किया। उन्होंने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) उप-संवर्ग लेखा से संबंधित 55 प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत की, जो वर्तमान में संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे हैं। परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने राष्ट्र निर्माण में भारतीय रेलवे की भूमिका पर जोर दिया और बताया कि रेलवे को अब पुराने और नए का अग्रदूत माना जाता है, रेलवे हाइड्रोजन ट्रेन, हाइपर लूप आदि के साथ नवीनतम तकनीक लाने के लिए तैयार है। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसे एक बहुत ही सुसंगत संगठन बनाने के लिए बहुत सारे संस्थागत संशोधन किए गए हैं। उन्होंने वित्त और लेखा अधिकारियों से नई चुनौतियों के लिए खुद

को तैयार करने के लिए कौशल हासिल करने का आह्वान किया। आईटी की शक्ति, बढ़ता डिजिटलीकरण और बेहतर समर्थन ढांचा रेलवे को बदल रहा है और लेखा एवं वित्त पेशेवरों को बदले हुए परिदृश्य में बड़ी भूमिका निभानी है। रेलवे बजट के विलय से वित्तीय बाधाएं काफी हद तक हल हो गई हैं। चूंकि पूंजीगत व्यय बढ़ गया है, इसलिए सार्वजनिक धन का बुद्धिमानी से प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सार्वजनिक सेवा में नैतिक आचरण की भूमिका पर जोर दिया।श्रीमती अपर्णा गर्ग, महानिदेशक/आईआरआईएफएम ने किए गए प्रशिक्षण गतिविधियों और योजनाबद्ध किए जा रहे नए मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। आईआरआईएफएम को पिछले साल क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) से उत्कृष्ट ग्रेडिंग के साथ मान्यता मिली थी और इसने अपने कमीशन के बाद से वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक की सबसे अधिक संख्या में अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है।श्रीमती रूपा श्रीनिवासन, सदस्य वित्त/रेलवे बोर्ड का महानिदेशक, अपर महानिदेशक और आईआरआईएफएम के अन्य संकाय सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। प्रोबेशनर्स ने प्रशिक्षण और फील्ड विजिट पर अपने अनुभव साझा किए। इससे पहले, दिन में सुश्री रूपा श्रीनिवासन, सदस्य वित्त/रेलवे बोर्ड ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और वित्त से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रेल निलयम में एक बैठक में एस-सीआर के सभी भारतीय रेलवे लेखा अधिकारियों को भी संबोधित किया।

एसीबी ने मंगलहाट में रिश्वत मांगने के आरोप में टीजीएसपीडीसीएल कर्मचारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी (टीज-ीएसपीडीसीएल) के विभाग में कार्यरत एक सरकारी कर्मचारी को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार 8 अप्रैल को मंगलहाट में एक व्यक्ति से 20,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, मंगलहाट डिवीजन में आर्टिजन ग्रेड-4 के पद पर कार्यरत टीजीएसपीडीसीएल कर्मचारी अब्दुल रहमान ने शिकायतकर्ता के पुराने बिजली मीटर में मिली क्षति का खुलासा नहीं करने तथा कोई जुर्माना नहीं लगाने के लिए रिश्वत की मांग की थी।सूचना मिलने पर एसीबी अधिकारियों ने रहमान को शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपए लेते हुए पकड़ लिया। रासायनिक जांच में आरोपी अधिकारी की दोनों उंगलियां पॉजिटिव पाई गईं।उन्हें गिरफ्तार कर हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

पांच दिन पहले एसीबी अधिकारियों ने संगारेड्डी जिले में स्थित पाटनचेरु सिंचाई उप-मंडल कार्यालय पर छापा मारकर एक सहायक अभियंता को रिश्वत लेते हुए पकड़ा था।एसीबी के अधिकारियों के अनुसार, गुम्माडिला रवि किशोर को 7 लाख रुपये की रिश्वत के हिस्से के रूप में 1 लाख रुपये लेते हुए पकड़ा गया। कहा जाता है कि रिश्वत फुल टैंक लेवल (एफटीएल) या बफर जोन के अंतर्गत न आने वाली जमीन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के लिए मांगी गई थी।एसीबी के अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही विभाग का एक अधिकारी रामास्वामी फरार हो गया।

हेमा सुनीता ने दमरे की प्रमुख वित्तीय सलाहकार का पद्भार संभाला

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईआरएएस की 1993 बैच की श्रीमती टी. हेमा सुनीता ने मंगलवार को दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख वित्तीय सलाहकार का पदभार संभाला। उस्मानिया विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में इंजीनियरिंग में स्नातक और आईआईएम, कोलकाता से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूरा करने के बाद, श्रीमती टी. हेमा सुनीता 1995 में भारतीय रेलवे में शामिल हुईं।

उन्हें रेलवे स्टाफ कॉलेज (अब भारतीय रेलवे की राष्ट्रीय अकादमी), वडोदरा में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए डीजी मेडल से सम्मानित किया गया।

बाद में उन्हें एससीआर में तैनात किया गया और उन्होंने जेएओ/पीएफ और पेंशन, डब्ल्यूएओ/एलजीडी और एसएओ/निर्माण/तिरुपति के रूप में काम किया। दो दशकों से अधिक समय तक दक्षिण रेलवे में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विभिन्न पदों पर काम किया। वह इंटीग्रल कोच फैक्ट्री/पेरंबूर में वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (परियोजनाएं) के रूप में प्रतिष्ठित वंदे भारत परियोजना से जुड़ी थीं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नहीं, बल्कि अनुमूला इंटेलिजेंस तेलंगाना को नुकसान पहुंचा रहा है : कविता

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य विधानसभा परिसर में महात्मा ज्योतिराव फुले की प्रतिमा स्थापित करने के लिए अपने अभियान को तेज करते हुए, बीआरएस नेता और एमएलसी के कविता ने मंगलवार को कहा कि यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं है जो पिछड़े वर्गों या छात्रों या हैदराबाद विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि अनुमुला इंटेलिजेंस है।तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट (यूपीएफ) के साथ आंदोलन का नेतृत्व कर रही कविता ने यहां धरना चौक पर एक दिवसीय भूख हड़ताल शुरू करते हुए ज्योतिराव फुले को सामाजिक न्याय और प्रेरणा के प्रतीक के रूप में महत्व दिया और सरकार से 11 अप्रैल, फुले की जयंती तक सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। वह चाहती थीं कि विधानसभा परिसर में अंबेडकर की

मूर्ति के साथ फुले की मूर्ति स्थापित की जाए। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।इससे पहले, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के इस आर-ोप का जिक्र करते हुए कि कांचा गचीबोवली मामले में सरकार को बदनाम करने के लिए एआई का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है , कविता ने आरक्षण से संबंधित अध्ययनों में सरकार द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग की आलोचना की और इसे वास्तविक मुद्दों को संबोधित करने से भटकाने वाला बताया। उन्होंने राजनीतिक हेरफेर को उजागर किया और कुछ ताकतों पर जाति जनगणना के प्रयासों को गुमराह करने का आरोप लगाया, जिससे पिछड़े वर्गों को न्याय नहीं मिल पा रहा है।कविता ने बीआरएस सरकार की पारदर्शिता की ओर इशारा किया, जिसने व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण विवरण सार्वजनिक किया था, और कांग्रेस और भाजपा द्वारा ऐसा न करने की तुलना की। उन्होंने जाति जनगणना और आरक्षण पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए भाजपा पर दबाव बनाने के प्रयासों का आह्वान किया, और इस मुद्दे को सामने लाने के लिए अन्य दलों के साथ सहयोग करने की पेशकश की। उन्होंने विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों की स्थिति पर भी सवाल उठाया, और इस पर स्पष्टता की मांग की कि क्या वे राज्यपाल के पास लंबित हैं या राष्ट्रपति को भेजे गए हैं।कविता ने दिल्ली में सतही विरोध प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की तथा आवश्यक होने पर अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन सहित सार्थक कार्रवाई का आग्रह किया।इस मुद्दे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कविता ने फुले की विरासत के महत्व पर जोर दिया और महिला शिक्षा तथा जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में फुले की प्रतिमा की स्थापना समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और बाधाओं के बावजूद संघर्ष जारी रखने की कसम खाई।

तेलंगाना में अगले 72 घंटों में धूलभरी आंधी, गरज के साथ बौछार के आसार: मौसम विभाग

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में अगले 72 घंटों के दौरान कई हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और धूलभरी आंधी चलने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यहां एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है अगले सात दिनों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश या फिर गरज के साथ बौछार होने का अनुमान है।

अगले 3 दिनों के दौरान तेलंगाना में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में एक-दो स्थानों पर बारिश हुई। सोमवार को निजामाबाद में सबसे अधिक 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

तेलंगाना नया राशन कार्ड 2025

नागरिक आपूर्ति अधिकारी ने सरलीकृत दिशानिर्देश जारी किए

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना नागरिक आपूर्ति विभाग ने तेलंगाना न्यू राशन कार्ड 2025 के लिए आवेदन करने वाले नागरिकों के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं । मेहदीपट्टनम सर्कल की देखरेख करने वाली नागरिक आपूर्ति अधिकारी बुशरा सुल्ताना ने राज्य भर के परिवारों के लिए परेशानी मुक्त प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सरल कदमों पर जोर दिया।-मी सेवा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन : 45 के मामूली शुल्क के साथ मी सेवा केंद्रों के माध्यम से नए राशन कार्ड आवेदन जमा करें ।-दलालों की आवश्यकता नहीं : आवेदकों को बिचौलियों से बचते हुए, सीधे ही निर्दिष्ट कार्यालयों में दस्तावेज जमा करने होंगे।

-गृह सत्यापन : विभाग की टीमें आवेदन के बाद सत्यापन के लिए घरों का दौरा करेंगी।

-अंतिम तिथि में लचीलापन : अभी तक कोई निश्चित अंतिम तिथि घोषित नहीं की गई है; आवेदकों से शीघ्र आवेदन करने का आग्रह किया गया है।

34 साल बाद यादगार पुनर्मिलन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। 34 साल बाद, एक हार्दिक पुनर्मिलन हुआ, जब अग्रणी नौकायन कोच और संरक्षक ािक अहमद - जो अब टेक्सास, यूएसए में रहते हैं - हैदराबाद लौट आए। उन्होंने मोहम्मद अली और मोहम्मद शम्सुद्दीन से मुलाकात की, जो मल्टी-स्पोर्ट्स प्रमोटर और स्पोर्ट्स विलेज के प्रमुख हैं। यह बैठक प्रतिष्ठित जुबली हिल्स इंटरनेशनल सेंटर में हुई, जो न केवल पुराने साथियों के पुनर्मिलन का प्रतीक थी, बल्कि आंध्र प्रदेश में नौकायन की विरासत और विकास का जश्न भी था। इस कार्यक्रम को स्नैप्स इंडिया द्वारा कैप्चर और कवर किया गया, ताकि इस पल को इतिहास के लिए संरक्षित किया जा सके।

शेयर मार्केट

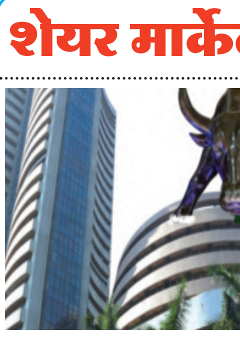

बीएसई : 74,227.08
+1089.18 +1.49% ↑
एनएसई :22,535.85
374.25 (1.69%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 91,340/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,960/- (प्रति किलोग्राम)

राजेंद्रनगर मीडिया मित्र की क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्रिकेट प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेता बलिरेड्डी पृथ्वीराज ,वरिष्ठ पत्रकार एम. मधुसूदन और मुर-लीधर ने कृषि महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित राजेंद्र नगर मीडिया मित्र क्रिकेट प्रतियोगिता में क्रिकेट मैच की टॉउस उछाल कर शुरुआत की क्रिकेट मैचों के लिए सभोदयम सुब्बाराव (राजशेखर)और राजेंद्रनगर इंस्पेक्टर कास्त्रो, अट्टापुर इंस्पेक्टर नागेश्वर राव , राजेंद्रनगर एसीपी तुला श्रीनिवास ने क्रिकेट मैच का उद्घाटन किया।

उन्होंने इस अवसर पर कहा की पत्रकार वही हैं जो बिना किसी डर के समाज को जागृत करने के लिए अच्छी खबर लिखे फिल्म अभिनेता ने कहा कि पत्रकार ही अपने कर्तव्यों का पालन करने में सबसे आगे रहते हैं। इस अवसर पर भाजपा रंगारेड्डी जिला महामंत्री वनिता रेड्डी ने कहा कि पत्रकारों को समाचार लिखते समय समाज के प्रति जवाबदेह होना चाहिए इंस्पेक्टर नागेश्वर राव ने वरिष्ठ पत्रकार एम.मधुसूदन और मुर-लीधर के साथ क्रिकेट म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। समारोह में

भाजपा महिला मोर्चा रंगारेड्डी जिला सचिव मेकला वनिता रेड्डी के साथ वरिष्ठ पत्रकार इचु अंजैया गुप्ता, एपी चारी और मेकला रामोदर रेड्डी। ए. भीमैया बालू सुब्रमण्यम, करुणाकर पवन भारती। सुदर्शन गॉड का स्वागत किया गया श्रीकांत की कप्तानी वाली टीम ने क्रिकेट प्रतियोगिता जीती, जबकि पडयाला चंदू की कप्तानी वाली टीम दूसरे स्थान पर रही। महिलाएं एवं बच्चों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं जिसमें विजेता पत्रकार के परिवार के सदस्यों को पुरस्कार दिए गए। तथा महिलाओं को अच्छी पसंदीदा साड़िया देखकर सम्मानित किया गया मंच पर करुणाकर की पुत्री वैशाली के नृत्य ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया । पत्रकार बालू सुब्रमण्यम की बेटी का नृत्य बहुत प्रभावशाली रहा ।कार्यक्रम में पत्रकार कोटला चंद्रकांत, को-लेनी महेश, सुवरिन आमसैया श्रीकांत गौड़, गोंगुरा श्रीनिवास, पवन भारती, संदीप कपूर, विनय कुमार यादगिरी मोहसिन श्रीकांत भीमैया और अन्य ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का नेतृत्व वरिष्ठ पत्रकार दामोदर रेड्डी ने किया तथा संचालन वरिष्ठ पत्रकार भीमन्ना एवं बालू सुब्रमण्यम ने किया।

हाइड्रा ने हुसैन सागर से महिला को बचाया

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया संपत्ति निगरानी और संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने एक युवती को बचाया, जिसने पारिवारिक समस्याओं के कारण हुसैन सागर में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था।मंगलवार, 8 अप्रैल को एक कॉल के जवाब में, आपदा प्रतिक्रिया बल ने तुरंत कार्रवाई की और बालानगर निवासी 36 वर्षीय एक महिला को बचाया, जो अपने पति के साथ विवाद के कारण टैंक बंड से हुसैन सागर में कूद गई थी।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 25^0

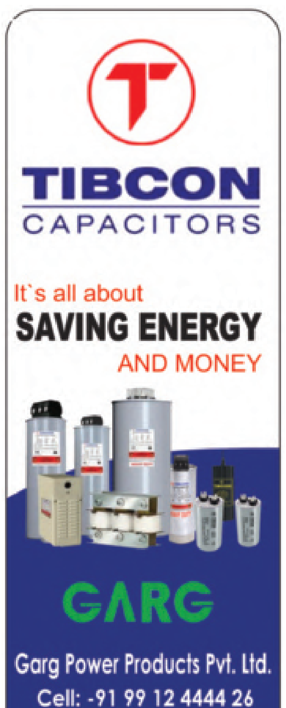

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, RAMALAKSHMI SWAMY Spouse of Service No. 622630B Ex.Sgt B VENKAT SWAMY, R/o. 29-1452/2/12, East Kakatiya Nagar, Neredmet, Secunderabad-500056, MedchalMalkajgiri Dist have changed my name from RAMALAKSHMI SWAMY to BODOLU RAMALAKSHMI vide affidavit dt:8-4-2025 at I Special Metropolitan Magistrate, Cyberabad at LB Nagar.

CHANGE OF NAME
I, NEENU SUDHEESH Spouse of Service No. 15733273F Nk SUDHEESH S, R/o.Sukubhavanam, PO:Elippakulam, Pallickal (via), Alappuzha, Kerala-690503 have changed my name from NEENU SUDHEESH to NEENU VIDYADHARAN vide affidavit dt:8-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I,Service No. 15420542L, Rank:Hav/AA Name: M.VINOD KUMAR, Unit: MH Secunderabad, Residing at Vill: SingamVarripalli, MarriMakulapalligramam, Gurramkonda Mandal, Chittor District-517291, A.P. to change my father name from LAKSHMI NARAYANA.M to MADIKIRI LAKSHMI NARAYANA Due to wrongly mentioned in my service records.

CHANGE OF NAME
I, Service No.15420542L, Rank: Hav/AA Name: M.VINOD KUMAR, Unit: MH Secunderabad Residing at Vill: SingamVarripalli, MarriMakulapalligramam, Gurramkonda Mandal, Chittor District-517291, A.P. to change my Mother name from: SYMALA.M to M.SYAMALA Due to wrongly mentioned in my service records.

CHANGE OF NAME
I, Ramarao R/o vill:Venne, Po:Sesanapalli, Teh:Jami, Dist:Vizianagaram, State:Andhra Pradesh, Pin:535250, Have changed my name from RAMARAO to RANDHI RAMARAO vide affidavit dt:08/04/2025 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana.

CHANGE OF NAME
I, Suryam R/o vill:Venne, Po:Sesanapalli, Teh:Jami, Dist:Vizianagaram, State:Andhra Pradesh, Pin:535250, Have changed my name from SURYAM to RANDHI SURYAM vide affidavit dt:08/04/2025 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana.

बीआरएस रजत जयंती समारोह

पार्टी आज से जीएचएमसी सीमा में निर्वाचन क्षेत्र स्तर की बैठकें आयोजित करेगी

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस विधायकों, विधान पार्षदों, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और जीएचएमसी सीमा के पार्टी पदाधिकारियों ने पार्टी की रजत जयंती समारोह से पहले मंगलवार को एक तैयारी बैठक की, जिसमें 27 अप्रैल को वारंगल में निर्धारित भव्य सार्वजनिक बैठक के लिए बड़े पैमाने पर लामबंदी के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं की प्रभावी भागीदारी का आह्वान किया गया।इस आयोजन की तैयारियां बुधवार को निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय बैठकों के साथ शुरू होंगी।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने घो-षणा की कि बीआरएस अपना स्थापना दिवस उत्सवी माहौल में मनाएगी।बैठक में शामिल होने वालों में एमएलसी सुरभि वाणी देवी, शंभीपुर राजू, दासोजू श्रवण, और विधायक कालेरू वेंकटेश, मुथा गोपाल, माधवराम कृष्ण राव, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी और अन्य पार्टी नेता शामिल थे।

उन्होंने 27 अप्रैल को पार्टी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सभी डिवीजनों में पार्टी के झंडे फहराने की योजना का खुलासा किया। बीआरएस ग्रेटर हैदराबाद इकाई की आम सभा 20 अप्रैल को होगी। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव मुख्य अतिथि होंगे।श्रीनिवास यादव ने के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना के विकास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान राज्य राष्ट्र के लिए एक आदर्श बन गया है।

उन्होंने समाज के लगभग सभी वर्गों के लिए कठिनाइयां पैदा करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

केटीआर ने एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी और अमेरिकी टैरिफ पर चुप्पी को लेकर केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। केटीआर ने मीडिया से कहा कि वैश्विक तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की है।

केटीआर ने चेतावनी दी कि इस मूल्य वृद्धि से परिवहन लागत और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होगी, जिससे आम आदमी पर भारी बोझ पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये वही अच्छे दिन हैं जिनका वादा भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान किया था।बीआरएस नेता ने केंद्र सरकार पर करों के बजाय उपकर लगाकर धन का केंद्रीकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने पेट्रोल और

डीजल पर 2 अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने की ओर भी इशारा किया।केटीआर ने अमेरिका द्वारा लागू की गई नई टैरिफ नीतियों पर चुप्पी साधने के लिए केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी की है।केटीआर के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ तेलंगाना के निर्यात-उन्मुख फार्मा और आईटी क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित करेंगे। ये राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं, और इन पर कोई भी प्रहार आर्थिक विकास में बाधा डाल सकता है।

केटीआर ने तेलंगाना की मौजूदा कांग्रेस सरकार पर राज्य की आर्थिक प्रगति को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब से होने वाले राजस्व के अलावा सरकार अन्य क्षेत्रों से आय बढ़ाने में विफल रही है।उन्होंने एयरपोर्ट मेट्रो और फार्मा सिटी जैसी प्रमुख विकास परियोजनाओं को रद्द करने के साथ-साथ हाइड्रा द्वारा की गई तोड़फोड़ की गतिविधियों और मूसी नदी के विनाश को खराब शासन और नकारात्मक आर्थिक नीतियों के संकेत के रूप में सूचीबद्ध किया।दोनों राष्ट्रीय पार्टियों पर निशाना साधते हुए केटीआर ने चेतावनी दी कि तेलंगाना के हितों से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और एमपी सीटें जीतने के बावजूद तेलंगाना के लिए कोई अतिरिक्त फंड न देने के लिए भाजपा की आलोचना की।

उत्तर पूर्वी राज्यों की सैर कराने 22 अप्रैल को रवाना की जाएगी भारत गौरव डीलक्स ऐसी पर्यटक ट्रेन

नई दिल्ली/हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल, देश के पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन को बढ़ाने के लिए भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन का संचालन शुरू कर रही है। इस ट्रेन को 22 अप्रैल 2025 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना किया जाना प्रस्तावित किया गया है। कुल 15 दिनों की इस यात्रा में पर्यटकों को असम स्थित गुवाहाटी, काजीरंगा, जोरहाट व शिवसागर, अरुणाचल प्रदेश में इटानगर, नागालैंड में दिमापुर व कोहिमा, त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला व उदयपुर तथा मेघालय स्थित शिलॉन्ग व चेरापुंजी का भ्रमण कराया जाएगा।

आधुनिक साज सज्जा के साथ तैयार डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन द्वारा पर्यटकों को न केवल पूर्वोत्तर भारत के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों के भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा, वहाँ की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारने का भी मौका प्राप्त होगा। भारत गौरव ट्रेन द्वारा संचालित यह यात्रा पूर्वोत्तर के राज्यों को रेल के द्वारा देश के अन्य हिस्सों से जोड़ेगी और घरेलू पर्यटकों को पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए प्रेरित करेगी।

दिल्ली से रवाना होकर पर्यटक ट्रेन गुवाहाटी पहुंचेगी, जहां कामाख्या देवी मंदिर व उमानन्दा मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। होटलों में रात्रि विश्राम होगा। साथ ही पर्यटक गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज का आनंद भी ले सकेंगे। गुवाहाटी से चल कर यह ट्रेन अरुणाचल स्थित नाहरलगुन स्टेशन के लिए रवाना होगी, जहां पर्यटकों को प्रदेश की राजधानी इटानगर स्थित गोम्पा बुद्धिस्ट मंदिर और थेरावदा बुद्धिस्ट मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा।ट्रेन का अगला पड़ाव असम के पूर्वी भाग में स्थित शिवसागर होगा, जो प्राचीन अहोम वंश की राजधानी रहा है। शिवसागर में प्राचीन शिव मंदिर व अन्य विरासत स्थलों का भ्रमण करने के उपरांत पर्यटक जोरहाट के चाय बागान देखते हुए काजीरंगा के लिए बसों द्वारा रवाना किए जाएंगे। जहां रात्रि विश्राम भी होगा और अगले दिन पर्यटकों को काजीरंगा राष्ट्रीय अभयारण्य का भ्रमण कराया जाएगा। काजीरंगा से चलकर पर्यटक फुरकटिंग रेलवे स्टेशन जाएंगे, जहां से ट्रेन पर सवार होकर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के लिए रवाना होंगे।

त्रिपुरा में पर्यटक दो दिनों के अंदर उनाकोटी के विरासत स्थल और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों जैसे उजयंता महल व नीर महल का भ्रमण करेंगे। साथ ही पर्यटकों को उदयपुर स्थित शक्तिपीठ त्रिपुर सुंदरी मंदिर का दर्शन भी कराया जाएगा। यहाँ से ट्रेन अपने अगले पड़ाव नागालैंड स्थित दिमापुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना होगी, इस यात्रा में बदरपुर से लेकर लूमडिंग रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद भी ट्रेन यात्रा के माध्यम से लिया जा सकेगा।

दिमापुर से पर्यटक बसों द्वारा नागालैंड की राजधानी कोहिमा जाएंगे, जहां कोहिमा शहर के दर्शनीय स्थानों के भ्रमण के साथ ही पर्यटकों को स्थानीय नागा समुदाय की जीवन शैली को देखने के लिए खोनोमा गाँव का भ्रमण के साथ ही कोहिमा में रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी कराई जाएगी। दिमापुर से ट्रेन अगले दिन गुवाहाटी के लिए प्रस्थान करेगी। गुवाहाटी पहुँच कर पर्यटकों को बसों द्वारा मेघालय की राजधानी शिलांग ले जाया जाएगा, जहां पर्यटक प्रसिद्ध ऊमियम झील व अन्य दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगे। शिलांग में रात्रि विश्राम के पश्चात अगले दिन पर्यटक बसों द्वारा चेरापूंजी के आकर्षक प्राकृतिक स्थलों, सुंदर झरनों व प्राचीन गुफाओं को देखेंगे और शाम को गुवाहाटी के लिए रवाना हो जाएंगे। गुवाहाटी से रात्रि काल में ट्रेन पर्यटकों को लेकर दिल्ली वापसी के लिए प्रस्थान करेगी व यात्रा के 15वें दिन दिल्ली पहुंच जाएगी। इस दौरान ट्रेन द्वारा लगभग 5800 किमी की यात्रा पूरी की जाएगी।

यात्रा के दौरान एसी प्रथम, एसी द्वितीय पर्यटकों को ट्रेन की पैन्ट्री में निर्मित शुद्ध शाकाहारी भोजन ट्रेन के रेस्टोरेंट में परोसा जायेगा। एसी तृतीय श्रेणी के पर्यटकों को उनकी बर्थ पर पैन्ट्री में निर्मित शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस पूर्णतया वातानुकूलित पर्यटक ट्रेन में एसी प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और एसी तृतीय के यात्री कोच के अतिरिक्त दो रेल डाइनिंग रेस्तरां एक आधुनिक किचन कार व यात्रियों के लिए फुट मसाजर, मिनी लाइब्रेरी, आधुनिक एवं स्वच्छ शौचालय और शॉवर क्यूबिकल आदि की सुविधा भी उपलब्ध होगी। साथ ही सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड, इलेक्ट्रॉनिक लॉकर एवं सीसीटीवी कैमरे भी प्रत्येक कोच में उपलब्ध रहेंगे।

हाईकोर्ट के मौत की सजा बरकरार रखने का एटीएफ ने किया स्वागत

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आतंकवाद विरोधी फोरम (एटीएफ) के अध्यक्ष डॉ. रविनुथला शशिधर ने 2013 दिलसुखनगर दोहरे बम विस्फोट मामले में पांच आरोपियों को एनआईए अदालत द्वारा दी गई मौत की सजा को बरकरार रखने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है।मंगलवार को जारी एक बयान में डॉ. शशिधर ने कहा कि देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाले और निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले इंडियन मुजाहिदीन के आतंकवादियों के लिए मौत की सजा ही उचित सजा है। उन्होंने कहा कि इन आतंकवादियों को धरती पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे मांग किया कि दिलसुखनगर सहित पूरे देश में हुए 29 बम विस्फोटों के मास्टरमाइंड रियाज भटकल को पाकिस्तान से प्रत्यर्पित कर फांसी दी जाए।डॉ. शशिधर ने जमात-ए-उलेमा हिंद, जमात-ए-इस्लामी हिंद जैसे संगठनों और अन्य स्थानीय संस्थाओं और व्यक्तियों की पूरी जांच करने का आह्वान किया, जिन्होंने कथित तौर पर आरोपी आतंकवादियों को कानूनी सहायता प्रदान की।

उन्होंने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि दिलसुखनगर विस्फोटों में मारे गए 18 लोगों और 131 घायलों के परिवारों के साथ-साथ गोकुल चाट और लुंबिनी पार्क बम विस्फोटों के पीड़ितों को अभी तक राज्य सरकार से सहायता नहीं मिली है।उन्होंने सरकार से पीड़ितों के परिवारों को तुरंत सहायता देने और आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। डॉ. शशिधर ने हैदराबाद सहित तेलंगाना के कई शहरों पर भी चिंता व्यक्त की, जो कथित तौर पर चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से आतंकवाद के स्रोतों पर सख्ती से कार्रवाई करने का आह्वान किया।

जलीय कृषि में संकट का समाधान करने के लिए समिति का गठन : चंद्रबाबू

विजयवाड़ा, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जलीय कृषि क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए इसके किसानों को राहत देने के लिए हरसंभव कदम उठाने की प्रतिबद्धता जतायी है जो नए करों के अतिरिक्त बोझ से गहरे संकट का सामना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अमरावती स्थित राज्य सचिवालय में जलीय क्षेत्र को सहायता देने के संबंध में समीक्षा बैठक की, जिसे अमेरिका द्वारा लगाए गए नए टैरिफ के कारण नुकसान हो रहा है।

उन्होंने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर एक समिति बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि समिति न केवल मौजूदा समस्याओं का समाधान करने के लिए सुझाव दे सकती है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योजना भी बना सकती है।

हैदराबाद में गंदे नोटों का व्यापार कम रिटर्न के कारण अंतिम चरण में

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गंदे नोटों का कारोबार अपने अंतिम चरण में है। जिन दुकानों पर पुराने नोट बदले जाते थे, अब वे दुकानें कम हो गई हैं।

शहर के बाजारों में कभी सक्रिय रहे अधिकांश व्यापारियों ने अब कम रिटर्न के कारण अपना कारोबार बंद कर दिया है। एमजे मार्केट में दुकान चलाने वाले मोहम्मद इलियास ने कहा, लोग अब एकीकृत इंटरफ़ेस भुगतान विकल्पों का उपयोग कर रहे हैं। इसलिए नोटों का आदान-प्रदान नहीं होता और अंत में मुद्रा को कोई नुकसान नहीं होता। इसका मतलब है कोई कारोबार नहीं।दूरदराज के गांवों से जो लोग किसी काम से शहर आते हैं और बैंकिंग कार्यों या यूपीआई लेनदेन से अपरिचित होते हैं, वे ही इन दिनों इन केंद्रों पर आते हैं।व्यापारी गंदे नोटों को नए नोटों से बदलने के लिए 10 प्रतिशत कमीशन लेते हैं।आमतौर पर 'पुराने और कटे हुए नोटों के विनिमय' केंद्र के रूप में संदर्भित, ऐसे कियोस्क मुद्रा विनिमय केंद्र चदरघाट, चिक्कड़पल्ली, एमजे मार्केट, नामपल्ली और चारमीनार में हैं।

चादरघाट पर दुकान चलाने वाले दूसरी पीढ़ी के व्यापारी शमसुद्दीन याद करते हैं, यह उन लोगों के लिए बहुत काम की चीज थी जो खरीदारी करने या यात्रा पर थे। जब उन्हें पता चलता था कि कोई नोट क्षतिग्रस्त हो गया है, तो वे व्यापारी के पास जाते थे और नोट बदलवा लेते थे।

ऐतिहासिक स्थलों में से एक चारमीनार में करीब पांच लोग ऐसा करते थे। अब केवल दो ही बचे हैं। पुराने शहर के निवासी मोहम्मद सलीम याद करते हैं, नामपल्ली रेलवे स्टेशन और कोटी बस स्टॉप अन्य प्रमुख स्थान थे, जहां आपको ऐसी सुविधाएं मिल सकती थीं। लोग किनारे पर काउंटर लगाकर अपना कारोबार करते थे।व्यापारी भी सिक्के जमा करके रखते थे और होटल वाले उनसे सिक्के वसूलते थे। लेकिन अब ऐसे व्यापारी और यहां तक कि फेरीवाले भी ई-वॉलेट से भुगतान स्वीकार करने लगे हैं।

गंदे नोटों को एकत्र करने के बाद उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक ले जाया जाता है, जहां कटे-फटे, गंदे या अपूर्ण नोटों का आदान-प्रदान किया जाता है।

हैदराबाद में टीबी का पता लगाने के लिए एआई आधारित सबसे बड़ा अध्ययन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के शहर हैदराबाद में एक निजी अस्पताल में पल्मोनरी तपेदिक (टीबी) का पता लगाने के लिए छाती के एक्स-रे (सीएक्सआर) का उपयोग करके अब तक का सबसे बड़ा एआई-आधारित अध्ययन किया गया है।

यहां के किम्स अस्पताल की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि 16,675 वयस्क रोगियों के सीएक्सआर का क्यूएक्-सआर एआई उपकरण से पूर्वव्यापी विश्लेषण किया गया। अध्ययन दो प्रमुख उद्देश्यों पर केंद्रित था, पहला टीबी का पता लगाने में एआई की नैदानिक सटीकता का मूल्यांकन करना और दूसरा रेडियोलॉजिस्ट के साथ इसके समझौते का आकलन करना। निष्कर्ष बताते हैं कि एआई तकनीक टीबी के मामलों की पहचान करने में अत्यधिक प्रभावी है, जिसकी संवेदनशीलता दर 88.7 प्रतिशत है।

हैदराबाद में टीबी का पता लगाने के लिए एआई आधारित सबसे बड़ा अध्ययन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के शहर हैदराबाद में एक निजी अस्पताल में पल्मोनरी तपेदिक (टीबी) का पता लगाने के लिए छाती के एक्स-रे (सीएक्सआर) का उपयोग करके अब तक का सबसे बड़ा एआई-आधारित अध्ययन किया गया है।

यहां के किम्स अस्पताल की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि 16,675 वयस्क रोगियों के सीएक्सआर का क्यूएक्-सआर एआई उपकरण से पूर्वव्यापी विश्लेषण किया गया। अध्ययन दो प्रमुख उद्देश्यों पर केंद्रित था, पहला टीबी का पता लगाने में एआई की नैदानिक सटीकता का मूल्यांकन करना और दूसरा रेडियोलॉजिस्ट के साथ इसके समझौते का आकलन करना। निष्कर्ष बताते हैं कि एआई तकनीक टीबी के मामलों की पहचान करने में अत्यधिक प्रभावी है, जिसकी संवेदनशीलता दर 88.7 प्रतिशत है।

अज्ञात लोगों ने की युवक की हत्या

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार रात संतोषनगर में अज्ञात व्यक्तियों ने 22 वर्षीय एक युवक की हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, बंदलागुडा निवासी असलम (22) ऑटो रिक्शा चालक है और सोमवार शाम को कुछ लोगों से मिलने के लिए घर से निकला था, जिसके बाद वह लापता हो गया।

मंगलवार की सुबह उसका शव संतोषनगर के कब्रिस्तान में खून से लथपथ मिला।

पुलिस को संदेह है कि असलम के दोस्त फैसल ने ही उसकी हत्या की है। फैसल असलम की बहन के साथ रिलेशनशिप में था, लेकिन पीड़िता इसके लिए राजी नहीं हुई, जिसके कारण असलम और फैसल के बीच दुश्मनी बढ़ गई, ऐसा परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया।

मामला दर्ज कर लिया गया है और फैजल तथा अन्य फरार लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

तेलंगाना में कुछ जिलों के राशन शॉपों में नहीं मिल रहा उत्तम चावल

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार की ओर से 01 अप्रैल से उत्तम चावल .दिया जा रहा है। नेता और जनता की ओर से इस योजना की जमकर प्रशंसा भी की जा रही है। इससे संबंधित फोटो और वीडियो भी मीडिया में वायरल हो गये हैं। हालांकि, तेलंगाना के कुछ जिलों के कुछ राशन शॉपों में उपभोक्ताओं को पतला चावल नहीं मिल रहा है। पूछने पर राशन शॉपों के डीलर्स सही जवाब भी नहीं दे रहे हैं। कुछ राशन शॉप कब खोल रहे हैं और कब बंद कर रहे है इसकी जानकारी भी ग्राहकों को नहीं मिल रही हैं। इसके चलते ग्राहक सुबह और शाम राशन शापों के चक्कर कांट रहे हैं।

केवल जिले ही नहीं हैदराबाद के कुछ राशन शॉपों में भी यही हाल है। कुछ शॉपों में मोटा चावल ही दे रहे हैं। पूछने पर अगले महीने से पतला चावल देने की बात कह रहे हैं। उपभोक्ताओं का अधिकारी से आग्रह है कि वे इस पर ध्यान दें।

कोत्तागुडेम में काला जादू करने के संदेह में एक व्यक्ति की उसके रिश्तेदारों ने हत्या कर दी

कोत्तागुडेम, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के डुम्मुगुडेम मंडल के जेड वीरभद्रपुरम गांव में मंगलवार को काला जादू करने के संदेह में एक व्यक्ति की उसके रिश्तेदारों ने हत्या कर दी। बाद में आरोपी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस के अनुसार, कोमाराम रामुडू 3 मार्च को लापता हो गया था और उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी ने 16 मार्च को डुम्मुगुडेम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।जांच के दौरान, कोमाराम वेंकटेश्वर राव और पद्दम बलाराजू नामक दो व्यक्ति संदिग्ध पाए गए तथा पुलिस द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद से वे फरार थे।

गांव के बुजुर्ग और एक सरकारी कर्मचारी की मदद से आरोपियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने अपना अपराध कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने रामुडू की हत्या कर दी और उसका शव गांव के तालाब में फेंक दिया क्योंकि वह काला जादू करके उनके परिवारों को परेशान कर रहा था।

पुलिस ने सूचना के आधार पर गांव के तालाब से शव बरामद किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें बुधवार को न्यायिक रिमांड के लिए भद्राचलम कोर्ट में पेश किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मियापुर मेट्रो स्टेशन के पास मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना आज तब हुई, जब कुकटपल्ली से मियापुर की ओर जा रही लॉरी अनियंत्रित होकर ट्रैफिक छतरी से टकरा गई। होमगार्ड सिंहाचलम, कांस्टेबल विकेंद्र और राजवर्धन सहित घायल अधिकारियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान सिंहाचलम की मौत हो गई जबकि कांस्टेबल विकेंद्र और राजवर्धन की हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद लॉरी का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

शमीरपेट झील में पिकनिक मनाने गए दो लोग डूबे

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिकनिक मनाने आए दो लोग मंगलवार दोपहर शमीरपेट स्थित एक झील में डूब गए।हैदराबाद अचल संपत्ति

पुलिस के अनुसार, कुकटपल्ली में कारखानों में काम करने वाले दो पीड़ित यशवंत (24) और मोंडा कृष्णा (35) मंगलवार की सुबह पिकनिक मनाने के लिए दोस्तों के साथ शमीरपेट के पेड्डा चेरुवु आए थे।

दोपहर के समय यशवंत और कृष्णा झील में उतरे और बचाए जाने से पहले ही डूब गए। पुलिस ने बताया, दोनों पीड़ित तैरना नहीं जानते थे। वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मामला दर्ज कर लिया गया है।

यशवंत तेलंगाना के नगरकुर्नूल जिले के मूल निवासी हैं, जबकि कृष्णा आंध्र प्रदेश के मूल निवासी हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

तेलंगाना में पारदर्शी पंजीकरण के लिए स्लॉट बुकिंग प्रणाली होगी शुरू

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने उप-पंजीयक कार्यालयों को आधुनिक बनाने तथा पूरे राज्य में तेज, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए स्लॉट बुकिंग प्रणाली शुरू करने की घोषणा की।मंत्री ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि 22 उप-पंजीयक कार्यालयों में पायलट आधार पर 10 अप्रैल से शुरू होने वाली नई प्रणाली से नागरिकों को 10-15 मिनट के भीतर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति मिलेगी, जिससे लंबे इंतजार का समय खत्म हो जाएगा।लोग वेबसाइट ाशिसळीाीरींळेप.ींश-श्ररपसरपर.सीें.ळप के माध्यम से सुविधाजनक समय स्लॉट बुक कर सकते हैं, जबकि प्रतिदिन शाम 5 से 6 बजे तक पाँच आपातकालीन वॉक-इन की अनुमति होगी।भीड़भाड़ को संभालने के लिए, प्रतिदिन 48 समय स्लॉट आवंटित किए जाएंगे, और कुतुबुल्लापुर जैसे उच्च मांग वाले कार्यालयों में, अतिरिक्त उप-पंजीयक नियुक्त किए जा रहे हैं, जिससे 144 स्लॉट की उपलब्धता बढ़ जाएगी। कार्यभार को संतुलित करने के लिए अधिकार क्षेत्र का पुनर्गठन भी चल रहा है, जिसकी शुरुआत चंपापेट और सरूर नगर उप-पंजीयक क्षेत्रों के विलय से होगी।इसके अतिरिक्त, नागरिक अब एक नए वेबसाइट मॉड्यूल के माध्यम से बिक्री विलेख दस्तावेज़ स्वयं तैयार कर सकते हैं, और प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए अप्रैल के अंत तक आधार-आधारित ई-हस्ताक्षर पेश किए जाएंगे।

मंत्री ने जनता के बीच एक आम शिकायत, दोहरे पंजीकरण को रोकने के लिए पंजीकरण अधिनियम में संशोधन करने की योजना का भी खुलासा किया। ऐसी घटनाओं के खिलाफ कानूनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक नया खंड, 22-बी जोड़ा जाएगा।

स्लॉट बुकिंग सुविधा निम्नलिखित उप-पंजीयक कार्यालयों में उपलब्ध होगी:

-हैदराबाद जिला: आमपुर और चिक्कड़पल्ली

-संगारेड्डी जिला: सदाशिवपेट

-मेडचल-मलकजगिरी जिला: कुथबुल्लापुर और वल्लभनगर

-रंगारेड्डी जिला: शमशाबाद, सरूरनगर और चंपापेट

-पेद्दापल्ली जिला: रामागुंडम

-खम्मम जिला: कुसुमंची और खम्मम

-अन्य: महबूबनगर, जगतियाल, निर्मल, वारंगल, वारंगल ग्रामीण, कोठागुडेम, आर्मूर, भुवनागिरी और चौटुप्पल

हनुमान जयंती से पहले हैदराबाद पुलिस ने सुरक्षा उपायों की समीक्षा की

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने 12 अप्रैल को होने वाली हनुमान जयंती के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर मंगलवार, 8 अप्रैल को शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शांतिपूर्ण जुलूस सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की।उन्नत निगरानी: उन सभी चौराहों पर विशेष निगरानी उपाय स्थापित किए जाने चाहिए जहां छोटे जुलूसों के मुख्य मार्ग से मिलने की संभावना हो।आयुक्त आनंद ने अधिकारियों को उन सभी चौराहों पर विशेष निगरानी स्थापित करने का निर्देश दिया, जहां छोटे जुलूसों के मुख्य मार्ग से मिलने की संभावना है।

संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त विशेष बलों की तैनाती की जाएगी, मुख्यतः उन क्षेत्रों में जहां धार्मिक संरचनाएं स्थित हैं।हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने सभी स्टेशन हाउस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हनुमान जयंती के लिए निर्धारित मार्ग, जिसमें श्री राम मंदिर (गौली गुडा) और बाइबल हाउस, जो ताड़ बुंद हनुमान मंदिर की ओर जाता है, पर गहन निरीक्षण करें और संभावित समस्याओं या बाधाओं की पहचान करें।पुलिस जुलूस के दौरान डीजे साउंड सिस्टम के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देगी। जुलूस के दौरान प्रतिभागियों को पटाखे फोड़ने, पैदल चलने वालों पर गुलाल जैसी चीजें फेंकने की सख्त मनाही है।आयोजकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी भी भड़काऊ बैनर को प्रदर्शित करने से बचें, जिससे क्षेत्र में सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा हो सकता है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जुलूस में सीमित संख्या में वाहनों का उपयोग किया जाए और अन्य समुदायों के व्यक्तियों द्वारा किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएं।हनुमान जयंती जुलूस के दौरान ड्रोन का उपयोग सख्त वर्जित है। आयोजकों को संबंधित अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेनी होगी।आम जनता को दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित अफवाहों पर विश्वास न करें या उनका प्रचार न करें। भड़काऊ पोस्ट और फर्जी संदेश फैलाने से सख्त मना किया जाता है और ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।पुलिस अधिकारियों को हनुमान जयंती जुलूस के दौरान जेबकतरी और चेन स्नेचिंग की घटनाओं पर नजर रखने को कहा गया।

238 तेलंगाना सामाजिक कल्याण स्कूलों में कोडिंग शुरू की जाएगी

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोडिंग कौशल विकसित करने और बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से, तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी (टीज-ाएसडब्ल्यूआरईआईएस) आगामी 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से कक्षा 6 से इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष तक के छात्रों के लिए कोडिंग में एक पाठ्यक्रम शुरू करने जा रही है। टीजीएस डब्ल्यूआरईआईएस ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, कार्य योजना, निगरानी और शिक्षण के लिए यूके स्थित रास्पबेरी पाई फाउंडेशन के साथ 5 वर्षों के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।यह पहल राज्य सरकार की सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालयों में बुनियादी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स, कोडिंग और ऑनलाइन टूल प्रदान करने की योजना से उपजी है। पिछले साल मोइनाबाद सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालय में प्रत्येक स्कूल के पांच छात्रों को प्रशिक्षित किया गया था।परिणाम प्रभावशाली होने के कारण, टीजीएस डब्ल्यूआरईआईएस सचिव अलुगु वर्षिनी ने रास्पबेरी पाई फाउंडेशन की देखरेख में सभी सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालयों में इसे लागू करने का निर्णय लिया। सभी विद्यालयों में नियमित कक्षाओं और प्रोजेक्ट कार्य के साथ कंप्यूटिंग पाठ्यक्रम को एक नियमित विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है।लगभग 1,52,000 छात्रों को किताबें दी जाएंगी, कोर्स पूरा होने पर उन्हें सर्टिफिकेशन दिया जाएगा और 250 छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट में शामिल होने का मौका भी मिलेगा। हर स्कूल में कोडिंग क्लब बनाया जाएगा।

प्रत्येक जोन में एक बालक और एक बालिका सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालय को कोडिंग स्पोक स्कूल के रूप में नामित किया जाएगा। प्रत्येक जोन में छह कोडिंग प्रशिक्षकों के साथ, ये स्पोक स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों के लिए संसाधन केंद्र के रूप में काम करेंगे। सात जोन में कुल 42 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

प्रत्येक स्कूल में 5 कोडिंग मेंटर के साथ, 238 आवासीय स्कूलों में कुल 1,190 छात्र होंगे जो 89,250 छात्रों के लिए कोडिंग मेंटर के रूप में कार्य करेंगे।हर तीन या छह महीने में एक बार, जो छात्र कोडिंग में अच्छे पाए जाएंगे, उनसे एक प्रोजेक्ट कराया जाएगा, जिसे वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, ताकि कंपनियां उनमें से चुन सकें और कुशल छात्रों को सशुल्क प्रोजेक्ट दे सकें।सचिव वर्षिणी ने बताया कि इन 238 विद्यालयों में बच्चों को कोडिंग सीखने में सक्षम बनाने के लिए आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं, जिसे उन्होंने समाज कल्याण आवासीय विद्यालयों के इतिहास में पहली बार बताया।कंप्यूटिंग और कोडिंग के अलावा, समाज कल्याण आवासीय विद्यालय बच्चों के लिए गणित और विज्ञान सीखना आसान बनाने के लिए वीडियो, एनीमेशन, गेम और कहानियों जैसी नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करेंगे।

साइबर जालसाजों ने पशु चिकित्सक से 1.7 लाख रुपए ठगे

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के एक पशु चिकित्सक से साइबर जालसाजों ने भारतीय सेना के कुत्तों को टीकाकरण उपलब्ध कराने के नाम पर कथित तौर पर 1.7 लाख रुपये की ठगी की।उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शहर के एक निजी क्लिनिक में काम करने वाले पशु चिकित्सक को हाल ही में एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था, जिसने दावा किया था कि वह भारतीय सेना से जुड़ा हुआ है। संदिग्ध व्यक्ति ने सेना परिसर में 90 कुत्तों को टीका लगाने की प्रक्रिया और टीकाकरण के बारे में पूछताछ की।यह भी पता चला है कि घोटालेबाज ने शिकायतकर्ता को टीकाकरण से संबंधित भुगतान की पुष्टि के लिए उसके मोबाइल फोन पर प्राप्त ओटीपी सहित बैंक क्रेडेंशियल्स साझा करने के लिए राजी और धोखा दिया था।

इस प्रस्ताव को सच मानकर शिकायतकर्ता ने सारी जानकारी साझा कर दी और उसके बैंक खाते से 1.7 लाख रुपये की राशि निकाल ली गई।हालांकि, जब शिकायतकर्ता ने संपर्क करने की कोशिश की तो फोन बंद थे, तब पता चला कि यह धोखाधड़ी है।शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों को संदेह है कि यह काम अंतरराज्यीय साइबर जालसाजों का है और उनकी पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

रेवंत ने ब्रह्माकुमारीज प्रमुख दादी रतन मोहिनी के निधन पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने ब्रह्माकुमारीज ग्लोबल सेंटर्स की मुख्य प्रशासनिक प्रमुख रहीं राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

दादी रतन मोहिनी का सोमवार को गुजरात के अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया।

अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने दादी जी के जीवन को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि वे आध्यात्मिक शक्ति, पवित्रता और विश्व बंधुत्व की प्रतीक थीं। उन्होंने 140 से अधिक देशों में भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं को फैलाने और दुनिया भर में शांति और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने में उनके अथक प्रयासों की सराहना की। रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनका निधन राज्य और राष्ट्र दोनों के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और कहा कि उनका जीवन और शिक्षाएं सभी के लिए मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में काम करती रहेंगी।

तेलंगाना के जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में भारी गिरावट दर्ज की गई!

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार के बड़े-बड़े दावों को खारिज करते हुए, कांग्रेस शासन में तेलंगाना की आर्थिक गति लड़खड़ा रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) दोनों की वृद्धि दर 2024-25 में तेज गिरावट दर्ज की गई।

रैंक किए गए 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, राज्य ने वित्त वर्ष 2024-25 में मौजूदा कीमतों पर 10.12 प्रतिशत की जीएसडीपी वृद्धि दर्ज की, जो राष्ट्रीय स्तर पर 14वें स्थान पर आ गई। इसके विपरीत, पिछली बीआरएस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत, 2023-24 में जीएसडीपी 11.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी, और 2014-15 से 2022-23 तक औसत वार्षिक वृद्धि दर 12.7 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 10.5 प्रतिशत से काफी ऊपर थी।

स्थिर मूल्यों पर भी, जो मुद्रास्फीति के समायोजन के बाद वास्तविक आर्थिक विस्तार को दर्शाते हैं, तेलंगाना ने 2024-25 में 6.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 2023-24 में 7.4 प्रतिशत और 2022-23 में 6.9 प्रतिशत से कम है। राज्य राष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक जीएसडीपी वृद्धि में 13वें स्थान पर आ गया।

प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई), जिसे अक्सर नागरिकों की आर्थिक भलाई का एक प्रमुख संकेतक माना जाता है, भी धीमी हो गई है।

2024-25 में, पीसीआई में केवल 9.61 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें तेलंगाना राज्यों में 11वें स्थान पर रहा। यह बीआरएस सरकार के तहत 2022-23 में दर्ज 16.2 प्रतिशत पीसीआई वृद्धि और 2023-24 में 14.1 प्रतिशत से स्पष्ट गिरावट है।

वर्तमान पीसीआई 3,79,751 रुपये है, जो 2023-24 में 3,56,564 रुपये और 2022-23 में 3,12,522 रुपये से अधिक है, लेकिन राज्य का रैंक शीर्ष स्थान से दूसरे स्थान पर खिसक गया है। पड़ोसी कर्नाटक ने अब 3,80,906 रुपये के पीसीआई के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

WANTED FLAT ON RENT

Wanted Flat Rent a Fully Furnished 2-3 BHK in the area of Secunderabad - Banjara Hills with good ventilation and Car Parking.

Please Contact : 94408 91471

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.